*
ओड़िशा संस्करण

www.epaper.azadsipahi.com

16 सितंबर, 2022
आश्विन, कृष्ण पक्ष, षष्ठी
संवत 2079
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

रांची
शुक्रवार, वर्ष 07, अंक 327

कलम कलम बढ़ाये जा

आजाद सिपाही

मनी लॉन्ड्रिंग केस में बॉलीवुड एक्ट्रेस नोरा से छह घंटों तक पूछताछ

SURJABASHA

FLORENCE
Group of Institutions
(A Unit of : Haji Abdur Razzaque Educational Society)
Irba, Ranchi-835219 (Jharkhand)

मुलाकात : राज्यपाल रमेश बैस से मिले मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, कहा

अनिश्चितता का वातावरण शीघ्र दूर हो

- राज्यपाल को सौंपा पत्र निर्वाचन आयोग के मंतव्य की मांगी प्रति
- पत्र में भाजपा पर भी लगाया आरोप

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। राज्य में राजनीतिक हालात तेजी से बदल रहे हैं। एक ओर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के विधानसभा की सदस्यता को लेकर असमंजस की स्थिति है, तो दूसरी ओर सरकार एक के बाद एक बड़े-बड़े निर्णय ले रही है। इन सबके बीच गुरुवार दोपहर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अचानक राज्यपाल रमेश बैस से मिलने राजभवन पहुंचे गये। उन्होंने राज्यपाल को राज्य की मौजूदा राजनीतिक हालत से अवगत कराते हुए कहा कि निर्वाचन आयोग के मंतव्य की एक प्रति उपलब्ध करायी जाये। यथाशीघ्र सुनवाई का अवसर प्रदान किया जाये, जिससे स्वस्थ लोकतंत्र के लिए घातक अनिश्चितता का वातावरण शीघ्र दूर हो सके। इस संबंध में हेमंत सोरेन ने राज्यपाल को एक पत्र भी सौंपा।

राज्य में 25 अगस्त से है अनिश्चितता का माहौल

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की सदस्यता को लेकर निर्वाचन आयोग का पत्र 25 अगस्त को राजभवन पहुंचने की बात मीडिया में आयी। इसके बाद से राज्य में राजनीतिक हलचल तेज हो गयी। हेमंत सोरेन ने महागठबंधन के विधायकों को एकजुट रखने का प्रयास तेज कर दिया। गठबंधन के विधायकों को तीन दिन के लिए रायपुर शिफ्ट किया गया। 5 सितंबर को विधानसभा में हेमंत सरकार ने बहुमत साबित किया। इन सबके बीच 1 सितंबर को महागठबंधन के एक प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल से मिल कर निर्वाचन आयोग के पत्र को उजागर करने की मांग की। हेमंत ने अपने पत्र में इन सभी बातों का जिक्र किया है।

भाजपा पर निशाना साधा

मुख्यमंत्री ने पत्र में भाजपा पर निशाना साधा है। उन्होंने लिखा है कि फरवरी, 2022 से ही भाजपा द्वारा यह भूमिका रची जा रही है कि मेरे द्वारा पत्थर खनन पट्टा लिये जाने के आधार पर मुझे विधान सभा की सदस्यता से अयोग्य ठहरा दिया जायेगा। इस संबंध में भाजपा द्वारा आपके समक्ष एक शिकायत भी दर्ज की गयी थी। हालांकि संबंधित विषय पर माननीय सर्वोच्च न्यायालय के दो निर्णय के तहत यह साफ है कि खनन पट्टा लिये जाने से जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 9 (ए) के प्रावधान के अंतर्गत अयोग्यता उत्पन्न नहीं होती है तथापि इस विषय में मंतव्य गठन हेतु संविधान के अनुच्छेद 192 के अंतर्गत आपके द्वारा मांगे गये मंतव्य के अनुसरण में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा सुनवाई भी आयोजित की गयी। निर्वाचन आयोग को अपना मंतव्य आपके समक्ष प्रस्तुत करना है। इसके बाद मामले की सुनवाई कर आपको निर्णय लेना है। हेमंत ने कहा कि भाजपा के नेताओं के सार्वजनिक बयानों से यह प्रतीत होता है कि निर्वाचन आयोग द्वारा अपना मंतव्य उनको सौंप दिया गया है। व्यापक रूप से प्रचारित किया जा रहा है कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा यह अभिमत दे दिया गया है कि मुझे पंचम झारखंड विधानसभा की सदस्यता से निरर्हित कर दिया गया है। पत्र में हेमंत ने यह भी लिखा है कि भाजपा इस भ्रम की स्थिति का उपयोग दलबदल के अस्त्र के रूप में कर अनैतिक रूप से सत्ता हासिल करने का प्रयास कर रही है। वह अपने इस अनैतिक प्रयास में सफल नहीं होगी, क्योंकि राज्य गठन के बाद पहली बार हमारी सरकार को दो तिहाई सदस्यों का समर्थन प्राप्त है। हमारी सरकार ने 5 सितंबर को भी सभा पटल पर बहुमत साबित कर दिया है।

दुर्भाग्यपूर्ण परिस्थिति के कारण आना पड़ा

हेमंत सोरेन ने पत्र में यह भी लिखा है कि राज्य विगत तीन सप्ताह से अधिक समय से असामान्य अनापेक्षित एवं दुर्भाग्यपूर्ण परिस्थितियों के कारण इस पत्र के साथ आपके समक्ष उपस्थित होने के लिए बाध्य होना पड़ रहा है। उन्होंने लिखा है कि मीडिया और भाजपा द्वारा छन कर जो बातें सामने आ रही हैं, उससे सरकार, कार्यपालिका एवं जनमानस में भ्रम की स्थिति उत्पन्न हो रही है, जो राज्यहित एवं जनहित में नहीं है। हेमंत ने कहा कि राज्य के संवैधानिक प्रमुख के नाते आपसे संविधान एवं लोकतंत्र की रक्षा में महती भूमिका की अपेक्षा की जाती है। इसलिए आपसे अनुरोध है कि निर्वाचन आयोग के मंतव्य की प्रति उपलब्ध करायी जाये। यथाशीघ्र युक्तियुक्त सुनवाई का अवसर प्रदान किया जाये।

राज्यपाल से मिलने के बाद हेमंत सोरेन गये दिल्ली

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। स्थानीय नीति और ओबीसी आरक्षण पर फैसले के बाद से झारखंड में राजनीतिक हलचल तेज हो गयी है। गुरुवार दोपहर को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राज्यपाल रमेश बैस से मुलाकात की और फिर अपने पिता शिबू सोरेन से मिलने के बाद शाम को दिल्ली चले गये। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के दिल्ली जाने के बाद राजनीतिक गलियारों में कई तरह के कयास लगाये जा रहे हैं। हेमंत सोरेन ने मोरहाबादी रांची स्थित आवास में अपने पिता और पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान राज्यसभा सांसद दिशोम गुरु शिबू सोरेन से मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने उन्हें 14 सितंबर 2022 को संपन्न हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में 1932 खतियान आधारित झारखंड की

स्थानीय निवासी की परिभाषा और पहचान के लिए विधेयक, 2022 के गठन की स्वीकृति दिये जाने और अन्य बड़े निर्णयों के संबंध में अवगत कराया।

हमारी सरकार आपके सपनों को पूरा कर रही है : मुख्यमंत्री ने भेंट-वार्ता के क्रम में कहा कि हमारी सरकार आपके सपनों को पूरा कर रही है। आपके लंबे संघर्ष और आंदोलन के बाद जिस उद्देश्य से अलग झारखंड राज्य मिला है, अब उस राज्य को हमारी सरकार हर क्षेत्र में बेहतर दिशा देकर आगे बढ़ा रही है। शिबू सोरेन ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को हरेक राज्य वासियों की उम्मीदों और आकांक्षाओं को पूरा करने का आशीर्वाद दिया।

समरकंद पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी

नयी दिल्ली। उज्बेकिस्तान में गुरुवार से दो दिवसीय शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गेनाइजेशन, यानी एससीओ की बैठक शुरू हो रही है। इसके लिए प्रधानमंत्री मोदी शाम 6:40 बजे समरकंद के लिए रवाना हुए। रात 9 बजे तक उज्बेकिस्तान पहुंचे। बता दें कि चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग 14 सितंबर को ही समरकंद पहुंच गये थे। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ भी इस मीटिंग में शिरकत करेंगे।

1932 के खतियान पर शुरू हुआ विवाद

कांग्रेस सांसद गीता कोड़ा और पूर्णिमा ने जताया विरोध

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। राज्य की हेमंत सरकार ने बुधवार को कैबिनेट से स्थानीयता और नियोजन मामले में 1932 के खतियान पर सहमति दे दी। सरकार के इस फैसले पर हेमंत कैबिनेट के मंत्रियों ने खूब खुशियां जाहिर की हैं, लेकिन सरकार के इस फैसले के दूसरे ही दिन सत्ता पक्ष से ही विवाद शुरू हो गया है। गैर तो गैर, सहयोगियों ने इस पर सवाल उठाये। एक तरफ सरकार में शामिल कांग्रेस कोटे के मंत्री और प्रदेश अध्यक्ष सरकार के इस फैसले को ऐतिहासिक करार दे रहे हैं, वहीं पार्टी की सांसद और कार्यकारी अध्यक्ष गीता कोड़ा, उनके पति मधु कोड़ा और झरिया विधायक पूर्णिमा नीरज सिंह, कांग्रेस नेता संतोष सिंह ने इस पर नाराजगी जतायी है।

1932 का खतियान घातक: गीता कोड़ा

कांग्रेस की सांसद गीता कोड़ा और पूर्व सीएम मधु कोड़ा ने 1932 के खतियान को कोल्हान के लिए घातक बताया है। गीता कोड़ा ने कहा है कि इस निर्णय से झारखंड के कोल्हान क्षेत्र की आम जनता स्थानीय अर्थात झारखंडी होने से वंचित रह जायेगी। उन्हें अपनी ही जन्मस्थली पर स्थानीय का दर्जा नहीं मिल सकेगा, बल्कि इस क्षेत्र की जनता प्रवासी बन कर रह जायेगी।

पूरा कोल्हान जलेगा : मधु कोड़ा

पूर्व सीएम मधु कोड़ा ने कहा कि राज्य सरकार अगर इस फैसले पर पुनर्विचार नहीं करती है, तो इससे पूरा कोल्हान जलेगा। उन्होंने कहा कि कई जिलों में अलग-अलग भूमि सर्वे किया गया है। कोल्हान में यह सर्वे 1964-1965 का है। 1932 की खतियान आधारित नीति लागू होने से कोल्हान के लोग झारखंड के मूल निवासी नहीं होंगे।

यह फैसला राज्य के लिए अहितकर: पूर्णिमा

कांग्रेस विधायक पूर्णिमा नीरज सिंह ने 1932 खतियान के प्रस्ताव को राज्य के लिए अहितकर कहा है। उनके मुताबिक इससे झारखंड फिर से जलेगा। यह जरूरी नहीं कि कैबिनेट से पास प्रस्ताव विधानसभा से भी पास हो। कोर्ट में टिकने लायक प्रस्ताव सरकार को लाना चाहिए। सभी वर्ग के लोगों की भावनाएं बनी रहें, ऐसा प्रयास सरकार करे।

सरकार का राजनीतिक स्टंट है : पीएन सिंह

धनबाद सांसद पीएन सिंह के मुताबिक यह राजनीतिक स्टंट है। भोली भाली जनता को गुमराह किया जा रहा है।वोट की राजनीति का प्रयास है। ऐसा कहीं नहीं लिखा है कि 1932 या 1965 खतियान वाले ही झारखंडी होंगे। 1932 खतियान का प्रस्ताव उलझन पैदा करने वाला है। इससे किसी का भला नहीं होने वाला।

'Media Marketing Initiative

डॉ लंबोदर महतो की लंबी लड़ाई का परिणाम है 1932 खतियान आधारित स्थानीय नीति

- झारखंड विधानसभा के अंदर और बाहर 1932 खतियान आधारित स्थानीय नीति लागू करने के लिए लगातार जोरदार आवाज उठाते थे
- विधायक डॉ लंबोदर महतो ने कहा था - हेमंत सरकार इस नीति को लागू करे, अगर संख्या बल कम हुआ तो हम समर्थन देंगे

रांची। वैसे तो आजसू पार्टी के केंद्रीय महासचिव सह गोमिया के विधायक डॉ लंबोदर महतो लोगों की आवाज बन कर लोगों के हर मुद्दे को मुखर रूप से उठाते रहे हैं, लेकिन 1932 खतियान आधारित स्थानीय नीति को लेकर लंबी लडाई लड़ी है। वे 1985 से ही इसके लिए आवाज उठाते रहे हैं। डॉ लंबोदर महतो की लंबी लड़ाई का परिणाम है 1932 खतियान आधारित स्थानीय नीति।

बीते 25 फरवरी से लेकर 25 मार्च तक लगातार झारखंड विधानसभा के बाहर 1932 का खतियान स्थानीय नीत लागू करो का बैनर-पोस्टर लेकर अकेले घंटों धरना-प्रदर्शन करते रहे।

आजसू विधायक लंबोदर महतो ने कहा कि उनकी पार्टी हमेशा ही 1932 के खतियान आधारित स्थानीय नीति की मांग करती रही है। झामुमो की सरकार भी इसी नीति को लागू करने की बात कह कर सत्ता में आयी थी।

विधायक ने कहा था यदि हेमंत सरकार इस नीति को लागू करती है, तो आजसू पार्टी पूरा समर्थन करेगी। लंबोदर महतो ने कहा कि हेमंत सरकार को संख्या बल कम पड़ता है, तो आजसू समर्थन करेगी।

विधायक लंबोदर महतो ने कहा कि हमारी पार्टी ने 1985 आधारित स्थानीय नीति का विरोध किया था। उन्होंने कहा कि हमारी पार्टी शुरू से ही 1932 का समर्थन कर रही है।

1932 खतियान आधारित स्थानीय नीति को लेकर हर बार झारखंड विधानसभा में धरना-प्रदर्शन किया

झारखंड विधानसभा के बाहर प्रदर्शन करते हुए।

मांगपत्र सौंपा • लंबोदर महतो, उमाकांत रजक, देवशरण भगत ने राज्यपाल को सौंपा ज्ञापन

आजसू ने की 1932 के खतियान के आधार पर स्थानीय नीति की मांग

सिटी रिपोर्टर | बोकारो

राज्य के ज्वलंत मुद्दों को लेकर आजसू पार्टी की ओर से झारखण्ड राज्य की जनता के हित में जनहित से जुड़ी समस्याओं के निराकरण के लिए राज्यपाल को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में कहा गया है कि सरकार राज्य की जनता को उसका हक एवं अधिकार दिलाने के लिए 1932 का खतियान या अंतिम सर्वे के आधार पर नियुक्ति से पूर्व स्थानीय नीति एवं नियोजन नीति लागू की जाए। सरकार राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग की अनुशंसा के आलोक में पिछड़ी जातियों को आरक्षण देना सुनिश्चित करें। राज्य सरकार अपने व्यय पर जातीय जनगणना करना सुनिश्चित करें। सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय के आलोक में पंचायत चुनाव कराने से पूर्व राज्य की पिछड़ी जातियों को पंचायत चुनाव में आरक्षण देना सुनिश्चित किया जाए। राज्य में सरना धर्म कोड तथा कुड़माली भाषा कोड आगामी जनगणना के प्रपत्र में शामिल करायी जाए। 23 नवंबर 2004 को हुई मंत्रिपरिषद की बैठक के प्रस्ताव संख्या-1 में लिए गए निर्णय का अक्षरशः अनुपालन कराते हुए राज्य की कुड़मी, कुरमी, पटवार, घटवाल एवं तेली (कोल्ह) को अनुसूचित जनजाति में शामिल कराई जाए। सरकार झारखण्ड आंदोलनकारियों को उनकी पहचान, हक एवं अधिकार तथा मान-सम्मान देना सुनिश्चित करें। सरकार भाषाई अतिक्रमण विवाद को समाप्त कर राज्य की मात्र 9 जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषाओं को संबंधित जिले की क्षेत्रीय एवं जनजातीय भाषाओं की सूची में शामिल करें। मौके पर डॉ. देवशरण भगत, पूर्व मंत्री उमाकांत रजक, डॉ. लंबोदर महतो, शिवपूजन मेहता, रामचंद्र सहिस आदि रहे।

राज्यपाल को ज्ञापन सौंपते आजसू के नेता।

डॉ लंबोदर महतो ने झारखंड के राज्यपाल को ज्ञापन सौंपा था।

झारखंड विधानसभा के बाहर प्रदर्शन करते हुए।

अनोखे अंदाज में झारखंड विधानसभा के बाहर प्रदर्शन करते हुए।

25 फरवरी से लेकर 25 मार्च तक चले विधानसभा बजट सत्र के 16 कार्य दिवस में लगातार 16 दिन तक सदन के बाहर बैनर-पोस्टर लेकर धरना पर बैठे डॉ लंबोदर महतो।

सर्राफा
सोना (बिक्री) 46,800 रु./10 ग्राम
चांदी 56,000 रु./प्रति किलो

आजाद सिपाही
रांची, शुक्रवार, 16 सितंबर, 2022
www.azadsipahi.com

हेमंत के खतियान और आरक्षण कार्ड से भाजपा भक्क

1932 का खतियान और आरक्षण पर फैसला लेकर बैकफुट पर धकेला विपक्ष को

आजाद सिपाही विशेष

पिछले साल फरवरी में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने दुनिया के प्रख्यात संस्थान हार्वर्ड बिजनेस स्कूल और हार्वर्ड केनेडी स्कूल द्वारा आयोजित इंडिया कांफ्रेंस में जो कुछ कहा, उसका लब्बो-लुआब यह था कि वह तन-मन-धन से आदिवासी हितों के लिए समर्पित हैं। करीब डेढ़ साल बाद उनका यह कथन सही साबित हो रहा है। हेमंत सोरेन ने झारखंड के आदिवासियों, मूलवासियों और सदानों की भावनाओं से जुड़े दो मुद्दों, 1932 का खतियान और आरक्षण पर फैसला लेकर इनका दिल जीत लिया है। हेमंत ने उनकी नजरों में अपने को यह साबित कर दिया है कि वह आज की तारीख में आदिवासी मूलवासी हितों के सबसे बड़े पैरोकार हैं। वह केवल चुनावी वादों पर यकीन नहीं करते, बल्कि उन्हें पूरा करने की इच्छाशक्ति भी रखते हैं। हार्वर्ड केनेडी स्कूल के कार्यक्रम में पूछे गये पहले सवाल कि 'झारखंड कैसा है' के जवाब में 'जोहार' से शुरू कर हेमंत सोरेन ने साढ़े तीन करोड़ की आबादी वाले इस खूबसूरत प्रदेश की जो तस्वीर दुनिया के सामने पेश की, वह सराहनीय तो थी ही, साथ ही इसके साथ किये गये छल-प्रपंच और राजनीतिक धोखेबाजी को भी उन्होंने सामने रखा था। झारखंड आंदोलन, उसकी पृष्ठभूमि और उसकी जरूरत को रेखांकित करते हुए हेमंत अक्सर अपने पीछे लगी दिशोम गुरु शिबू सोरेन की तस्वीर को दिखाते हुए कहते रहते हैं कि यह राज्य लंबे संघर्ष का प्रतिफल है। इसकी परिकल्पना यहां के आदिवासियों के विकास को लेकर की गयी थी। लेकिन यह बेहद अफसोस की बात है कि झारखंड को जहां पहुंचना चाहिए था, वहां यह नहीं पहुंच सका है। लेकिन 14 सितंबर, 2022 को उन्होंने आदिवासियों-मूलवासियों सदानों की अस्मिता से जुड़े दो मुद्दों पर साहसिक फैसला लेकर अपनी सियासी राह में पैदा हुए कील-पत्थरों को एक झटके में उखाड़ फेंका है। हेमंत ने राज्य की सुरक्षित लोकसभा सीटों और सुरक्षित विधानसभा सीटों का समीकरण भी एक झटके में बदल दिया है। 1932 के खतियान और आरक्षण जैसे दो महत्वपूर्ण फैसलों के बाद झारखंड की संभावित सियासी तस्वीर और उसमें हेमंत सोरेन को मिली वाहवाही का आकलन कर रहे हैं आजाद सिपाही के **विशेष संवाददाता राकेश सिंह।**

राकेश सिंह

कहानी शुरू करते हैं 23 दिसंबर, 2019 से। झारखंड की पांचवीं विधानसभा के लिए हुए चुनाव का परिणाम घोषित हुआ था और पहली बार झारखंड ने पूर्ण बहुमत की सरकार को आत्मसात किया था। झामुमो-कांग्रेस-राजद को बहुमत मिल गया था और हेमंत सोरेन का मुख्यमंत्री बनना तय हो गया था। अपने आवास पर मीडिया के सवालों के जवाब में झामुमो के इस युवा नेता ने दुनिया को आश्वस्त किया था कि उनकी सरकार का हर फैसला झारखंडियों के हितों को ध्यान में रख कर किया जायेगा। खास बात यह कि वह यह बात आज तक नहीं भूले हैं और आज जब झारखंड में एक बड़ा वर्ग 1932 के खतियान और आरक्षण की सीमा बढ़ाये जाने के उनकी कैबिनेट के फैसलों पर खुशी से झूम रहा है, हेमंत सोरेन सियासत की उबड़-खाबड़ जमीन पर अपनी सरकार और पार्टी के लिए रास्ता आसान कर दिया है। यह पहला मौका नहीं है, जब हेमंत सोरेन ने आदिवासी हितों को सबसे ऊपर रखा है। पिछले पौने तीन साल में उनका एक भी फैसला आदिवासी-मूलवासी हित के खिलाफ नहीं गया है। यही नहीं, जरूरत के समय काम से भी उन्होंने पहचान बनायी है। चाहे कोरोना संकट हो या कोयला खदान की नीलामी, प्रवासी मजदूरों के लिए विशेष ट्रेन की व्यवस्था करने का सवाल हो या गरीबों के लिए दूसरी कल्याण योजनाएं शुरू करने का मामला, हेमंत ने साबित कर दिया है कि वह सचमुच काम में यकीन रखते हैं। सरना धर्मकोड और निजी क्षेत्र में आरक्षण जैसे विवादित और संवेदनशील मुद्दों को जिस तरीके से उन्होंने टेकल किया है, उसने साबित कर दिया है कि हेमंत सोरेन केवल बातें नहीं करते, काम करते हैं।

हेमंत सोरेन के इस फैसले की सबसे खास बात यह है कि इस समय झारखंड सियासी संकट के दौर से गुजर रहा है। खुद हेमंत सोरेन पर अयोग्यता की तलवार लटक रही है और उनकी सरकार के सामने भारी संकट है। इसके बावजूद 1932 के खतियान को झारखंडियों की पहचान के रूप में मान्यता देने का उनका फैसला उनके लिए ऑक्सीजन का काम कर गया है। इतना ही नहीं, इस खतियान आधारित स्थानीय नीति तथा नौकरियों में ओबीसी, एसटी और एससी आरक्षण के कोटे में बढ़ोतरी को लागू करने का उनका फैसला मास्टर स्ट्रोक माना जा रहा है।

झारखंड में हमेशा से 1932 आधारित स्थानीय नीति का मुद्दा आदिवासियों और मूलवासियों की भावनाओं से जुड़ा रहा है। आबादी के अनुपात को छोड़ दिया जाये, तो यह मुद्दा आम आदिवासियों और सदानों की भावनाओं से जुड़ा हुआ है। वे इसके आगे कुछ भी नहीं मानते। यह सही भी है, क्योंकि राजनीतिक दलों ने हमेशा से कहा है कि झारखंड आदिवासियों-मूलवासियों और सदानों के लिए बनाया गया है। इस पर उनका हक है। तो 1932 का खतियान स्वाभाविक रूप से राज्य की राजनीति के केंद्र में रहा है।

यह सही है कि कैबिनेट की मुहर लगने के बावजूद दोनों प्रस्तावों को जमीन पर उतारने से पहले कई प्रक्रियाओं से गुजरना होगा। यही नहीं, इस पर कुछ क्षेत्रों और सत्ता पक्ष के कुछ विधायकों-सांसदों की तरफ से विरोध भी आयेगा, लेकिन जहां तक झामुमो का सवाल है, हेमंत सोरेन ने अपनी पार्टी के लिए चुनाव में बैटिंग करने के लिए एक आसान पिच बना दी है। यही नहीं, उन्होंने ओबीसी को भी एक झटके में साध लिया है। हालांकि स्थानीय नीति और नौकरियों में कुल 77 प्रतिशत आरक्षण पहले झारखंड विधानसभा से पारित होगा। विधेयक की मंजूरी के बाद इसे केंद्र के पास भेजा जायेगा, ताकि इसे नौवीं अनुसूची में शामिल किया जा सके। अब यह अलग बात है कि केंद्र इसे नौवीं अनुसूची में शामिल करेगा या नहीं, या कोर्ट में मामला जाने पर उस पर सहमति मिल ही जायेगी, क्योंकि बाबूलाल मरांडी के समय में पांच जजों की बेंच ने इसे सही नहीं माना था। लेकिन हेमंत सोरेन ने इस मुद्दे पर कैबिनेट की स्वीकृति लेकर सियासी बढ़त हासिल कर ली है।

केंद्र सरकार क्या करेगी और अदालतों-कानूनी पेचीदगियों की कसौटी पर ये फैसले कितनी दूर तक टिकेंगे, यह भविष्य के गर्भ में है, लेकिन अब इतना तय है कि इन मुद्दों पर हेमंत सोरेन से कभी कोई सवाल नहीं किया जायेगा।

सियासी मतलब और असर

हेमंत सोरेन कैबिनेट के फैसले इस बात के स्पष्ट संकेत हैं कि झारखंड विधानसभा का अगला चुनाव यूपीए गठबंधन मिल कर लड़ेगा। जाहिर तौर पर सीटों को लेकर बैठकें करनी पड़ेंगी, लेकिन एसटी, एससी और ओबीसी की श्रेणी के आरक्षण में कुल 17 फीसदी इजाफा करके यूपीए इन वर्गों का कम से कम 10 फीसदी वोट अपने पक्ष में करना चाहता है। हेमंत सोरेन की नजर राज्य की 14 लोकसभा सीटों में से छह आरक्षित सीटों पर है। इसके अलावा विधानसभा की की सुरक्षित सीटों पर वह बढ़त बनाने की फिराक में हैं, इसलिए उन्होंने यह फैसला किया है। फैसलों का सीधा असर पड़ेगा और इस दृष्टिकोण से हेमंत सोरेन कैबिनेट का फैसला बड़ा सियासी धमाका कहा जा सकता है। यही कारण है कि हेमंत सरकार ने अपने कोर वोटर, यानी 26.2 फीसदी आदिवासी, धर्मांतरित इसाई और 19 फीसदी अल्पसंख्यक पर फोकस कर अब तक कई बड़े फैसले लिये हैं। मंडल आयोग की रिपोर्ट के मुताबिक झारखंड में करीब 50 फीसदी ओबीसी हैं। 2019 के विधानसभा चुनाव में झामुमो को करीब 28 लाख वोट मिले थे। झामुमो का अगला लक्ष्य 38 से 40 लाख वोट हासिल करना है।

असंवैधानिक बता चुका है कोर्ट

हालांकि यह भी सच है कि ये दोनों फैसले 2003 में ही अदालती कसौटी पर खरे नहीं उतरे हैं। झारखंड हाइकोर्ट इन्हें असंवैधानिक करार दे चुका है। हाइकोर्ट के पांच जजों की संवैधानिक पीठ ने कहा था कि सरकार की यह नीति आम लोगों के हित में नहीं है। इस नीति से वैसे लोग स्थानीय होने के दायरे से बाहर हो जायेंगे, जिन्हें देश के विभाजन के बाद रांची में बसाया गया था। ऐसे लोग लंबे समय से झारखंड में रह रहे हैं और उन्हें स्थानीय के दायरे से बाहर किया जाना उनके साथ भेदभावपूर्ण होगा।

क्या कहा था अदालत ने

अदालत ने अपने आदेश में कहा था कि राज्य के हर इलाके में सर्वे भी नहीं हुए हैं। ऐसे में किसी एक सर्वे को ही आधार माना जाना उचित नहीं है और यह दूसरे लोगों के साथ भेदभावपूर्ण होगा। वर्ष 2002 में ही झारखंड सरकार ने पिछड़ों को 27 आरक्षण देने का प्रस्ताव लाया था। इससे राज्य में आरक्षण की सीमा 50 से अधिक हो गयी थी। यह मामला भी हाइकोर्ट पहुंचा था और पांच जजों की बेंच ने इसे भी असंवैधानिक करार दिया था। अदालत ने अपने आदेश में कहा था कि सुप्रीम कोर्ट ने 50 प्रतिशत से अधिक आरक्षण नहीं देने का आदेश दिया है। इस आधार पर झारखंड में भी 50 प्रतिशत से अधिक आरक्षण को संवैधानिक करार नहीं दिया जा सकता। उस समय अदालत ने झारखंड सरकार से कहा था कि सुप्रीम कोर्ट में 50 प्रतिशत से अधिक आरक्षण देने के लिए एक मामला लंबित है। याचिका पर अंतिम फैसला आने के बाद सरकार हाइकोर्ट में अपनी याचिका दायर कर सकती है। इन तमाम किंतु-परंतु के बीच यह तय है कि हेमंत सोरेन ने राज्य में सियासी संकट के बीच अपनी चाल से भाजपा को न सिर्फ मात दे दी है, बल्कि भविष्य के लिए अपनी राजनीतिक जमीन भी तैयार कर ली है। हेमंत सोरेन और उनकी सरकार डंके की चोट पर जनता के बीच यह संदेश देने में कामयाब रही है कि आदिवासी हितों को लेकर लिये गये फैसलों के कारण ही उन्हें निशाना बनाया जा रहा है।

चार नक्सलियों से एनआइए की पूछताछ में हुआ खुलासा

माओवादियों को हथियार सप्लाई कर रहा है बब्बर खालसा इंटरनेशनल गैंग

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। माओवादियों को विदेशी हथियार सप्लाई करने के मामले की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआइए) कर रही है। इस मामले में एनआइए नक्सली शीला खेरवार, संजय नगेशिया, मारकुश नगेशिया और दशरथ सिंह खेरवार से पूछताछ कर रही है। गौरतलब है कि इन सभी नक्सलियों की गिरफ्तारी झारखंड पुलिस के द्वारा लोहरदगा में चलाये गये डबल बुल ऑपरेशन के दौरान हुई थी। इस दौरान भारी मात्रा में विदेशी हथियार बरामद किये गये थे। इसकी जांच एनआइए कर रही है।

बीकेआइ इंटरनेशनल गैंग माओवादियों को सप्लाई करता है विदेशी हथियार : बब्बर खालसा इंटरनेशनल गैंग झारखंड में माओवादियों को विदेशी हथियार की सप्लाई करता है। एनआइए की जांच में यह खुलासा हुआ है। गौरतलब है कि लोहरदगा जिले में माओवादियों के खिलाफ चलाये गये ऑपरेशन डबल बुल लातेहार और लोहरदगा जिले से छापेमारी के दौरान पुलिस को विदेशी हथियार भी मिले थे। इस मामले को एनआइए ब्रांच रांची ने टेकओवर करते हुए 02/2022 मामला दर्ज कर जांच शुरू करदी है।

17 दिनों तक चला था ऑपरेशन : डबल बुल ऑपरेशन 17 दिनों तक बुलबुल जंगल में चला था। इस अभियान में नक्सलियों को बहुत ज्यादा नुकसान उठाना पड़ा था। अभियान के दौरान 11 बड़े नक्सली पकड़े गये थे। पुलिस ने 28 से ज्यादा अत्याधुनिक हथियार, 2000 से ज्यादा कारतूस और अन्य सामान जब्त किये थे।

भारी मात्रा में हथियार बरामद हुआ था : गिरफ्तार माओवादियों की निशानदेही पर एक अमेरिकन ऑटोमैटिक राइफल, तीन इंसास, एक एलएमजी, तीन सेमीऑटोमैटिक राइफल, आठ एसएलआर राइफल, 315 बोर की तीन रायफल, एक कार्बाइन, एक पिस्टल, 2020 गोलियां, एसएलआर की 13 गोलियां आदि बरामद किये गये थे. इंसास की 4, एलएमजी की दो रेगुलर मैगजीन, एक हैंडग्रेनेड, चार वायरलेस सेट, 21 एमुनेशन पाउच, 26 कार्टिज फिलर, 30 मीटर कोडेक्श वायर, 100 मीटर फ्लैक्शिबल वायर, 16 आईईडी, लेवी की 3 लाख 27 हजार 150 रुपये, नक्सली साहित्य, केंद्रीय कमेटी की किताब आदि बरामद की गयी थी।

ट्रक लूट कर भाग रहे अपराधियों का यूपी पुलिस ने किया एनकाउंटर

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। सरायकेला जिले के आदित्यपुर से स्क्रैप लदे ट्रक को लूट कर भागने वाले अपराधियों का यूपी पुलिस ने एनकाउंटर कर दिया। जानकारी के मुताबिक बीते 11 सितंबर को आदित्यपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत औद्योगिक क्षेत्र गम्हरिया स्थित बीके स्टील से कोलकाता के लिए सरिया स्क्रैप से लदे ट्रक की लूट हुई थी। लूट मामले में आदित्यपुर पुलिस की सूचना पर यूपी पुलिस ने विश्वजीत कुमार नाम के एक अपराधी का एनकाउंटर कर दिया है। वहीं बाकी अपराधी मौके से फरार हो गये। हालांकि घायल अपराधी से पूछताछ की जा रही है। पूछताछ के आधार पर मनीष कुमार पांडेय निवासी ग्राम उतरौली थाना रेवतीपुर और दीपक निवासी कुतुबपुर थाना गहमर को गिरफ्तार कर लिया गया है।

मांडर में ट्रक चालक की हत्या कर फेंक दिया था शव

बता दें कि बीते 11 सितंबर को गम्हरिया बीके स्टील से स्क्रैप सरिया लोड कर ट्रक कोलकाता के लिए निकला था। इसी क्रम में घात लगाये अपराधियों ने आदित्यपुर से ही ट्रक को हाइजैक कर लिया, जिसके बाद मांडर थाना क्षेत्र में चालक केशव यादव की गला घोंट कर हत्या कर दी और ट्रक लेकर यूपी के लिए रवाना हो गये। आदित्यपुर पुलिस ने ट्रक की लोकेशन ट्रैक कर इसकी सूचना यूपी पुलिस को दी, जिसके बाद यूपी के गाजीपुर जिला अंतर्गत ताड़ीबारा हाइवे पर अपराधियों के साथ मुठभेड़ हुई., जिसमें विश्वजीत कुमार नामक बदमाश को गोली लगी है। वहीं पुलिस ने 16 लाख के स्क्रैप लदे ट्रक को भी बरामद कर लिया है।

सरकार का पक्ष रखने के लिए पीपी स्पेशल पीपी और एपीपी नियुक्त

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। राज्य सरकार ने झारखंड हाइकोर्ट में विभिन्न मामलों में पक्ष रखने के लिए 58 वकीलों की नियुक्ति की ह। इनकी नियुक्ति एक वर्ष के लिए की गयी है। चयन समिति की बैठक में की गयी अनुशंसा पर झारखंड हाइकोर्ट में आपराधिक वादों में अभियोजन के संचालन हेतु लोक अभियोजक, विशेष लोक अभियोजक, अपर लोक अभियोजक के रूप में नियुक्ति की गयी है। मुख्यमंत्री की सहमति के बाद विधि विभाग ने 58 वकीलों की सूची जारी की है।

पंकज कुमार बने लोक अभियोजक : हाइकोर्ट में लोक अभियोजक के रूप में अधिवक्ता पंकज कुमार की नियुक्ति की गयी है। झारखंड हाइकोर्ट में निगरानी से जुड़े मामलों में सरकार का पक्ष रखने के लिए चार वकील नियुक्त किये गये हैं, जिनमें अधिवक्ता नेहला शरमीन, प्रिया श्रेष्ठ, विनीत कुमार वशिष्ठ और विश्वनाथ राय का नाम शामिल है। विशेष लोक अभियोजक के रूप में शैलेंद्र कुमार तिवारी की नियुक्ति हुई है। विशेष लोक अभियोजक से जुड़े मामलों में पक्ष रखने के लिए प्रवीर चटर्जी की नियुक्ति की गयी है। विशेष लोक अभियोजक के तौर पर रवि प्रकाश को नियुक्त किया गया है। वहीं विशेष लोक अभियोजक से जुड़े मामलो में सरकार का पक्ष रखने के लिए अधिवक्ता पीडी अग्रवाल को नयी जिम्मेदारी दी गयी है।

अपर लोक अभियोजक के रूप में 49 वकीलों की हुई नियुक्ति: इसके साथ ही सरकार ने 49 वकीलों को अपर लोक अभियोजक के रूप में नियुक्त किया है। इसमें विभूति शंकर सहाय, तापस राय, जितेंद्र पांडेय, संजय कुमार श्रीवास्तव, विजय कुमार सिन्हा, सनत कुमार झा, महुआ पलित, अभय कुमार तिवारी, अजिममुद्दीन, गौतम राकेश, सुबोध कुमार दुबे, प्रकाश झा, सुनील कुमार दुबे, लिली सहाय, मनोज कुमार मिश्रा, शशि कुमार वर्मा, वंदना भारती, विश्वंभर शास्त्री, मनोज कुमार मिश्रा, अचिंतो सेन, शैलेश कुमार सिन्हा, सरधु महतो, रूबी पांडेय, अमृता कुमारी, साकेत कुमार, सुधीर कुमार महतो, नवीन कुमार सिंह, संतोष कुमार शुक्ला, संतोष कुमार तिवारी, सोमेश्वर राय, रजनीश वर्धन, सूरज कुमार मुंडा, शिवशंकर कुमार, अरूप कुमार डे, राकेश रंजन, नवीन कुमार गंझू, स्वेता सिंह, कुमारी रश्मि, तरुण कुमार, पंकज कुमार मिश्रा, सतीश प्रसाद, भोलानाथ ओझा, प्रफुल्ल जोजो, सुषमा आइंद, राजेंद्र राम, स्नेहलिका भगत, अनुराधा सहाय, अनूप टोपनो और फहाद आलम का नाम शामिल किया गया है।

सिविल सेवा मुख्य परीक्षा आज से, दो पालियों में होगी परीक्षा

16 से 18 सितंबर और 24 से 25 सितंबर तक लगी निषेधाज्ञा

रांची (आजाद सिपाही)। संघ लोक सेवा आयोग नयी दिल्ली द्वारा आयोजित सिविल सेवा (मुख्य) परीक्षा-2022 दिनांक 16 से 18 सितंबर और 24 से 25 सितंबर तक आयोजित होगी। पहली पाली 09.00 बजे पूर्वाह्न से 12.00 बजे मध्याह्न तक और दूसरी पाली दिन के 02.00 बजे से शाम 05.00 बजे तक होगी। परीक्षा को लेकर रांची के डोरंडा स्थित निर्मला कॉलेज में सब सेंटर ए एवं बी बनाया गया है। परीक्षा केंद्र पर कदाचार मुक्त वातावरण में परीक्षा का आयोजन कराने एवं विधि-व्यवस्था संधारण को लेकर डीसी और एसएसपी ने पुलिस बल एवं पुलिस पदाधिकारी के साथ दंडाधिकारी की प्रतिनियुक्ति की है। परीक्षा केंद्र के 200 मीटर की परिधि में निषेधाज्ञा जारी गयी है। यह निषेधाज्ञा 16 से 18 सितंबर एवं 24 से 25 सितंबर तक सुबह 06.00 बजे से रात 08.00 बजे तक प्रभावी रहेगी।

अलीमुद्दीन हत्याकांड के सजायाफ्ता को राहत नहीं

आजाद सिपाही संवाददाता

मामले में अगली सुनवाई 19 सितंबर को

रांची। मॉब लिंचिंग में अलीमुद्दीन की हत्या के सजायाफ्ता के मामले में अब सुनवाई 19 सितंबर को होगी। गुरुवार को दीपक मिश्रा, विक्रम प्रसाद सहित सभी अपील कर्ता की ओर से बहस पूरी हो गयी। अब मामले में राज्य सरकार एवं शिकायतकर्ता अलीमुद्दीन की पत्नी की ओर से बहस की जायेगी। एक सजायाफ्ता सिकंदर राम की मृत्यु हो चुकी है।

दीपक मिश्रा और अन्य की ओर से निचली अदालत द्वारा दी गयी सजा के खिलाफ दाखिल याचिका की सुनवाई गुरुवार को झारखंड हाइकोर्ट के न्यायमूर्ति रंगन मुखोपाध्याय की अध्यक्षतावाली खंडपीठ में हुई। बता दें कि रामगढ़ कोर्ट ने 21 मार्च 2018 को 11 दोषियों को उम्रकैद की सजा सुनायी थी। हजारीबाग के मीट कारोबारी अलीमुद्दीन अंसारी की बीफ ले जाने के आरोप में भीड़ द्वारा पीट-पीट कर हत्या कर दी गयी थी। इस मामले में मृतक की पत्नी ने 12 लोगों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज करायी थी। 16 मार्च 2018 को 12 में से 11 आरोपियों को दोषी करार दिया था, जबकि एक आरोपी को नाबालिग होने के कारण उसका मामला जुवेनाइल बोर्ड में भेज दिया गया था। जिन्हें अदालत द्वारा आजीवन कारावास की सजा दी गयी थी, उनमें छोटू वर्मा, दीपक मिश्रा और संतोष सिंह के अलावा भाजपा नेता नित्यानंद महतो, विक्की साव, सिकंदर राम, उत्तम राम, विक्रम प्रसाद, राजू कुमार, रोहित ठाकुर, और कपिल ठाकुर शामिल थे। यह भी बता दें कि रामगढ़ जिले के मनुआ फुलसराय के रहने वाले अलीमुद्दीन की हत्या 29 जून 2017 को कर दी गयी थी। मारुति वैन से बीफ ले जाने के आरोप में भीड़ ने बाजार टांड़ स्थित गैस एजेंसी के पास अलीमुद्दीन की पीट-पीट कर हत्या कर दी थी।

गोड्डा में सागर रेडिमेड के संचालक ब्राउन शुगर के साथ गिरफ्तार

गोड्डा (आजाद सिपाही)। गोड्डा पुलिस ने ब्राउन शुगर के साथ स्थानीय सागर रेडिमेड के संचालक को गिरफ्तार किया है। टाउन थाना क्षेत्र के सरकंडा निवासी सागर कुमार के पास से पुलिस ने 2.63 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद किया है। मामले को लेकर टाउन थाना गोड्डा में प्राथमिकी दर्ज की गयी है। इस संबंध में बताया जा रहा है कि टाउन थाना पुलिस को सूचना मिली थी कि असनबनी हॉस्पिटल रोड में स्थित सागर रेडिमेड के संचालक द्वारा ब्राउन शुगर की ब्रिकी की जाती है। सूचना पर टाउन थाना पुलिस प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी औषधि निरीक्षक रंजीत कुमार चौधरी के नेतृत्व में एक छापेमारी टीम का गठन किया गया। छापेमारी के लिए सागर रेडिमेड पहुंची टीम को माचिस की डिब्बी से एल्मुनियम फ्वाइल की 18 पुड़िया में ब्राउन शुगर मिला। दुकान की तलाशी के क्रम में कम वजन तौलने वाला डिजिटल बैलेंस (तराजू) एवं एल्युमिनियम फ्वाइल का पांच टुकड़ा बरामद किया गया। पुलिस ने आरोपी दुकान संचालक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
187200 Subscribers
VIEWERSHIP 3 Crore 80 lakh+
Watch Time (HR) 11 Lakh+
YouTube Channel
Subscribe NOW
1 Channel

वेदर

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	27.0 °c	23.2 °c
सूर्यास्त (आज) :		17.52 बजे
सूर्योदय (कल) :		05.35 बजे

वर्षों से चली आ रही खामियों को दूर करने में जुटी है सरकार: मुख्यमंत्री

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि राज्य का मुखिया होने के नाते हम एक ओर राज्य को बेहतर दिशा देने का काम कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर व्यवस्था में वर्षों से चली आ रही खामियों को दूर करने का प्रयास भी लगातार जारी है। पूर्व की सरकारों की गलत नीतियों का खामियाजा राज्यवासियों को भुगतना पड़ा है। उन्हें इस वजह से लंबा संघर्ष करना पड़ा, लेकिन हमारी सरकार अब सिस्टम को सुव्यवस्थित कर रही है, ताकि आपकी समस्याओं का समाधान निकल सके। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने गुरुवार को कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय परिसर में नवनियुक्त माध्यमिक शिक्षक-2019 बैच (अनुसूचित क्षेत्र) द्वारा आयोजित आभार कार्यक्रम में शिक्षक-शिक्षिकाओं को संबोधित करते हुए ये बातें कहीं।

आपकी परेशानी देख कर मैं भी परेशान रहा

मुख्यमंत्री ने नवनियुक्त माध्यमिक शिक्षकों से कहा कि नियुक्ति प्रक्रिया पूरी होने के बाद भी आप परेशान रहे। आपका मामला सर्वोच्च न्यायालय तक चला गया। आप लगातार संघर्ष करते रहे। आपकी परेशानियों को देख कर मैं भी लगातार परेशान रहा। ऐसे में आपकी समस्या का समाधान कैसे निकले, इसके लिए मैं हमेशा प्रयत्नशील रहा। अब जब आप सरकार के अंग रूप में योगदान देंगे तो आपको जितनी खुशी हो रही है, उतनाखुश मैं भी हूं। नौजवानों के भविष्य के साथ खिलवाड़ नहीं हो, इसे हमारी सरकार हर हाल में सुनिश्चित करेगी।

सरकार के अंग के रूप में काम करनेवालों को मिलेगा अधिकार

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार के अंग के रूप में काम करनेवालों को उनका उचित हक और अधिकार मिले, यह सरकार की विशेष प्राथमिकताओं में शामिल है। जो भी सरकार की व्यवस्था से जुड़ कर काम कर रहे है, उनकी मांगों और समस्याओं का समाधान किया जा रहा है, क्योंकि आपके सहयोग से ही राज्य में विकास की गति को तेज किया जा सकता है। अभी भी कई चुनौतियां हैं, जिन्हें दूर करने की दिशा में सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है।

कोर्ट-कचहरी में अब सरकार के पक्ष में आ रहे हैं फैसले : हेमंत

मुख्यमंत्री ने कहा कि अलग राज्य बनने के बाद से ही सरकार द्वारा बनायी गयी कई नीतियों का मामला कोर्ट-कचहरी तक पहुंचता रहा। अदालतों में सरकार को इन नीतियों की खामियों का खामियाजा भुगतना पड़ा, इन मामलों में अदालतों के फैसले सरकार के पक्ष में नहीं आये, लेकिन, हमारी सरकार आने के बाद अब हाइकोर्ट से लेकर सुप्रीम कोर्ट में दायर मुकदमों में सरकार के पक्ष में फैसले आ रहे हैं। इसी का नतीजा है कि हमारी नीतियों का राज्यवासियों को सीधा फायदा मिल रहा है। इस मौके पर मंत्री आलमगीर आलम, जोबा मांझी, सत्यानंद भोक्ता तथा विधायक उमाशंकर अकेला, वैद्यनाथ राम एवं रामचंद्र सिंह मौजूद थे।

1932 का खतियान: सरकार पर लगातार हमलावर रहे लोबिन बोले

गुरुजी और हेमंत सोरेन के धोयेंगे पांव

आजाद सिपाही संवाददाता

साहिबगंज। राज्य कैबिनेट द्वारा 1932 के खतियान के आधार पर स्थानीय और नियोजन नीति बनाने का प्रस्ताव पास करने के बाद कहीं खुशी कहीं गम की स्थिति है। झामुमो कार्यकर्ता जगह-जगह जश्न मना रहे हैं तो कांग्रेस और भाजपा कार्यकर्ता वेट एंड वाच की स्थिति में हैं। वहीं पिछले तीन महीने से हेमंत सोरेन और सरकार के खिलाफ हमलावर रहे झामुमो विधायक लोबिन हेंब्रम ने कहा है कि 1932 के खतियान पर निर्णय लेने के बाद अब वह गुरुजी और हेमंत सोरेन का पैर धोयेंगे।

बोरियो विधायक लोबिन हेंब्रम ने राज्य कैबिनेट द्वारा 1932 के आधार पर स्थानीय नीति और नियोजन नीति का प्रस्ताव पास करने पर प्रसन्नता जतायी है। उन्होंने कहा कि वह झामुमो सुप्रीमो शिबू सोरेन और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का पैर धोकर आभार जतायेंगे। कहा कि वर्तमान में वह क्षेत्र में हैं। 19 सितंबर को रांची जायेंगे। इसके बाद 20 या 21 सितंबर को दोनों से मुलाकात कर पैर धोकर उनका आभार जतायेंगे। लोबिन हेंब्रम ने कहा कि बुके और शॉल देकर भी दोनों का स्वागत करेंगे। गौरतलब हो कि लोबिन हेंब्रम लंबे समय से 1932 के खतियान के आधार पर स्थानीय और नियोजन नीति की मांग करते रहे हैं। सरकार की लाइन से अलग हट कर वह विधानसभा में आवाज भी उठा चुके हैं। इस मांग को लेकर उन्होंने पिछले दिनों झारखंड बचाव मोर्चा भी बनाया था और जगह-जगह सभा और संगोष्ठी कर रहे थे।

1932 के खतियान पर भाजपा चुप, सिर्फ निशिकांत दुब ट्विटर पर हैं सक्रिय

छह मंत्री नहीं माने जायेंगे 1932 के खतियानी : निशिकांत दुबे

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। 1932 के खतियान के आधार पर स्थानीय नीति लागू करने की सरकार की घोषणा ने विरोधियों का मुंह बंद कर दिया है। हेमंत सरकार को 1932 का खतियान लागू करने की चुनौती देनेवाले प्रदेश भाजपा के शीर्ष नेता कुछ बोल नहीं रहे हैं।

1932 का खतियान लागू करने पर झामुमो को वोट देने का दावा करने वाले कोल्हान में भाजपा के बड़े नेता और प्रदेश के एक पदाधिकारी भी साइलेंट हैं। सोशल मीडिया पर भी भाजपा नेताओं का कोई बयान नहीं है। इतने बड़े फैसले पर भाजपा की तरफ से

सरकार को न बधाई मिल रही है और न विरोध में कुछ बोला जा रहा है।

भाजपा की ओर से सिर्फ सांसद निशिकांत दुबे बोल रहे हैं। उन्होंने कहा है कि 2002 में बाबूलाल की लायी गयी डोमिसाइल नीति और हेमंत कैबिनेट के 32 के खतियान पर लिये गये फैसले में कोई अंतर नहीं है। उन्होंने तो यह भी दावा किया है कि 1932 के खतियान के आधार पर झारखंड के छह मंत्री भी खतियानी नहीं माने जायेंगे।

सरायकेला और मधुपुर 1965 में झारखंड में आया

निशिकांत दुबे ने कहा है कि 1932 के खतियान के मुताबिक झारखंड के मंत्री चंपई सोरेन, बन्ना गुप्ता, मिथिलेश ठाकुर, हफीजुल हसन, आलमगीर आलम, जोबा मांझी कोई भी सरकार में रहने लायक नहीं है, क्योंकि सरायकेला और मधुपुर 1956 में झारखंड में आया। इसके पहले यह ओड़िशा, बंगाल का हिस्सा था। वहीं पाकुड़ का सर्वे नहीं हुआ है। शहर में रहनेवाले कोई भी 1932 के खतियानी नहीं हैं।

1948 में सरायकेला-खरसावां ओड़िशा से झारखंड में आये

निशिकांत ने कहा है कि विभिन्न जिलों के लिए अंतिम सर्वे सेटलमेंट अलग है। धालभूम में 1906 से 1911 तक सर्वे सेटलमेंट हुआ था। सरायकेला में 1925 से 1928 के बीच, हजारीबाग में 1908 से 1915 के बीच और पलामू में 1913 से 1920 के बीच हुआ है। वहीं सिंहभूम जिले के अंतिम गजट से ऐसा प्रतीत होता है कि चांडिल, पटमदा और ईशागर पुलिस स्टेशनों के क्षेत्र जो मानभूम (पश्चिम बंगाल) जिले में थे, उन्हें 1956 में सिंहभूम जिले में एकीकृत किया गया था, जबकि सरायकेला और खरसावां जो ओड़िशा राज्य का हिस्सा थे, उन्हें 1948 में सिंहभूम में एकीकृत किया गया था।

राजगंज में आजसू का छोटानागपुर प्रमंडलीय शपथ ग्रहण समारोह सह प्रशिक्षण शिविर शुरू

झारखंडी युवाओं के नियोजन में स्थानीय नीति सुनिश्चित करे सरकार : सुदेश

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद/राजगंज। टुंडी विधानसभा क्षेत्र के राजगंज स्थित बिनोद बिहारी महतो स्टेडियम में गुरुवार की दोपहर आजसू का उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडलीय पंचायत व प्रखंड पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह सह प्रशिक्षण शिविर शुरू हुआ। शहीद वेदी पर नेताओं के माल्यार्पण एवं राष्ट्रगान के बाद सुदेश महतो की अध्यक्षता में समारोह की शुरुआत हुई। पार्टी प्रमुख सुदेश महतो, सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी, विधायक लंबोदर महतो, पूर्व मंत्री उमाकांत रजवार, रामचंद्र सहिस, डॉ देवशरण भगत, रोशनलाल चौधरी, शालिनी गुप्ता, अर्जुन बैठा समेत कई केंद्रीय नेता मंचासीन रहे। पार्टी के मुख्य प्रवक्ता डॉक्टर देवशरण भगत ने विषय प्रवेश कराया। समारोह में पहुंचे 90 प्रखंड के पंचायत प्रतिनिधियों का डॉ भगत ने स्वागत किया। कहा कि पंचायत स्तर पर संगठन मजबूत कर संघर्ष करेंगे। झारखंडी हित में सरकार जो निर्णय लेगी, उसका आजसू समर्थन करेगी। सरकार को आजसू की लड़ाई पर ही यह निर्णय लेना पड़ा है। वर्तमान में जो कुछ हो रहा है,उस पर आजसू की पैनी नजर है।

सरकार सिर्फ राजनीति खेल रही है : आजसू प्रमुख सुदेश महतो ने कहा कि हमारे साथ जो राज्य बने, उसके नेताओं ने समझौते को बढ़िया से पढ़ा। यह व्यवस्था कराया कि आधारभूत संरचना के लिए केंद्र से पैकेज पास कराया। झारखंड के नेता जश्न मनाने में जुट गये। उत्तराखंड अपनी विधानसभा की सीटें बढ़ा ली, लेकिन हमारी संपत्ति तक बिहार ने बंटवा लिया। आज भी यही परिस्थिति है। यह सरकार और हेमंत का राजनीतिक निर्णय है। इसे व्यवहार में उतारने तक आजसू लड़ेगी। इसी स्थानीयता पर नियोजन नीति लागू हो। किसी को बाहर निकालने की बात नहीं है सिर्फ स्थानीय लोगों को नौकरी में प्राथमिकता की बात है। झारखंडी युवाओं के नियोजन में स्थानीय नीति सरकार सुनिश्चत करे। हेमंत सरकार ने अपने पाले का गेंद उठा कर केंद्र के पाले में डाल दिया। 55 हजार शिक्षक बहाल हो जाने के बाद क्या 1932 लागू होगा। तृतीय व चतुर्थ ग्रेड की बहाली सरकार पंचायत पर बहाली हो। प्रखंड में पढ़ने वालों की ही बहाली प्रखंडों में होनी चाहिए। सरकार यह करेगी। सरकार सिर्फ राजनीति राजनीति खेल रही है। ओबीसी आरक्षण में भी गड़बड़ी हुई है। दो सौ ओबीसी जाति है, जिसका मूल्यांकन कर यह निर्णय लेना चाहिए था।

कैडर के बल पर पूरा करेंगे मिशन 2024 : सुदेश महतो ने कहा कि हमारी तैयारी कल के झारखंड का है। झारखंड को नया नेतृत्व देना है। झारखंड को कितना नेतृत्व दे रहा हूं, यह मेरी चुनौती है। गांव से नेतृत्व तैयार नहीं होगा तो झारखंड आगे नहीं बढ़ेगा। हमारे साथ अलग हुए राज्य कहां से कहां पहुंच गए। कोई भी व्यक्ति आएगा और राज्य चला लेगा, यह प्रयोग झारखंड में हो रहा है। जिस बात पर लंबी बहस होकर निर्णय लेना था, उसे चंद मिनटों में ले लिया। होली-दिवाली मना रहे हैं। इसी कारण कैबिनेट के फैसले में गड़बड़ी हुई है। सुप्रीम कोर्ट में मामला उठ सकता है। सरकार बिना सोचे समझे झारखंडी भावना से खिलवाड़ कर रही है। इसके खिलाफ सिर्फ आजसू बात कर सकती है। आजसू ही यह लड़ाई लड़ेगी। मिशन 2024 हम कैडर के बल पर पूरा करेंगे। दिसंबर में आजसू का महाधिवेशन होगा।

झारखंडियों को ठगने वाला निर्णय : लंबोदर

गोमिया विधायक लंबोदर महतो ने कहा कि किस बात को लेकर होली मना रहे हैं। मुख्यमंत्री का निर्णय झारखंडियों को ठगने वाला है। हेमंत सदन में घोषणा कर चुके हैं कि 1932 का खतियान लागू नहीं हो सकता है। अब पारित किए हैं कि 1932 व पूर्व के सर्वे का खतियान हो वही स्थानीय होगा। प्रस्ताव में लिखा है कि भारत सरकार जब तैयार होगी तो 1932 का खतियान लागू होगा। खतियान लागू करना राज्य सरकार की जिम्मेवारी है तो केंद्र को क्यों भेज रहे हैं। यह जनता को बेवकूफ बनाने का हथकंडा है। ओबीसी आरक्षण बढ़ाने पर कहा कि लॉलीपॉप नहीं चाहिए। बिहार की तरह जाति जनगणना कीजिए और उसके आधार पर आरक्षण दीजिए।

दो माह में ही पलट गयी हेमंत सरकार : सरयू राय

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। हेमंत सोरेन सरकार के कैबिनेट में लाये 1932 के स्थानीय नीति का विरोध शुरू हो गया है। सरयू राय ने सोशल मीडिया के जरिये अपनी बात रखी है। कहा है कि सीएम

हेमंत सोरेन ने गत विधानसभा में कहा था कि 1932 खतियान आधारित स्थानीयता संभव नहीं। अब इसे लागू कर दिया। दो माह में ऐसा क्या हुआ। 2002 में हाइकोर्ट के पांच जजों का निर्णय इस मामले पर आ चुका था। ऐसे में यह 9वीं अनुसूची में कैसे शामिल होगा, जबकि आधा झारखंड इसकी परिधि में नहीं आता। नीयत सही है तो सर्वेक्षण करा लें।

झारखंडी से ज्यादा रोहिंग्या, एनआरसी और सीएए के दायरेवाले उछल रहे : भानु

विधायक भानु प्रताप शाही ने भी सीएम हेमंत सोरेन की नीयत पर उंगली उठायी है। कहा है कि 1932 खतियान और 27%ओबीसी आरक्षण से वह सहमत हैं, पर यह पांच लाख नौकरी और बेरोजगारी भत्ता की तरह

धोखा नहीं होना चाहिए, नहीं तो जनता आपको बहुमत से अल्पमत में ले आयेगी। रोहिंग्या और एनआरसी, सीएए के दायरे में आनेवाले झारखंड में खूब उछल रहे, पर यह तय है कि उन्हें कोई नहीं बचायेगा। उन्हें अपने पुराने दादा के घर जाना ही होगा। जो मंसूबा लेकर वे झारखंड में आये हैं, कभी पूरा नहीं होगा।

विशेष सत्र बुलाकर झारखंड सरकार को स्थानीयता कानून को पारित कराना चाहिए : ललित कुमार महतो

रांची (आजाद सिपाही)। आजसू के पूर्व केंद्रीय समिति अध्यक्ष ललित कुमार महतो ने कहा है कि अगर झारखंड सरकार को स्थानीय(खतियान आधारित) नीति लागू करने की इच्छा है तो अतिशीघ्र विधान सभा में पारित करे। ऐसा होने पर राज्यपाल और केंद्र को इसे लागू करने के लिए बाध्य होना पड़ेगा। जिस प्रकार राज्य सरकार ने बीते दिनो एक दिन का विशेष सत्र बुलाकर विश्वास मत हासिल किया था उसी प्रकार स्थानीय नीति पर भी सरकार को प्रयत्नशील होना चाहिए। इसी सरकार ने पिछले सत्र में 1932 खतियान आधारित स्थानीय नीति नहीं लागू होने की बात कही थी। सरकार सदन में कुछ कहती है और केबिनेट में कुछ करती है। अगर राज्य सरकार की मंशा साफ है तो विशेष सत्र बुलाए और इसे विधानसभा से पारित करे।

सम्मान : ब्रदर्स एकेडमी ने सेमिनार आयोजित कर सफल छात्रों को किया सम्मानित

मेहनत इतनी खामोशी से करो कि कामयाबी शोर मचा दे

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। ब्रदर्स ऐकेडमी ने अपनी विशिष्ट कार्यशैली और अथक परिश्रम से रांची शहर में नंबर 1 संस्थान के रूप मे खुद को स्थापित किया है और इस प्रतिष्ठा के अनुरूप सतत रूप से शिक्षण करता रहा है। ब्रदर्स एकेडमी ने विगत 10 वर्षों से रांची शहर में आइआइटी-जेइइ (मेन/एडवांस) और नीट के परिणामों में नये मानक गढ़ कर शहर को प्रतिष्ठित किया है। गुरुवार को हम आइआइटी एडवांस और नीट एचीवर्स-2022 कार्यक्रम के तहत संस्थान की सफलता को सेमिनार के माध्यम से आप सबों से साझा कर रहे हैं।

सेमिनार में आइआइटी-जेइइ एडवांस 2022 के टॉपर तनीश अग्रवाल (ऑल इंडिया रैंक-57), इंडियन स्टैटिकल संस्थान 2022 के टॉपर युवराज दत्ता (ऑल इंडिया रैंक-50 (झारखंड टॉपर), नीट टॉपर सबा आफरीन (स्कोर 648/720) उपस्थित थे। इन सफल छात्रों की आंखों में सपनों की अनंत उड़ान के साथ सफलता की मुस्कान साफ दिख रही थी। इन सफल छात्रों ने 1000 से अधिक छात्रों के समूह को आइआइटी, जेइइ और नीट की प्रवेश परीक्षा में सफलता के मूल मंत्र दिये।

तनीश अग्रवाल ने अपने आगामी वर्ष के आइआइटी, जेइइ के अभ्यर्थियों को विषय के फंडामेंटल कंसेप्ट को अच्छी तरह से समझने की सलाह के साथ प्रतिदिन कम से कम 6-7 घंटे के स्वाध्याय के रूटीन के बारे में बताया। साथ ही उन्होंने कहा कि परीक्षा के दिनों में कम से कम 12-14 घंटे का अभ्यास उन्होंने किया। तनीश अग्रवाल ने यह भी कहा कि विगत दो वर्षों में उन्होंने फेसबुक, व्हाट्सएप्प जैसे सोशल मीडिया व टीवी को पूरी तरह त्याग दिया था।

तनीश अग्रवाल ने कहा कि शिक्षकों द्वारा सुझाए मार्ग पर सघन स्वाध्याय ही लक्ष्य पाने का एकमात्र सरल और सुगम सूत्र है। सफल विद्यार्थियों ने अपनी सफलता अपने माता-पिता और गुरुजनों को समर्पित करते हुए कहा कि आइआइटी और नीट में दाखिले के सपने को मूर्त रूप देने में ब्रदर्स ऐकेडमी के शिक्षकों की अग्रणी भूमिका रही। इन्होंने कहा कि संस्थान का अनुशासित शैक्षणिक वातावरण हमें अपने लक्ष्य के प्रति सदैव प्रेरित करता रहा और शिक्षकों की कर्तव्यनिष्ठा ने हमे हमारे सपनों तक पहुंचा ही दिया।

सेमीनार में प्रश्नोत्तर सत्र का भी आयोजन किया गया। इसमें इन सफल छात्रों ने आगामी वर्ष के आइआइटी, जेइइ और नीट के अभ्यर्थियों के विभिन्न प्रश्नों के उत्तर बहुत सटीक और परिपक्व अंदाज में दिये। सेमिनार में सम्मिलित छात्रों ने बताया कि सफल छात्रों के अनुभव से उन्हें बहुत प्रेरणा मिली और सकारात्मक दिशा दिखी है। प्रतिभागियों ने इस सेमिनार को बहुत सफल और प्रासंगिक बताया। संस्थान के निदेशक पारस अग्रवाल, शुभेंदु शेखर और प्रेम प्रसून ने तमाम सफल छात्रों को उनकी सफलता पर बधाई दी और अगामी जीवन के लिए शुभकामना भी दी। उन्होंने कहा कि सफलता की कहानियां समाज में भावी पीढ़ी को सफलता की ओर प्रेरित करती हैं। उन्होंने कहा कि मेहनत इतनी खामोशी से करो कि कामयाबी शोर मचा दे।

दक्षिण पूर्व रेलवे-निविदा

निविदा सूचना सं.: डीआरएमईएनजीजी आरएनसी-47-2022, दिनांक 13.07.2022; भारत के राष्ट्रपति के लिए तथा उनकी ओर से मंडल रेल प्रबंधक (इंजी), दक्षिण पूर्व रेलवे, रांची द्वारा निम्नलिखित कार्य के निष्पादन के लिए निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं: **कार्य का नाम:** दो (02) वर्षों के लिए हटिया मे हरियाली भरे क्षेत्रो (ग्रीन पैचो) का रखरखाव एवं विकास। **निविदा मूल्य:** रु. 40,88,858.93; **बयाना राशि:** रु. 81,800; **निविदा बंद होने की तारीख एवं समय:** 05.10.2022 को अपराह्न 3.00 बजे। ऑन लाइन निविदा प्रणाली के लिए निविदादातागण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** देख सकते हैं। (PR-580)

दक्षिण पूर्व रेलवे - निविदा

ई-निविदा सूचना सं.: डीआरएमईएन जीजीआरएनसी-48-2022, दिनांक: 15.09.2022। भारत के राष्ट्रपति के लिए तथा उनकी ओर से मंडल रेल प्रबंधक (इंजी.), दक्षिण पूर्व रेलवे, रांची द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा आमंत्रित की जाती है: **कार्य का नाम :** एडीइएन/आरएनसी के क्षेत्राधिकार के तहत 4 अदद ट्रैक आधारित रेल ल्यूब्रिकेटर (हाइड्रॉलिक टाइप) की आपूर्ति, स्थापना एवं उसे आरम्भ करना। **निविदा मूल्य :** ₹ 42,03,004.12। **निविदा बंद होने की तारीख एवं समय :** 06.10.2022 को अपराह्न 03.00 बजे। निविदाकार ऑनलाइन निविदा के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर जा सकते है। ई-निविदा सूचना मंडल रेल प्रबंधक (इंजी.), दक्षिण पूर्व रेलवे, डीआरएम बिल्डिंग, रांची -834003 के कार्यालय में सूचना पट्ट पर उपलब्ध है। (PR-592)

रेल घेराबंदी के पहले ग्रामीणों को रास्ता देना होगा : अमित यादव

जयनगर (आजाद सिपाही)। धनबाद–गया रेलखंड पर रेलवे द्वारा बरकट्ठा विधानसभा क्षेत्र के कंद्रपडीह, हिरोडीह, पहाडपुर, रेभनाडीह, ककरचोली, डुमरी, सतडीहा, यदुडीह, घरौंजा, घुरमुंडा, गडगी, दशरा, मसकेडीह, परसाबाद सहित दर्जनों गांव के आसपास की जा रही घेराबंदी व अन्य रेल समस्याओं को लेकर विधायक अमित कुमार यादव के नेतृत्व में गुरुवार को परसाबाद स्टेशन पर धरना दिया गया। निर्दलीय विधायक अमित कुमार यादव ने कहा कि रेल प्रशासन के रवैये से लोगों में आक्रोश है और यदि उनकी मांगों पर कार्यवायी करते हुए समस्या का समाधान नहीं किया गया तो ग्रामीण किसी भी हद तक जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि इन गांवों की समस्याओं का समाधान रेलवे को करना होगा और घेराबंदी के पहले वैकल्पिक रास्ता देना होगा। वहीं रेलवे लोकल व पैसेंजर ट्रेनों में एक्सप्रेस ट्रेन का भाड़ा वसूल रहा है, इसे वापस लेना होगा। इसे लेकर रेल मंत्रालय रेलवे बोर्ड व डीआरएम धनबाद को भी पत्र प्रेषित किया गया है। धरना कार्यक्रम का संचालन महेश रजक ने किया जिसमें जिप उपाध्यक्ष निर्मला देवी, जिप सदस्य केदारनाथ यादव, पूर्व प्रमुख जयप्रकाश राम, मुखिया हिन्द किशोर राम, सरफुद्दीन अंसारी, शशि भूषण चौधरी, रामजी यादव, दीपक सिंह, विपुल सिंह, विशाल भदानी, सुबोध भदानी, दिलीप यादव, दुर्गा यादव, बिंदेश्वरी बिहारी, अरुण राणा, बिनोद यादव, पुनीत यादव, जागेश्वर चौधरी, रामदेव मोदी, विजय पंडित, धानेश्वर यादव, ईश्वर यादव, गोपी प्रसाद, सुधीर सिंह, अशोक वर्णवाल समेत अन्य लोग मौजूद थे।

चोरी के कई सामानों के साथ तीन गिरफ्तार

कोडरमा (आजाद सिपाही)। जिले के विभिन्न इलाकों में घरों एवं जेवर दुकानों में चोरी की घटना का उद्भेदन करने में कोडरमा पुलिस को सफलता मिली है। इस बाबत चोरी के कई समानों के साथ तीन लोगों को गिरफ्तार भी किया गया है। कोडरमा एसडीपीओ अशोक कुमार ने गुरुवार को बताया कि विगत कुछ दिनों से कोडरमा जिला के विभिन्न क्षेत्रो जयनगर, तिलैया, डोमचांच में लगातार घरो एवं जेवर दुकानों में चोरी, मोबाईल चोरी की घटना घट रही थी। जिसको लेकर एसपी कुमार गौरव ने एक टीम गठित कर मामले का उद्भेदन का निर्देश दिया था। गठित टीम में पुनि तिलैया एवं थाना प्रभारी जयनगर के नेतृत्व में तकनीकी शाखा से उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर कांड में संलिप्त अपराधियों को पकड़ा गया जिसके बाद पकड़े गए आरोपियों नें कांड में अपनी संलिप्तता स्वीकार किया। उनके पास से चोरी के सामानों को बरामद किया गया है। उन्होंने बताया कि इस मामले में दीपक पासी (उम्र 43 वर्ष पे जैलाल पासी सा– स्वांग, गांधीग्राम, थाना– गोमिया जिला–बोकारो) व दो अन्य किशोर को पकड़ा गया है। जब्त सामानों में वीवो कम्पनी का मोबाईल, जियो कम्पनी, रीयलमी नारजो, रेडमी कम्पनी का मोबाईल, एक स्मार्ट फोन का कवर जिसमें एक आधार कार्ड रखा हुआ है। साथ ही एक हीरो होंडा कम्पनी का मोटरसाईकिल जेएच10जी 9549, चाकू छुरी पजाने वाला लोहे का मशीन, चांदी का दो अंगुठी, चांदी का एक दीया, प्लास्टिक का छोटा बड़ा कुल 10 डब्बा, एवं प्लास्टिक का बीस रैपर, चोरी में प्रयुक्त एक सब्बल भी बरामद किया गया है।

1932 खतियान एवं ओबीसी को 27% आरक्षण पर इचाक में बंटी मिठाई

इचाक (आजाद सिपाही)। 1932 खतियान एवं ओबीसी को 27% आरक्षण मिलने की खुशी में इचाक मोड़ से इचाक बाजार तक मिठाई बांटी गई एवं पटाखा फोड़कर खुशी का इजहार किया गया। साथ है झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन एवं सभी मंत्री, विधायक को धन्यवाद दिया गया। मुख्य रूप से झामुमो के जिला उपाध्यक्ष मनोहर राम, झामुमो प्रखंड सचिव दिगम्बर कुमार मेहता, सुरेंद्र मेहता, बंसी मेहता, रामफल मेहता, राहुल कुमार, महेंद्र दास, गंगेश्वर मेहता, प्रवील मेहता, रामप्रवेश सिंह, कांग्रेस के सुनील कुमार मेहता, रमेश मेहता आदि शामिल थे।

वज्रपात से झरपो में एक व्यक्ति सहित धर्मपुर में 18 मवेशियों की मौत

टाटीझरिया (आजाद सिपाही)। टाटीझरिया प्रखण्ड अन्तर्गत झरपो और धर्मपुर में आसमानी बिजली गिरने से एक व्यक्ति सहित 18 मवेशियों की मौत हो गई। बता दे कि झरपो निवासी बासो महतो पिता स्व बेनी महतो महुवाचिरा टांड में गाय बैल चरा रहा था उसी समय आसमानी बिजली वज्रपात गिरा जिसमे बासो महतो की मौत मौके पर ही हो गई इधर प्रखण्ड क्षेत्र के धर्मपुर में चर रहे 18 मवेशी जिसमे गाय , बैल और बकरी मिलाकर कुल 18 मवेशियों की मौत वज्रपात से मौके पर ही हो गई ।

चार बालू और दो गिट्टी लदे ट्रैक्टर जब्त, चार गिरफ्तार

हजारीबाग (आजाद सिपाही)। नगवां टोल प्लाजा के समीप बजरंग चौक से अंचलाधिकारी सदर के निदेर्शानुसार थाना प्रभारी कोर्रा उत्तम तिवारी के नेतृत्व में अवैध बालू व पत्थर उत्खनन के विरुद्ध छापेमारी की गई। छापेमारी के क्रम में अवैध बालू लदा 4 ट्रैक्टर व गिट्टी लदा 2 ट्रैक्टर जप्त करते हुए 4 लोगों को गिरफ्तार कर सुसंगत धाराओं के तहत कोर्रा थाना कांड सं–209/22 दर्ज किया गया। जिनमें अभियुक्त जितेंद्र मेहता पे–मथुरा मेहता, विक्रम मेहता पे–कैलाश मेहता, रामस्वरूप मेहता पे–प्रयाग मेहता, देवधारी मेहता पे–बलदेव महतो सभी पदमा निवासी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

टेकलाल महतो डिग्री कॉलेज का स्थापना दिवस मनाया गया

विष्णुगढ़ (आजाद सिपाही)। विष्णुगढ प्रखंड स्थित टेकलाल महतो डिग्री कॉलेज का स्थापना दिवस गुरूवार को मनाया गया।इस मौके पर विधिवत क्लास का उद्घाटन किया गया।मौके उपस्थित मांडू विधायक जयप्रकाश भाई पटेल एवं कॉलेज सचिव सह विधायक जयप्रकाश भाई पटेल की धर्मपत्नी ललिता देवी ने पुस्तकालय भवन का उद्घाटन किया। मौके पर विधायक जयप्रकाश भाई पटेल ने कहा कि मेरे पिता टेकलाल महतो एक नेता भर नहीं थे।वे एक विचार थे,जिसके फलाफल के तौर पर शिक्षा के विकास को लेकर कॉलेज और विद्यालय का निर्माण हुआ है।बिष्णुगढ जैसे पिछडे प्रखंड में ऐसा सुव्यवस्थित संस्थान भविष्य में मील का पत्थर साबित होगा।डिग्री की पढ़ाई नहीं होने से इलाके के छात्र–छात्राओं को दूर–दराज जाकर पढ़ाई करनी पड़ती थी और छात्राओं को परेशानियों का सामना करना पड़ता था।इस डिग्री कॉलेज स्थापना स्वीकृति मिलने से स्थानीय छात्र–छात्राओ को काफी सुविधा मिलेगी।मौके पर जयप्रकाश सिंह पटेल, रामचंद्र राम, टेकोचंद महतो ,गिरजा साव, के बी मंडल ,गुरु प्रसाद साव , हिरामन महतो, चेतलाल महतो ,महेंद्र कुमार, रवि शंकर महतो, बासुदेव महतो, पारसनाथ सिंह, रामप्रसाद महतो, जयनंदन महतो ,पवन प्रताप सिंह कुंदन ठाकुर प्रेमचंद कुमार अशोक कुमार महादेव मंडल महेंद्र महतो जीवन सोनी सुखदेव मण्डल आदि उपस्थित थे।

जरगा में तीन शराब भट्ठियों को ध्वस्त किया गया, अवैध शराब माफियाओं में हड़कंप

कोडरमा (आजाद सिपाही)। उत्पाद अधीक्षक सुजीत कुमार के नेतृत्व में कोडरमा प्रखंड के जरगा पंचायत अंतर्गत हथुवाधारण में 3 अवैध शराब भट्ठियों को ध्वस्त किया गया। गुरुवार की सुबह उत्पाद विभाग की टीम को देखते ही अवैध शराब के कारोबार में लगे धंधेबाज फरार हो गए। विभाग की ओर से अवैध शराब माफियाओं के खिलाफ चलाए गए अभियान में जहां तीन शराब भट्टीयो को ध्वस्त किया गया वही 1200 लीटर तैयार अवैध महुआ शराब के साथ 1500 – 2000 केजी जावा महुआ को नष्ट किया गया। उत्पाद अधीक्षक सुजीत कुमार ने बताया कि भटठीओं को संचालित कर रहे हैं सुजीत यादव अमृत यादव शंभू महतो पप्पू यादव सुनील महतो आदि पर प्राथमिकी दर्ज की जाएगी साथ ही इसमें शामिल अन्य लोगों को भी चिन्हित कर उनके खिलाफ भी प्राथमिकी दर्ज की जाएगी श्री कुमार ने कहा कि शराब माफियाओं के खिलाफ अभियान शुरू कर दिया गया है ।

विनोबा भावे विश्वविद्यालय होगा पूरी तरह डिजिटल

डॉ मिथिलेश

हजारीबाग (आजाद सिपाही)। विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग की स्थापना के 30 वर्ष पूरे होने के अवसर पर कुलपति की अध्यक्षता में प्रेस वार्ता आयोजित की गई। प्रेस वार्ता में कुलपति ने डॉ मुकुल नारायण देव ने बताया कि विश्वविद्यालय की स्थापना और विकास के आप सब गवाह रहे हैं। अनेकानेक समस्याओं और बाधाओं से जूझते हुए विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग ने अपनी आज तक की यात्रा पूरी की है। इस विश्वविद्यालय को विकास की मंजिल की ओर बढ़ाने में हमारे पूर्ववर्तियों की भूमिका अहम रही है। उन्होंने बताए कि 31वें स्थापना दिवस के अवसर पर 53 सेवानिवृत्त शिक्षकों व शिक्षकेतर कर्मचारियों को हम उनकी सेवा के लिए सम्मानित करेंगे। इसके अतिरिक्त 80 वर्ष से ऊपर के सेवा-निवृत्त शिक्षकों व कर्मचारियों को भी सम्मानित किया जाएगा। ऐसे शिक्षकों व कर्मचारियों की अनुमानित संख्या 75 है। विनोबा भावे विश्वविद्यालय स्थापना दिवस समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में बीएसएफ प्रशिक्षण केन्द्र, मेरू (हजारीबाग) के इंस्पेक्टर जनरल श्री पी० एस० बैंस शामिल होंगे। इसके अलावा शिक्षक संघ एवं शिक्षकेतर कर्मचारी संघ के पदधारी भी अपने वक्तव्य इस मौके पर रखेंगे। उन्होंने बताया कि स्थापना दिवस समारोह की अध्यक्षता कुलपति करेंगे। मुख्य अतिथि, अध्यक्षीय वक्तव्य एवं सम्मान समारोह के बाद विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किये जाएँगे। उन्होंने बताया कि इस वर्ष से आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस एंड मशीन लर्निंग तथा साइबर सिक्यूरिटी की पढ़ाई शुरू करायी गयी है। इसके ब्रॉशर का लोकार्पण राजभवन में महामहिम कुलाधिपति के कर कमलों से किया गया। साइबर डिफेंस पाठ्यक्रम की पढ़ाई 17 सितंबर, 2022 से शुरू हो रही है। मौजूदा सत्र 2022-26 से ही एनईपी-2020 के आलोक में नये पाठ्यक्रम के साथ पढ़ाई शुरू करा दी गई है। झारखंड में ठएढ-2020 के नये पाठ्यक्रम के साथ पढ़ाई शुरू कराने तथा पाठ्यक्रम जारी करने में हम अव्वल हैं। उन्होंने बताया कि वर्ष 2022 की सबसे महत्त्वपूर्ण उपलब्धि विनोबा भावे विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर विभागों के लिए शिक्षकों के 70 पदों की स्वीकृति है। यह कार्य विगत 30 वर्षों से लंबित था। वेस्ट मैनेजमेंट संयंत्र की तीन इकाइयाँ विश्वविद्यालय परिसर में स्थापित की जा चुकी हैं।विश्वविद्यालय के केन्द्रीय पुस्ताकालय को विद्यार्थियों के लिए प्रातः 8 बजे रात्रि के 8 बजे तक खोला जाएगा। वृद्ध एवं दिव्यांग जनों के लिए विश्वविद्यालय के मुख्यद्वार से परिसर के किसी भी भवन के लिए ई-रिक्शा सेवा का शुभारंभ स्थापना दिवस के अवसर पर किया जा रहा है। निःशुल्क बस सेवा बस स्टॉप से विश्वविद्यालय परिसर तक विद्यार्थियों के लिए, अक्टूबर महीने के मध्य से शुरू करने की योजना है। 2011 से अद्यतन की डिग्रियों व अंकपत्रों का डिजिटाइजेशन हो चुका है और जल्दी ही हम 1993 से लेकर 2010 तक की डिग्रियों तथा अंकपत्रों को डिजिटल मोड में ठअऊ (नेशनल एकेडमिक डिपॉजिटरी) के तहत अपलोड करने में सफल हो जाएंगे। इसकी प्रक्रिया तीव्र गति से चल रही है। ट्राइबल एंड रिजनल लैंग्वेज की पढ़ाई मॉडल कॉलेज में कराने का प्रस्ताव सरकार को भेजा गया है। जल्दी ही यह कार्यरूप लेगा।

विश्व हिंदू परिषद जिला इकाई की हुई बैठक

हजारीबाग (आजाद सिपाही)। विश्व हिंदू परिषद जिला इकाई की बैठक बड़ा अखाड़ा के गणेश मंदिर के प्रांगण में हुई। जिसमें इस वर्ष 155 पंचायतों का गठन किया गया, जिसमें स्थापना दिवस की कार्यक्रम भी की गई एवं आगामी कार्यक्रम दुर्गा वाहिनी, मातृशक्ति के माध्यम से 26 सितंबर से विजयादशमी तक दुर्गा चालीसा पाठ ,शस्त्र पूजन सभा के माध्यम से करने पर चर्चा हुई। 30 अक्टूबर से 2 नवंबर तक तक बजरंग दल के कार्यकताओं के द्वारा हुतात्मा दिवस(रक्तदान दिवस), 6 नवंबर से 20 नवंबर तक हित चिंतक अभियान के तहत पूरे हजारीबाग में 1 लाख कार्यकताओं तक संपर्क करने की योजना बनी साथी ही प्रखंड पालक नियुक्त किए गए। इस बैठक में मुख्य रूप से जिला उपाध्यक्ष अरविंद मेहता, जिला सह मंत्री गुरुदेव गुप्ता, जिला सेवा प्रमुख इंग्लिश सोनी, जिला सत्संग प्रमुख सहदेव गुप्ता, जिला संयोजक प्रशांत सिंह, जिला सहसंयोजक वरुण कुमार, अंकज ठाकुर, जिला मिलन प्रमुख जिला सुमंत पांडे, जिला सामाजिक समरसता प्रमुख अयोध्या मेहता समेत अन्य उपस्थित थे।

झारखंड में स्कूली शिक्षा का हाल है बेहाल

पेड़ के नीचे खुले मैदान में बैठकर पढ़ते हैं मध्य विद्यालय महेशरा के बच्चे

धीरज पुरी

दारू/हजारीबाग (आजाद सिपाही)। झारखंड सरकार एक ओर जहां स्कूली शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए तरह तरह की योजना लाने और उन्हें धरातल पर उतारने के लाख दावे कर रही है वहीं दूसरी तरफ मध्य विद्यालय महेशरा में स्कूली बच्चे पेड़ के नीचे खुले आसमान में बैठकर पढ़ने को मजबूर है। विद्यालय के प्रधानाध्यापक सैयद मंजर हासन ने बताया कि उनके विद्यालय की स्थापना सन 1958 में हुआ था। यह विद्यालय 64 वर्ष पुराना है पर विद्यालय में कमरे का घोर अभाव है। विद्यालय में कुल 270 बच्चे है जिनके लिए मात्र तीन कमरे है इसलिए वर्ग 1 से 3 तक के कुल 60 बच्चे गर्मी, ढंड और बरसात तीनो मौसम में पेड़ के नीचे दरी बिछाकर बैठकर पढ़ने को मजबूर है। एनएच 100 के किनारे यह विद्यालय है पर आज तक किसी नेता, मंत्री या अधिकारी की नजरे इनायत इस विद्यालय के तरफ नही हुई और ना ही इसके कमरे बने। इस विद्यालय में कुछ दिन पूर्व केंद्रीय सहकारिता मंत्री बीरेंद्र कुमार के साथ उपायुक्त नैंसी सहाय, एसडीओ, जिला शिक्षा पदाधिकारी सहित कई अन्य अधिकारी आये थे जिनके सामने विद्यालय प्रबंधन ने भवन की कमी और उससे होने वाली परेशानियों से अवगत कराया था पर किसी ने भी अबतक इस तरफ धयान नही दिया।प्रधानाध्यापक एवम अन्य शिक्षकों ने बताया कि विद्यालय की चारदीवारी किये जाने की अत्यंत आवश्यकता है । चारदीवारी नही होने से शाम को अराजक तत्व यहां आकर शराब गांजा, सिगरेट आदि का सेवन करते है साथ ही शराब की बोतलें विद्यालय भवन के सामने फोड़ देते है। दिवालो पर भद्दे भद्दे बातें लिख देते है जिस कारण उन्हें काफी शर्मिंदगी उठानी पड़ती है। इस बारे में दारू थाना पुलिस को भी सूचना दी गई है पर कोई फर्क इससे नही पड़ा।

बड़कागांव के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के जीर्णोद्धार कार्य का किया शिलान्यास

बड़कागांव (आजाद सिपाही)। दिन बृहस्पतिवार को स्थानीय विधायक अंबा प्रसाद ने बड़कागांव के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के जीर्णोद्धार कार्य का शिलान्यास कियो इससे पूर्व विधायक अंबा प्रसाद का कांग्रेस कार्यकताओं एवं स्थानीय लोगों ने जोरदार तरीके से ढोल बाजे के साथ एवं फूल माला पहनाकर स्वागत कियो सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर पहुंचने पर चिकित्सा प्रभारी डॉ बीएन प्रसाद ने विधायक अंबा प्रसाद को फूल गुलदस्ता भेंट कर स्वागत कियो जिसके पश्चात विधायक अंबा प्रसाद ने विधिवत रूप से पूजा अर्चना कर नारियल फोड़ते हुए सिलापट्ट अनावरण कियो इस अवसर विधायक ने कहा कि क्षेत्र के सभी हिस्सों में सुदृढ़ स्वास्थ्य व्यवस्था उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिकता में रहा है। सुदूर से सुदूर इलाकों में भी व्यवस्था उत्तम कराई जा रही है, बड़कागांव एवं केरेडारी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की जर्जर हालत पर माननीय मुख्यमंत्री

सहित स्वास्थ्य मंत्री को भी अवगत कराया था एवं लगातार जिले में होने वाली बैठकों में इस मामले को जोर-शोर से उठाया जिसके पश्चात सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बड़कागांव का जीर्णोद्धार कार्य की स्वीकृति मिली है और भविष्य में बहुत चल केरेडारी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को भी बेहतर बनाया जाएगो उन्होंने बताया कि लगभग 86 लाख की लागत से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के जीर्णोद्धार कार्य होगा जोकि डीएमएफटी मद से जिला परिषद के द्वारा कराई जा रही है ।

सहिया दीदी ने विधायक का किया विरोध, लगाये मुर्दाबाद के नारे

बड़कागांव । बड़कागांव विधायक अंबा प्रसाद बड़कागांव सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में शिलान्यास करने के लिए पहुंची थी। जहां पर उपस्थित सहिया दीदियों का विरोध का सामना करना पड़ा। उपस्थित सभी सहिया दीदियों ने कहा कि हम लोग विधायक अंबा प्रसाद से कहे कि हम लोगों के समस्याओं को लेकर कई बार आपको अवगत कराया गया है परंतु आप हम लोगों पर ध्यान नहीं देते हैं और हम लोगों की समस्याओं को सदन में क्यों नहीं रखते है। जिसके बाद विधायक के द्वारा कोई उचित जवाब नहीं दिया गया और कहने लगी कि इस तरह से आप लोग मेरे पर हावी नहीं हो सकते हैं। और वह चले गए। उपस्थित सहिया दीदियों ने कहा कि हम लोग ही सबसे ज्यादा काम करते हैं गर्भवती महिलाओं को समय-समय में चेकअप करवाना, दवाई वितरण करना, टीकाकरण करवाना, जांच करवाना, घर-घर जाकर मेहनत हम लोग करते हैं । हम लोग मांग करते हैं कि हम लोगों का भी मानदेय बढ़ाया जाए।

हेमंत जैसे सुयोग्य नेता के नेतृत्व में है राज्य का समुचित विकास : उमाशंकर

चौपारण (आजाद सिपाही) । झारखंड में बुधवार को कैबिनेट की बैठक में मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन की अध्यक्षता में वर्षो पुरानी मांग को पूरा कर इतिहास रचने का कार्य किया गया। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन की गठबंधन सरकार ने स्थानीयता को परिभाषित करते हुए 1932 के खतियान को मान्यता दिया। वहीं ओबीसी को अब झारखंड में 27 प्रतिशत आरक्षण देने के प्रस्ताव को भी सहमति दी गई। इसके अलावा आंगनबाड़ी सेविका सहायिकाओं के भी मानदेय की बढ़ोतरी की गई।वहीं जल्द ही इनके भी नियमावली सरकार द्वारा बनाने का फैसला लिया गया है। प्रस्ताव के फैसले के दूसरे दिन ही बरही विधायक सह निवेदन समिति के सभापति उमाशंकर अकेला यादव मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से मिलकर बरही विधानसभा के तमाम जनता के तरफ से आभार ब्यक्त किया। ज्ञात हो कि बरही विधायक उमाशंकर अकेला के द्वारा ओबीसी को आरक्षण बढ़ाने , आंगनबाड़ी

सेविका सहायिकाओं के मानदेय वृद्धि सहित अन्य मुद्दों को लेकर लगातार आवाज बुलंद किया जा रहा था। कई बार विधानसभा में भी प्रश्नकाल के दौरान इन मुद्दों को उठाकर अपने ही सरकार से जल्द ही समाधान करने की मांग की थी। वहीं बरही विधायक श्री अकेला ने मुख्यमंत्री का आभार ब्यक्त करते हुए कहा कि झारखंड के गरीब गुर्बो, युवाओं के हर आकांक्षाओं को हमारी सरकार पूरे करने के लिए प्रयासरत है । जल्द ही उन समस्याओं का समाधान हमारी सरकार करेगी।

राज्य के जिला परिषद अध्यक्षों ने मुख्यमंत्री से की मुलाकात

हजारीबाग (आजाद सिपाही)। पूरे राज्य के जिला परिषद अध्यक्ष ने गुरुवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से रांची स्थित उनके कार्यालय में मुलाकात की। इस दौरान काफी देर तक सभी जिला परिषद अध्यक्ष ने समस्याओं और मांगो से मुख्यमंत्री श्री सोरेन को अगगत कराया। मांगो में राज्य सरकार के पूर्व के निर्णय के आलोक में डीआरडीए का जिला परिषद में पूरी तरह विलय करने। जिला परिषद अध्यक्ष और उपाध्यक्ष को इसका अध्यक्ष और उपाध्यक्ष बनाने की मांग की है। इसके अलावे अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के मानदेय को सम्मानपूर्वक करते हुए क्रमश 50 हजार और 49 हजार करने। डीएमएफटी फंड वाले जिलों में इसके शासी निकाय में जिला परिषद के अध्यक्ष एवम्-उपाध्यक्ष को नामित करने। वित आयोग से प्राप्त राशि में जिला परिषद को कम से कम 25 प्रतिशत हिस्सेदारी प्रदान करने।

सफलता एक्सप्रेस के छात्र रेलवे में सफल

हजारीबाग (आजाद सिपाही)। हजारीबाग बाबू गांव चौक स्थित सफलता एक्सप्रेस संस्थान का छात्र विक्रम मोदी रांची जोन आकाश कुमार बेंगलुरु जोन प्रह्लाद कुमार चेन्नई जोन में स्टेशन मास्टर के रूप में चयन हुआ है सफल छात्रों ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता पिता और संस्थान को दिया। संस्थान पिछले कई वर्षों से लगातार रिजल्ट देने के कारण छात्रों की पहली पसंद बन चुकी है संस्थान के निर्देशक अखिल कुमार गुप्ता ने बताया संस्थान में डिजिटल बोर्ड के माध्यम से एसएससी बैंकिंग रेलवे डिफेंस और जेएसएससी का नया बैच ऑफलाइन और ऑनलाइन शुरू किया जा रहा है संस्थान के शिक्षक प्रवीण सर पवन राज राजीव कुमार ने सफल छात्र को बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की ।

1932 और पिछड़ों को 27% आरक्षण के लिए झारखंड सरकार का आभार : आरसी मेहता

हजारीबाग (आजाद सिपाही)। 1932 का स्थानीय नीति लागू होने पर झारखंडवासियों के सर्वांगीण विकास झारखंड आंदोलन में शहीदो को सच्ची श्रद्धांजलि झारखंड सरकार द्वारा दिया गया। आज तक सरकारी नौकरी व्यवसाय एवं राजनीति में 40% बाहरियो का वर्चस्व था जिसमें अब सुधार होगा। झारखंड विभाजन के बाद तत्कालीन मुख्यमंत्री द्वारा ओबीसी का आरक्षण 27 से घटाकर 14% कर झारखंड को भारत का अजूबा प्रदेश बना दिया गया था क्योंकि संपूर्ण भारत में ओबीसी के लिए 27% आरक्षण है। उक्त बातें कुशवाहा महासभा के केंद्रीय मुख्य सलाहकार एवं हजारीबाग महागठबंधन के पूर्व विधायक प्रत्याशी डॉ आरसी मेहता ने अपने कार्यालय में कहा। डॉ मेहता ने कहा की झारखंड बाहरियों का चारागाह बना हुआ है। झारखंडी 1932 का खतियान लागु कर झारखंड सरकार ने अपना संकल्प पूरा किया। मुझे उम्मीद है की जल्द झारखंड में स्थानीय नीति लागू होगा।

एनटीपीसी पकरी बरवाडीह कोयला खनन परियोजना ने मनाया अभियंता दिवस

बड़कागांव (आजाद सिपाही)। पकरी बरवाडीह कोयला खनन परियोजना ने भारत के महान अभियन्ता एवं भारतरत्न मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया के जन्मदिवस पर उन्हें याद करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। अभियंता दिवस के शुभ अवसर पर परियोजना के विभिन्न इंजीनियरी विधाओं में लगे अभियंता अधिकारियों एवं कर्मचारियों के कार्यों और राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान को सराहते हुए परियोजना महाप्रबंधक शिवम श्रीवास्तव ने कहा, आज भी मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया को आधुनिक भारत के विश्वकर्मा के रूप में बड़े सम्मान के साथ स्मरण किया जाता है। अपने समय के बहुत बड़े इंजीनियर, वैज्ञानिक और निमार्ता के रूप में देश की सेवा में अपना जीवन समर्पित करने वाले डॉ. मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया को भारत ही नहीं, वरन-विश्व की महान-प्रतिभाओं में गिना जाता है। महाप्रबंधक ने ये भी कहा की एम- विश्वेश्वरैया भारत के महान इंजिनियरों में से एक थे, इन्होंने ही आधुनिक भारत की रचना की और भारत को नया रूप दिया. उनकी दृष्टि और इंजीनियरिंग के क्षेत्र में समर्पण भारत के लिए असाधारण योगदान दिया। उन्होंने देश में कई ब्रिज और नदियों का बांध बनाने का कार्य किया है हमारे देश में कही जगह सर एम विश्वेश्वरय्या के कामो की वजह से पानी की समस्या खत्म हुई थी। इस अवसर पर बादम परियोजना के महाप्रबंधक के. चंद्रशेखर, माइनिंग विभाग के महाप्रबंधक एस.के.गुप्ता, सूचना प्रद्योगिकी विभाग के अपरमहाप्रबंधक आनंद जी अग्रवाल, मानव संसाधन विभाग के अपरमहाप्रबंधक अमित कुमार अस्थाना एवं सभी अभियंता अधिकारी एवं अधिकारीगण उपस्थित रहें।

सामाजिक अंकेक्षण संघ ने विधायक अंबा को सौंपा ज्ञापन

बड़कागांव (आजाद सिपाही)। बड़कागांव विधायक अंबा प्रसाद के हजारीबाग आवास में सामाजिक अंकेक्षण संघ हजारीबाग के द्वारा ज्ञापन सौपा गया। जिसमें सोशल ऑडिट नियमित रूप से तथा 2 साल से बकाया मानदेय भुगतान कराने की मांग की है। मौके पर जिला सचिव राम प्रसाद महतो ने कहा कि झारखंड में स्थापित संविधानिक संस्था सामाजिक अंकेक्षण का गठन 2016 में किया गया है । मनरेगा अधिनियम 2005 की धारा 17 के तहत सामाजिक अंकेक्षण का कार्य किया जाता है। राज्य में 2017 से सामाजिक अंकेक्षण दल द्वारा मनरेगा योजनाओं के साथ-साथ एमडीएम, एसएसए,14 वी आयोग, जल छाजन,पीएमए ग्रामीण,पीडीएस, समेत 18 तरह की सरकारी योजनाओं का सामाजिक अंकेक्षण कार्य सफलतापूर्वक संपन्न किया गया है। सामाजिक अंकेक्षण से जवाब देहि, पारदर्शिता, तथा लोगों में काफी जागरूकता जागरूकता एवं सुधार हुआ है । सोशल ऑडिट का कार्य अभी 6 महीना से बंद है । ज्ञापन के माध्यम से झारखंड सरकार से मांग करते हैं कि नियमित ऑडिट कराया जाए तथा झारखंड में लगभग 1382 एवं बीआरपी का मानदेय 2 वर्षों से बकाया है। जिसमें कर्मियों को जीवन निर्वहन करने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। अतः सरकार से मांग करते हैं कि अति शीघ्र भुगतान किया जाए । वर्तमान में सामाजिक अंकेक्षण का कार्य ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्गत जेएसएलपीएस के द्वारा करवाया जाता है। जबकि मनरेगा नियमावली 2011 के अनुसार इसे एक स्वतंत्र इकाई का गठन करना है अतः सरकार से मांग करते हैं कि अति शीघ्र स्वतंत्र इकाई का गठन किया जाए । ज्ञापन सौंपने वाले में अध्यक्ष कमलेश कुमार मेहता, जिला सचिव राम प्रसाद महतो, संयोजक राम ब्यास, अनिल कुमार, अनिल कुमार, एमडी रहमान,बलदेव राम, प्रदीप प्रभाकर, प्रवीण प्रसाद मेहता, सुदर्शन प्रसाद मेहता ,प्रदीप साहू ,विनोद प्रसाद कुशवाहा, हसन एवं संगठन के लोग मौजूद थे।

डाढा मुखिया सुनीता देवी ने मॉडल स्कूल के विद्यार्थियों के आने जाने के लिए बस की मांग की

हजारीबाग (आजाद सिपाही)। जिला स्कूल हजारीबाग के प्रांगण में जिला स्तरीय मुखिया सम्मेलन के दौरान हजारीबाग डीसी नैंसी सहाय से इचाक प्रखंड के डाढा पंचायत की मुखिया सुनीता देवी ने मॉडल स्कूल के विद्यार्थियों के लिए बस की सुविधा और विद्यालय की चहारदीवारी की मांग की है। मुखिया सुनीता देवी ने कहा की बहुत मुश्किलों के बाद मॉडल स्कूल का उद्घाटन हो पाया है। यह विद्यालय पूर्व में इचाक के कुटुम सुकरी में संचालित था। विद्यालय नए भवन में शिफ्ट हो जाने और उद्घाटन होने के बाद दूर दराज क्षेत्र के बच्चो को स्कूल आने जाने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बच्चो को आने जाने के लिए बस की आवश्कता है ताकि बच्चे सुगमता पूर्वक स्कूल आ जा सकें। साथ ही विद्यालय भवन चारो ओर से खुला है इसके लिए भी चहारदीवारी की आवश्कता है।

झारखंडियो का सपना हुआ साकार : गौतम

हजारीबाग (आजाद सिपाही)। आदर्श युवा संगठन के केन्द्रीय अध्यक्ष सह झारखंड युवा आंदोलनकारी नेता ने 1932 खतियान को लागु करने पर सरकार का ऐतिहासिक कदम बताया है। गौतम ने कहा कि 1932 खातियान झारखंड के अस्मिता की पहचान है। झारखंड अलग होने की बात आजादी के पूर्व स्वतंत्रता सेनानी जयपाल सिंह मुंडा ने छेड़ रखा था।लेकिन झारखंड के अस्मिता की पहचान 1932 की खतियान 22 वर्षों के बाद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कर दिखाया। गौतम ने झारखंड में 1932 खतियान लागु करने और 27 % आरक्षण देने को ऐतिहासिक बताया। गौतम ने कहा की प्रथम मुख्यमंत्री बाबुलाल मरांडी ने ओबीसी आरक्षण को 27 से 14% कर वे अपने पैर पर पहले ही कुल्हाड़ी मार चुके थे। लेकिन हेमंत सोरेन ने झारखंड हित के लिए पुनः 27 % ओबीसी आरक्षण दे कर बड़ा इतिहास बन गया। झारखंड के विपक्षी पार्टी बीजेपी के पास अब कोई मुद्दा ही नही रह गया है।

1932 खतियान स्थानीय नीति कैबिनेट में पास होने पर झामुमो ने भुरकुंडा में निकाला जुलूस

भुरकुंडा (आजाद सिपाही)। झारखंड मुक्ति मोर्चा पतरातू प्रखंड कमेटी ने झारखंड सरकार द्वारा 1932 खतियान स्थानीय नीति कैबिनेट में पास किये जाने पर गुरूवार को भुरकुंडा में जुलूस निकालते हुए आतिशबाजी कर जश्न मनाया। साथ ही एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी का इजहार किया। जुलूस प्रखंड कार्यालय भुरकुंडा से निकलकर बिरसा चैक होते हुए मतकमा चैक पहुंचा। इसके पूर्व बिरसा चैक स्थित भगवान बिरसा मुंडा के प्रतिमा पर मार्ल्यापण मार्ल्यापण किया। मौके पर झामुमो नेताओ ने कहा कि राज्य अलग होने के बाद कई सरकारें आई और गई, लेकिन किसी भी सरकार ने स्थानीय नीति लागू करने का प्रयास नहीं किया। हेमंत सोरेन के नेतृत्व में चल रही महागठबंधन की सरकार ने 1932 के आधार पर स्थानीय नीति कैबिनेट में पास कराकर राज्य की जनता को उनका अधिकार देने का काम किया है। इसके साथ ही सरकार ने हर वर्ग को आरक्षण का लाभ दिया है। जिसमें एससीएसटी को 40 प्रतिशत, पिछड़ा वर्ग को 27 प्रतिशत और कमजोर वर्ग को 10 प्रतिशत आरक्षण दिया है, जो काफी सराहनीय कदम है। जुलूस में ग्यास खान, हरिलाल बेदिया, संजय वर्मा, मुकेश राउत, इमामुल अंसारी, आजाद अंसारी, बिहारी बडाईक, राजेन्द्र बेदिया, सत्यनारायण यादव, विरेन्द्र यादव, गुदरिया बेदिया, चरकु गंझू, राजु मुंडा, राजा मुंडा, विजय मुंडा, अशोक दास, ग्यास खान, अलिम अंसारी, रोहन बेदिया, यशोदा देवी, पुनम कुमारी, रानी कुमारी, हीना कुमारी, राजमुनी कुमारी, देवशरण करण, राजेन्द्र गंझू, नरेश गंझू, प्रदीप बेदिया सहित दर्जनों लोग शामिल थे।

जनवितरण दुकानदार के खिलाफ दर्जनों महिलाएं पहुंचीं प्रखंड कार्यालय

पतरातू (आजाद सिपाही)। पतरातू प्रखंड के हफुआ पंचायत के कुरबीज ग्राम से गुरुवार को दर्जनों महिलाएं पतरातू प्रखंड कार्यालय पहुंचकर एमओ उदयशंकर से भेंट की। महिलाओं ने ओसाम ग्राम स्थित उज्वल महिला समिति की जमकर शिकायत की। और कहा कि दो दो तीन तीन महिने में एक बार राशन देता है। इसके साथ ही महिलाओं ने दूरी होने की बारत कही। महिलाओं ने मां की है कि या तो राशन कुरबीज गांव में बंटे या तो फिर कुरबीज गांव में ही नई दुकान खोली जाए ताकि हम सभी ग्रामीणों को परेशानी से निजात मिल सके और प्रत्येक महिने बिना किसी परेशानी के खाद्यान्न मिल सके। शिकायत सुनने के बाद एमओ उदयशंकर ने दुकानदार सुखनाथ उरांव से बात कर ग्रामीणों को राशन समय पर देने का निर्देश दिया। और कहा कि ग्रामीणों की दोबार शिकायत मिलने पर नया लाईसेंस निर्गत करने की कार्रवाई जाएगी। इस मौके पर सीता देवी सरीता देवी, सबिता देवी, शांति देवी, झालो देवी, क्रांति देवी, अरवा देवी, निशा कुमारी, सुरती कुमारी, सीमा देवी, नगीना देवी, उषा देवी, तारो देवी, रुपा देवी, अंजु देवी, सुनीता देवी, कलावती देवी, मीना देवी, कोमिला देवी, रेनी देवी, मुनिया देवी, लक्ष्मी देवी, सहित दर्जनों अन्य महिलाएं शामिल थीं।

एलार्सा के संस्थापक एसके धर की मनायी गयी पुण्यतिथि

पतरातू (आजाद सिपाही)। पतरातू रेलवे के युनियन ऑल इंडिया लोको रनिंग स्टाफ एसोसिएशन के नेताओं व अन्य रेल कर्मचारियों के द्वारा एलार्सा के संस्थापक एवं पूर्व महासचिव एसके धर की पुण्यतिथि मनाई। इसके अध्यक्षता एसोसिएशन के अध्यक्ष विकास कुमार व संचालन कार्यकारी अध्यक्ष एसके शर्मा ने की। इसमें जोनल कमेटी सदस्य एसके चैपाल व मृत्युंजय कुमार ने एसके धर के विषय में बताया कि 1974 के रेलवे के अंदर हुए हड़ताल में एलार्सा का अहम योगदान रहा। इसके साथ ही रेलवे के कर्मचारियों के मान सम्मान के लिए हमेशा एलार्सा लड़ाई लढ़ती रही है। इसके साथ ही कार्यक्रम में यह बताया गया कि 25 सितंबर को बरकाकाना के रिक्रिएशन क्लब में होने वाले एनपीएस एवं नीजीकरण हटाओ एवं पुरानी पेंशन नीति बहाली जन कन्वेंशन में पूर्ण भागीदारी निभाने की आवश्यकता है। मौके पर राहूल कुमार, सतीश कुमार, आकाश कुमार, पीके निराला, सोनु कुमार, रंजन कुमार सहित अन्य रेलवे कर्मचारी शामिल थे।

एनटीपीसी ने मनाया हिंदी दिवस

टंडवा (आजाद सिपाही)। एनटीपीसी नॉर्थ कर्णपुरा में हिन्दी दिवस हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया।इस अवसर पर प्रशासनिक भवन सभागार में आयोजित एक समारोह में वक्तव्य रखते हुये प्रोफेसर विजय कांत धर दुबे, पूर्व विभाग अध्यक्ष हिन्दी विभाग, विनोबा भावे विश्वविद्यालय,हजारीबाग ने हिंदी भाषा की उत्पत्ति और इसके विकास पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि हिंदी भाषा की प्रगति आम लोगों की चाहत,प्रयास और इच्छा से एक स्थिर गति से निरंतर रूप में हुई है,इसे अब अवरुद्ध नही किया जा सकता है।श्री दुबे ने बताया कि कायार्लीन हिंदी की भाषा साहित्य की भाषा से भिन्न होती है।और यह अलग ढंग से परिभाषित होती है। शब्दों के निश्चित अर्थ होते है, एवं कार्यालय के काम काज में उपयुक्त शब्दों का ही इस्तेमाल करना होता है। सभा में उपस्थित एल के बेहरा,महाप्रबंधक (परियोजना) ने श्री दुबे का पुष्प गुच्छ से स्वागत किया व शॉल ओढ़ाकर अभिनंदन किया। इससे पूर्व, उप महाप्रबंधक, मानव संसाधन, धीरज गुप्ता ने एनटीपीसी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक गुरदीप सिंह द्वारा हिन्दी दिवस के अवसर पर प्रषित संदेश पढ़ कर सुनाया। हिंदी दिवस समारोह में दिप्तेंदु मंडल, महाप्रबंधक प्रचालन & अनुरक्षण, विजय मंजुल, महाप्रबंधक ओ & सी, ए आर दास, महाप्रबंधक अनुरक्षण, सोमनाथ बेरा, महाप्रबंधक ईंधन प्रबंधन एवं बड़ी संख्या में कर्मचारी व अधिकारी उपस्थित थे।परियोजना में 14से 29 सितंबर हिंदी पखवाड़ा के रूप में मनाया जायेगा, जिस दौरान हिंदी के प्रसार प्रचार हेतु विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन , कर्मचारियों , स्कूली बच्चों एवं महिलाओं के लिए किया जायेगा।

सीएम ने दुर्गापूजा की दी बड़ी भेंट : सुभाष दास

टंडवा (आजाद सिपाही)। जेएमएम नेता सुभाष दास ने हेमंत सरकार के फैसले को स्वागत किया है। ओबीसी आरक्षण 14 प्रतिशत से बढ़ाकर 27% आरक्षण एवं 1932 खतियान आधारित स्थानीय नीति बनाकर हेमंत सरकार झारखंडियों का दिल जीता है। उन्होने कहा स्थानीय नीति अंततःसीएम हेमंत सोरेन ने जनता को दुर्गापूजा की बढ़ी तौफा दे दिया है।एव झारखंडियों के लिये मिल का पत्थर साबित होगा, । हेमंत सरकार के साहसिक फैसले राज्य के विकास के साथ साथ हम झारखंडियों का भी उत्थान होगा। सरकार में दलित, पिछड़ा व गरीब गुरबों को काफी उम्मीदे हैं, यह सरकार उनके उम्मीदो पर शत-प्रतिशत खरा उतर रही है।

आजसू पार्टी प्रमंडल स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन में रवाना हुए दर्जनों कार्यकर्ता

कुजू (आजाद सिपाही)। आजसू पार्टी मांडू विधानसभा प्रभारी तिवारी महतो के नेतृत्व में क्षेत्र के कार्यकर्ता बगदाहा, टुंडी स्थित विनोद बिहारी महतो स्टेडियम में गुरुवार को आयोजित आजसू पार्टी के प्रमंडलस्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन में शामिल होने के लिए मांडू विधानसभा क्षेत्र से बड़ी संख्या में रवाना हुए। इस दौरान मुरपा, कुजू फोरलेन स्थित कार्यालय में झंडे-बैनर के साथ बड़ी संख्या में जुटे कार्यकर्ता नारेबाजी करते हुए सैकड़ों छोटे-बड़े वाहनों पर सवार होकर टुंडी के लिए कूच कर गए। मौके पर तिवारी महतो ने कहा कि संगठनात्मक मजबूती व आने वाले चुनाव में बेहतर प्रदर्शन को लेकर सम्मेलन में हजारों की संख्या में कार्यकर्ता शामिल होंगे। कहा कि सूबे की बेहतरी के लिए आमजन आजसू को ही बेहतर विकल्प मान रहा है। रवानगी में मांडू प्रखंड अध्यक्ष नरेश महतो, तेजनाथ महतो, मनोज यादव, पंकज महतो, तपेश्वर महतो, चितु महतो, विनोद किस्कु, गंगा राम, अशोक केशरी, विनोद करमाली, छोटू पटेल, सुशील सिंह, दाता राम, मन्नान खान, जयकिशोर महतो, कमलेश महतो, सरिता सिंह, पारस महतो, पवन यादव, विनोद कुशवाहा, तुलसी महतो, राहुल चौरसिया, अमित सोनी, अर्जुन मुंडा, जगदीश आडवाणी, कोलेश्वर महतो, राकेश ठाकुर, सुचिता देवी, सोनी देवी, सुशीला देवी, रेखा देवी, सविता देवी, किरण देवी, तमन्ना देवी सहित बड़ी संख्या में महिला-पुरुष कार्यकर्ता शामिल हुए।

पल्स पोलियो अभियान का डीसी ने किया शुभारंभ

5 वर्षों तक के बच्चे को पोलियो की खुराक जरूर पिलायें: डीसी

रामगढ़(आजाद सिपाही)। छत्तरमांडू स्थित सदर अस्पताल परिसर से गुरुवार को डीसी माधवी मिश्रा ने पल्स पोलियो अभियान सितंबर 2022 का शुभारंभ किया। इस दौरान डीसी ने 5 वर्ष से कम आयु के बच्चे को पोलियो की खुराक पिलाने के उपरांत सभी जिले वासियों से अनिवार्य रूप से अपने 5 वर्ष तक कि आयु तक के बच्चे को पोलियो की खुराक पिलाने की अपील की।

16 एवं 17 को घर-घर जाकर पिलाये पोलियो की खुराक

मौके पर डीसी ने सीएस डॉ प्रभात कुमार से पल्स पोलियो अभियान 2022 के तहत रामगढ़ जिला अंतर्गत प्रत्येक योग्य बच्चे को पोलियो की खुराक पिलाने के लिए तैयार माइक्रो प्लान की जानकारी ली। उन्होंने सभी अधिकारियों एवं स्वास्थ्य कर्मियों को ज्यादा से ज्यादा बच्चों को जिले के विभिन्न बूथों पर पोलियो की खुराक पिलाने का निर्देश दिया। डीसी ने कहा कि किसी कारणवश जो बच्चे बूथ पर पोलियो की खुराक नहीं ले पाते हैं उन्हें 16 एवं 17 सितंबर को घर-घर जाकर पोलियो की खुराक पिलाने का निर्देश दिया।

172146 बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने का है लक्ष्य

गौरतलब होकि पल्स पोलियो अभियान 2022 के तहत रामगढ़ जिला अंतर्गत लगभग 172146 बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने का लक्ष्य निर्धारित है जिसमें बृहस्पतिवार को विभिन्न बूथों पर बच्चों को पोलियो खुराक पिलाई जाएगी वही 16 एवं 17 सितंबर को घर-घर जाकर 5 वर्ष से कम आयु तक के बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने का कार्य किया जाएगा।

ये थे उपस्थित

पल्स पोलियो अभियान 2022 के शुभारंभ कार्यक्रम के दौरान सिविल सर्जन, डीआरसीएचओ, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, विधायक प्रतिनिधि, अन्य स्वास्थ्य अधिकारी व कर्मी उपस्थित थे।

राज्यस्तरीय पेंटिंग प्रतियोगिता में प्रियांशु ने तीसरा स्थान प्राप्त किया

गोला(आजाद सिपाही)। झारखंड राज्य बाल कल्याण परिषद द्वारा राजभवन रांची में आयोजित राज्यस्तरीय ऑन द स्पॉट पेंटिंग प्रतियोगिता में गोला कोटवार टोला निवासी प्रियांशु चंद्र पोद्दार ने तीसरा स्थान प्राप्त कर प्रखंड ओर पूरे जिला का सम्मान बढ़ाया है। छात्र को राज्य के राज्यपाल रमेश बेस ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। बताया गया कि छात्र बचपन से ही काफी होनहार है।छात्र ने बताया कि प्रतियोगिता की शुरूआत प्रखंड स्तर से शुरू हुआ ।इसके बाद जिला स्तर पर आयोजित किया गया।सभी में उन्होंने बेहतर प्रदर्शन किया ।बताया गया कि छात्र के पिता विश्वजीत चन्द्र पोद्दार ठेला लगाकर दुकानदारी करते हैं।।उसके

सफलता पर प्रखंड सुवर्ण वनिक समाज के लोगो ने बधाई देते हुए उसके उज्वल भविष्य की कामना की है।बधाई देने वालो में अध्यक्ष प्रताप पोद्दार, सचिव बापी पोद्दार, कोषाध्यक्ष गौर पोद्दार, पंचम पोद्दार, सुखदेव पोद्दार, मुखिया बुलटी देवी, जितेन्द्र कुमार, सत्रुघ्न पोद्दार, नवदीप पोद्दार, रमेश पोद्दार आदि शामिल है।

हेमंत सरकार ने दी झारखंडियों को नयी पहचान : पंकज प्रजापति

चतरा (आजाद सिपाही)। राज्य सरकार द्वारा केबिनेट की बैठक में लिए गए निर्णय 1932 का खतियान एवं 27% ओबीसी को आरक्षण दिए जाने के मौके पर झामुमो के जिला अध्यक्ष पंकज कुमार प्रजापति के नेतृत्व में मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन सहित तमाम केबिनेट के मंत्रियों के लिए आभार यात्रा निकाली गई यात्रा ढोल नगाड़े के साथ झामुमों कार्यकताओं ने एक दूसरे को गुलाल लगाया और जमकर आतिशबाजी की कार्यकर्ताओं द्वारा झारखंडी की एक अलग पहचान 1932 का खतियान, झारखंड के मुख्यमंत्री कैसा हो हेमन्त सोरेन जैसा हो, बिर शिबू सोरेन जिंदाबाद सहित अन्य नारे लगाए जा रहे थे इस अवसर पर जिला अध्यक्ष पंकज प्रजापति ने कहा कि झारखंड के लिए कल का दिन ऐतिहासिक रहा है और मुख्यमंत्री महोदय सरकारी कर्मचारियों के 2004 से रुके पेंशन के अलावे पुलिसकर्मियों को 13 माह का

वेतन एवं छुटी का उपहार दिए साथ ही पाराशिक्षक, आंगनबाड़ी सेविका, सहायिकाओं को भी सम्मानजनक वेतन देने का काम किए इसके अलावे कई ऐतिहासिक निर्णय मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के द्वारा लिया गया है अब चाहकर भी विरोधी कुछ नही कर पा रहे है जिलाध्यक्ष ने कहा कि आनेवाले चुनाव में भाजपा सहित एनडीए में शामिल दलों के लोगों की जमानत जप्त हो जाएगी। आभार यात्रा में जिला अध्यक्ष के अलावा सचिव अमरदीप प्रसाद, उपाध्यक्ष असलम अंसारी, इकरामुल हक, छात्र नेता राहुल यादव, सभी प्रखंडो के अध्यक्ष, सचिव के अलावे सैंकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित थे।

शिक्षा मंत्री का गोला में किया गया स्वागत

गोला(आजाद सिपाही)। 1932 के खतियान के आधार पर नियोजन नीति पर हेमंत कैबिनेट की मुहर के साथ ओबीसी को 14 प्रतिशत से 27 फीसदी आरक्षण देने का निर्णय का गोला के लोगों ने स्वागत किया है। गुरुवार को जश्न में डूबे लोगों ने शिक्षा मंत्री जगरनाथ महतो का जोरदार स्वागत किया। शिक्षा मंत्री अपने विधानसभा क्षेत्र डुमरी से रांची जा रहे थे। डीवीसी चौक में झामुमो ओर कांग्रेस के कार्यकर्ताओ ने बैंड बाजा के साथ जोरदार स्वागत किया। मंत्री ने कहा हेमंत जो कहते है वो करते है। अब कई नेताओं की दुकानदारी बंद हो जाएगी। इसके अलावे शिक्षा मंत्री का स्वागत दामोदर रेस्टुरेंट के समीप भी हुई। यहां न्यू किसान

मजदूर यूनियन के सदस्यों ने ग्यारह तरह की सब्जी भेंट के रूप में दी। शिक्षक बहाली प्रक्रिया जल्द ही शुरू होने जा रही है। मौके पर कमाल शहजादा, बिनोद किस्कू, रामविनय महतो, बजरंग महतो, गौरीशंकर महतो, कमलेश महतो, मानिक पटेल, सुनील कुशवाहा, संतोष सोनी, कपिल महतो, गुलाम सरवर, चतर्भुज कश्यप, देवेन्द्र दांगी आदि मौजूद थे।

गाड़ीलौंग मेला टांड़ को लेकर टंडवा सीओ ने लिया संज्ञान

टंडवा (आजाद सिपाही)। गाड़ीलौंग पंचायत भवन के सामने शारदीय नवरात्रि के विजयदशमी के दिन सतबहिनी माता स्थान में मेला वर्षो से लगती आयी है।यह मेलाटांड अब विवाद के घेरे में आ गया है। बीते कुछ दिन पहले से गाड़ीलौंग के झालो राम, नागो राम के वंशजों द्वारा मेलाटांड़ को अपना बंदोबस्त जमीन कह कर जबरन कंक्रीट कर कब्जा कर लिया है। उस पर मकान कार्य शुरू कर दिया।इस वर्ष की दुर्गापूजा की मेला कहा लगेगा इसके लिए ग्रामीणों के लिए बड़ी प्रश्न खड़ी हो गयी है।मेला टांड़ में दस हजार की संख्या में श्रद्धालु पहुंचते है।ग्रामीण के अनुसार उक्त प्लॉट मेला टांड़ जीएम प्लाट है।सार्वजनिक रूप से सरकार द्वारा सरकारी पंचायत भवन निर्मित है।उक्त मामले को लेकर अतिक्रमण से मुक्त कराने के लिए टंडवा सीओ विजय कुमार दास के पास सैकड़ों ग्रामीणों ने एक आवेदन सौंपी।सीओ

ने त्वरित संज्ञान लेते हुये, उस जमीन को अगले आदेश तक निर्माण कार्य पर रोक लगा दिया है। इसकी जांच पड़ताल शुरू कर दी गयी है। मालूम हो की भविष्य में मेला लगाने के लिए जमीन नहीं बच रहा है। जिसका खाता नंबर 161 और प्लॉट नंबर 1121 है।इस मौके पर मनोज राणा, महेंद्र यादव, प्रताप चौरसिया, शशि चौरसिया, मनोज यादव, भीम बरई,दिलीप राम, पिंटू राणा, चुरामण साव, गोपाल चौरसिया, मोहन साव, जुगल साव, झंडू यादव,ऋतु यादव, कासिम मियां, उस्मान मियां मोइन अंसारी, लालमन साव,राजेंद्र बरई, सुधीर चौरसिया, विक्की चौरसिया, सोनू भुईयां, राजेश बरई समेत सैकड़ों ग्रामीण मौजूद थे।

भारत जोड़ो यात्रा रैली से भाजपा को उखाड़ फेंकने का कार्य करेगी जनता : राजेंद्रनाथ

चितरपुर (आजाद सिपाही)। चितरपुर रेलवे ओवरब्रिज स्थित हैक फाउंडेशन के कार्यालय में चितरपुर प्रखंड कॉंग्रेस कार्यकताओं की बैठक हुई। बैठक में मुख्य रूप से भारत जोड़ो यात्रा के रामगढ़ प्रखंड प्रभारी राजेंद्रनाथ चौधरी मौजूद थे। मौके पर रामगढ़ प्रखंड प्रभारी राजेंद्रनाथ चौधरी ने कहा कि आगामी 22 सितंबर को चितरपुर प्रखण्ड में भारत जोड़ो यात्रा को लेकर विशाल रैली निकाली जाएगी। यह रैली रोशन लाइन होटल से चितरपुर हाई स्कूल मैदान तक निकलेगी। जो पूरी तरह से भव्य और ऐतिहासिक होगा। इस रैली के माध्यम से जनता आने वाले चुनावों में भाजपा को उखाड़ फेंकने का काम

करेगी। अयोजित बैठक में भारत जोड़ो यात्रा की तैयारियों पर चर्चा करते हुए पंचायत प्रभारियों की घोषणा की गईं। इस दौरान प्रखंड के कई वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं ने भी भारत जोड़ो यात्रा पर अपने अपने विचारों को विस्तृत से रखा गया। मौके पर रामगढ़ 20 सूत्री अध्यक्ष दिनेश मुंडा, प्रखंड अध्यक्ष लक्ष्मण महतो, चंद्रशेखर पटवा, प्रीतम महतो सहित कई मौजूद थे।

पंचायत प्रभारियों का चयन

भारत यात्रा जोड़ो कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए बैठक के दौरान पंचायत प्रभारियों की घोषणा की गई। जिसमें मायल से चंद्रशेखर पटवा, मारंगमरचा से उमेश कुमार सिंह, सेवई उत्तरी से इम्तियाज अहमद, सेवई दक्षिणी से हाजी अख्तर आजाद, भुचुंगडीह से प्रदीप महतो, सुकरीगढ़ा से बाबू भाई करमाली, लारीकलां से अक्षय सोनी, बड़कीपोना से लुमनाथ महतो, बोरोविंग से नकुल महतो, चितरपुर उत्तरी से रंजन कुमार, चितरपुर पश्चिमी से अनवर करीम, चितरपुर दक्षिणी से जोया परवीन, चितरपुर पूर्वी से मो साजिद को प्रभारी बनाया गया है ।

बरका सयाल में कोयला तस्करी की उच्च स्तरीय जांच हो : सुखदेव प्रसाद

उरीमारी(आजाद सिपाही)। जनता मजदूर संघ के जोनल सचिव सह सीसीएल वेलफेयर बोर्ड मेंबर सुखदेव प्रसाद ने बरका सयाल क्षेत्र में कोयला तस्करी की उच्च स्तरीय जांच की मांग की है। वहीं श्री प्रसाद ने कहा कि निष्पक्ष जांच होने से कोयला तस्करी में शामिल कई अधिकारियों की संलिप्तता उजागर होगी। बिना अधिकारी के संलिप्तता के कोयला तस्करी संभव नही है। सुखदेव प्रसाद ने कोयला मंत्री, कोयला सचिव, स्थानीय सांसद जयंत सिन्हा, सीएमडी सीसीएल, निदेशक तकनीकी सीसीएल को पत्र लिखकर कर सीसीटीवी कैमरा फुटेज के आधार पर जांच की मांग की है और उसमें शामिल अधिकारियों एवं अन्य दोषियों पर कठोर कार्रवाई की मांग की है।

बलकुदरा पंचायत के प्राउवि में बच्चों को दी गयी दो बूंद पोलियो की खुराक

भुरकुंडा (आजाद सिपाही)। बलकुदरा पंचायत के प्राथमिक उच्च विद्यालय बलकुदरा में गुरुवार को 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो का खुराक दिया गया। इसका शुभारंभ बासल थाना के एएसआई नरेंद्र प्रसाद व दुर्गा सोरेन सेना रामगढ़ जिला सचिव नंदकिशोर मुंडा द्वारा बच्चो को दो बूंद पोलियो की खुराक पीलाकर किया गया। सहिया दीदी अनिता कुमारी व सेविका संगीता देवी के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम को सफल बनाने में रविकांत साहू, नालनी यादव, राजेश प्रसाद, रामजन्म शर्मा, अजीत कुमार, सुशील कुमार आदि का विशेष योगदान रहा।

जिला शिक्षा पदाधिकारी व जिला शिक्षा अधीक्षक का मुखिया ने किया स्वागत

भुरकुंडा (आजाद सिपाही)। बुध बाजार दोतल्ला पंचायत की मुखिया सत्यवंती देवी और सयाल उत्तरी पंचायत की मुखिया आशा देवी ने गुरूवार को नये पदस्थापित रामगढ़ जिला शिक्षा पदाधिकारी कुमारी नीलम तथा रामगढ़ जिला शिक्षा अधीक्षक संजीत कुमार को पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया। इस दौरान दोनो मुखियाओं ने अपनी-अपनी ग्राम पंचायतों के विद्यालयों की वर्तमान स्थिति पर चर्चा की। साथ ही विद्यालयों में ई-शिक्षा कि व्यवस्था के माध्यम से पढ़ाई करवाने सहित छात्र एवं विद्यालय का सर्वांगीण विकास हेतु सलाह भी दिया गया।

जुबिली कॉलेज में स्वच्छता अभियान चला और हिंदी दिवस मना

भुरकुंडा (आजाद सिपाही)। रिभर साईड भुरकुंडा स्थित जुबिली कॉलेज में एनएसएस इकाई एक व दो के तत्वावधान में स्वच्छता अभियान और हिन्दी दिवस मनाया गया। कार्यक्रम के प्रथम सत्र में रामगढ़ जिला स्वच्छता अंबेसडर अमर कुमार सिंह और रोशन कुमार के नेतृत्व में महाविद्यालय के एनएसएस स्वयंसेवको ने भारत सरकार द्वारा चलाये जा रहे स्वच्छता अभियान के संबंध में विद्यार्थियों को विशेष जानकारी दी गई। अमर कुमार सिंह ने कहा कि युवा अगर जागरूक हो जाये तो आने वाले दिनों में रामगढ़ जिला स्वच्छता मामले में अव्वल स्थान होगा। इस दौरान कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ बी रविदास और प्रो. अर्जून कुमार मिश्रा ने स्वच्छता के बावत उपस्थित लोगों को विस्तार पूर्वक जानकारी दी। कार्यक्रम के दूसरे सत्र में हिन्दी दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत सामुहिक रूप से दीप प्रज्जवलित कर किया गया। इस अवसर पर प्रो. देव प्रकाश प्रसाद ने कहा कि हिन्दी हमारी आत्मा है। इसके बिना सारी भाषाएं निष्प्राण हैं। कार्यक्रम को डॉ सुरेश प्रसाद दांगी, डॉ एसपी पांडेय, डॉ विभा राय, प्रो राजेश कुमार, डॉ बालमुकुंद सिंह, डॉ मिथिलेश कुमार, प्रो मनोज कुमार दास आदि ने भी संबोधित किया। मौके पर सुनीता, तमन्ना, विनीता, निराली, निकीता, मुस्कान, महक, प्रगति, मानसी, अमित, अंजली, पल्लवी, खुशबू, रिया, शिवानी, अमर, शिवम, दीपक कुमार, सोनी, स्वीटी, प्रीति, अंशु, निशा, सलोनी, राधा, जयप्रकाश पांडेय सहित दर्जनों स्वयंसेवक मौजूद थे।

जेएम कॉलेज के शिक्षक प्रतिनिधि बने डॉ अरविंद सिंह, दी गयी बधाई

भुरकुंडा (आजाद सिपाही)। पटेलनगर भुरकुंडा स्थित जेएम कॉलेज में गुरूवार को इतिहास विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अरविंद कुमार सिंह को शासी निकाय का शिक्षक प्रतिनिधि निर्विरोध चुना गया। मालूम हो कि 15 सितंबर को शासी निकाय में शिक्षक प्रतिनिधि के लिये नामांकन की अंतिम तिथि थी। लेकिन डॉ. अरविंद कुमार सिंह के अलावे किसी ने नामांकन नहीं किया। जिसके कारण अरविंद सिंह को निर्विरोध शिक्षक प्रतिनिधि चुना गया। डॉ. अरविंद कुमार सिंह के शिक्षक प्रतिनिधि चुने जाने पर कॉलेज के प्राचार्य डॉ विद्यानंद तिवारी, डॉ विरेन्द्र कुमार सिंह, डॉ गिरिधारी पाठक, डॉ अवधेश कुमार सिंह, डॉ शिवशंकर सिंह, डॉ शीला सिंह, डॉ शमा बेगम,डॉ शीला सिंह, प्रो ज्ञानेन्द्र दूबे, डॉ अरूणजय कुमार सिंह, डॉ रामप्रसाद सिंह, प्रो अंजनी कुमार सिंह, प्रो सत्येन्द्र नारायण सिंह, प्रो कमल सेठ, प्रो सुब्रोतो घोष, प्रो अभिमन्यु कुमार सिंह, सुरेश कुमार, अजित कुमार, दीपक कुमार झा, विनोद कुमार सिंह सहित तमाम शिक्षक शिक्षिकेत्तर कर्मचारियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए बधाई दी है।

मांडू प्रखंड मुखिया संघ अध्यक्ष संजय ने कमेटी का किया विस्तार

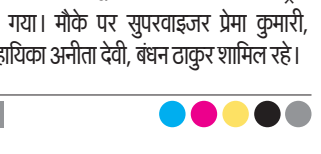

कुजू (आजाद सिपाही)। मांडू प्रखंड मुखिया संघ अध्यक्ष सह नावाडीह पंचायत मुखिया संजय प्रसाद ने गुरुवार को मुरपा स्थित पंजाबी ढाबा में बैठक कर मुखिया संघ प्रखंड कमेटी का विस्तार किया। बैठक में प्रखंड से जुड़े क्षेत्र के मुखियाओ को संघ में विभिन्न पदों के रूप में जिम्मेवारियां सौपी गयी। इस दौरान मुखिया संघ अध्यक्ष संजय प्रसाद ने घोषणा करते हुए राजेंद्र प्रसाद कुशवाहा को संरक्षक, राकेश कुमार मेहता उर्फ रॉक को सचिव, पूजा सिंह, रामसेवक महतो व बुलबुल कुमारी को उपाध्यक्ष, बैजनाथ राम व गुड़िया देवी को सहसचिव, गिरधारी महतो को कोषाध्यक्ष, जबकि सह कोषाध्यक्ष पद के रूप में राजेश्वर करमाली को संघ में शामिल किया गया। मौके पर संजय प्रसाद ने मनोनयन कमेटी सदस्यों से क्षेत्र का विकास में और कमेटी के प्रति इमानदारी पूर्वक सहयोग करने का आशा व्यक्त करते हुए बधाई दी।। जबकि मनोनयन सदस्यों ने भी अध्यक्ष को संघ में शामिल करने का आभार व्यक्त करते हुए विश्वास दिलाते हुए क्षेत्र का विकास करने सहित कमेटी के प्रति इमानदारी पूर्वक कार्य निर्वहन करने का वायदा किया। बैठक में जय कुमार ओझा उर्फ बुच बाबा, गीता देवी, अनीता देवी, करन बेदिया, विभा देवी, सावित्री यादव, ललन यादव, रणधीर सिंह, संजीत ठाकुर, मंतोष सिंह सहित प्रखंड के कई मुखिया मौजूद रहे।

वार्ड सदस्य मेघलाल ने बच्चों को पिलाया पोलियो का ड्रॉप

कुजू (आजाद सिपाही)। पोलियो उन्मूलन कार्यक्रम अभियान का शुभारंभ उप स्वास्थ्य केंद्र नया बाजार टांड कुजू और आंगनवाड़ी केंद्र रामानगर कुजू में किया गया। इस दौरान कुजू पश्चिमी पंचायत अंतर्गत वार्ड नंबर 3 के सदस्य मेघलाल राम द्वारा बच्चों को पोलियो का ड्राप पिलाकर अभियान का शुभारंभ किया गया। मौके पर सुपरवाइजर प्रेमा कुमारी, आंगनवाड़ी केंद्र की सेविका मंजू देवी, सहायिका अनीता देवी, बंधन ठाकुर शामिल रहे।

स्वास्थ्य पर खर्च बढ़े

यह खबर चिंता बढ़ाने वाली ही कही जायेगी कि देश में जीडीपी के अनुपात में स्वास्थ्य पर सरकारी खर्च बढ़ने के बजाय कम हो गया है। करीब डेढ़ दशक से बढ़ता चला आ रहा यह खर्च 2018-19 में घट कर 1.2 फीसदी पर आ गया। इससे ठीक पहले यानी 2017-18 में यह 1.3 फीसदी दर्ज किया गया था। यह बात नैशनल हेल्थ अकाउंट के ताजा आंकड़ों से सामने आयी है। यह बहुत गंभीर बात है। कोरोना महामारी के शुरू होने के बाद यह बात शिद्दत से महसूस की गयी थी कि सरकार को स्वास्थ्य पर खर्च बढ़ाना चाहिए। खैर, नेशनल हेल्थ अकाउंट के ताजा आंकड़ों से कई बातें साफ होती हैं। ये बताते हैं कि 2004-05 से लेकर 2018-19 तक की अवधि में स्वास्थ्य पर लोगों के अपनी जेब से किये जाने वाले खर्च में लगातार कमी दर्ज की गयी। जहां 2004-05 में यह कुल खर्च का 70 फीसदी होता था, 2018-19 में यह 48 फीसदी पर आ गया, लेकिन इसी अवधि में सरकार द्वारा स्वास्थ्य पर किया गया खर्च 22.5 फीसदी से बढ़ कर 40.6 फीसदी पर चला गया। साफ है कि जब सरकार स्वास्थ्य सेवाओं पर खर्च बढ़ाती है, तो लोगों को सस्ता इलाज मिलता है और उन्हें अपनी तरफ से स्वास्थ्य पर ज्यादा खर्च करने की जरूरत नहीं रहती। हालांकि इन आंकड़ों को लेकर यह भी ध्यान रखना चाहिए कि ये ज्यादातर राज्यों से जुड़े आंकड़ों का योग हैं, क्योंकि स्वास्थ्य आम तौर पर राज्य सूची के ही अंतर्गत आता है। राज्यों में जीएसडीपी के अनुपात में या औसतन प्रति व्यक्ति खर्च दोनों लिहाज से स्वास्थ्य पर सबसे ज्यादा सरकारी खर्च करने वाला राज्य हिमाचल प्रदेश रहा और सबसे ज्यादा व्यक्तिगत जेबों पर बोझ डालने वाला राज्य उत्तर प्रदेश। ये आंकड़े स्वास्थ्य सेवाओं के लिहाज से अन्य राज्यों की स्थिति के अलग-अलग पहलुओं पर भी रोशनी डालते हैं, लेकिन कुल मिला कर तस्वीर निराशाजनक ही है। शिक्षा और स्वास्थ्य ये दो क्षेत्र ऐसे हैं, जिनकी जिम्मेदारी से किसी भी लोक कल्याणकारी राज्य को मुक्त नहीं किया जा सकता। तमाम हेल्थ इंश्योरेंस स्कीमों का, प्राइवेट अस्पतालों के ढांचों का और निजी क्षेत्र के भारी-भरकम निवेश का चाहे जितना भी हवाला दिया जाये, सरकारी सेवाओं का एक बुनियादी ढांचा बेहतर स्थिति में मौजूद होना ही चाहिए, तभी प्राइवेट अस्पतालों पर भी बेहतर सेवा देने का एक हेल्दी प्रेशर बना रहता है। दुनिया भर में स्वास्थ्य पर सरकारी खर्च का मानक जीडीपी का 3 प्रतिशत माना जाता है। अपने यहां भी 2021 के आर्थिक सर्वे में स्वास्थ्य पर सरकारी खर्च बढ़ा कर जीडीपी के ढाई-तीन फीसदी तक लाने की सिफारिश की गयी थी। इसका टारगेट से इतना नीचे रहना चिंता की बात है। सरकार को इसे बढ़ाने के प्रयास तत्काल शुरू करने चाहिए।

2021 के आर्थिक सर्वे में स्वास्थ्य पर सरकारी खर्च बढ़ा कर जीडीपी के ढाई-तीन फीसदी तक लाने की सिफारिश की गयी थी। इसका टारगेट से इतना नीचे रहना चिंता की बात है। सरकार को इसे बढ़ाने के प्रयास तत्काल शुरू करने चाहिए।

अनादिकालीन भारतीय परंपरा में भी कर्तव्य अर्थात धर्म पर अधिक बल दिया गया है, क्योंकि इसके अनुसरण में ही दूसरों के अधिकार निहित हैं। उदाहरणस्वरूप, यदि शिक्षक अपना धर्म निष्ठा से निभाये, तो छात्र अधिकार सुरक्षित रहेंगे। हाल के वर्षों में मोदी सरकार ने अंतरराष्ट्रीय मानकों के साथ राजमार्गों का निर्माण किया है, तो स्वच्छता अभियान छेड़ा है।

कर्तव्य और अधिकार-एक सिक्के के दो पहलू

बलबीर पुंज

गत दिनों भारत दो सकारात्मक घटनाओं का साक्षी बना। इसमें पहला- दिल्ली स्थित ऐतिहासिक राजपथ का नाम कर्तव्यपथ करना, तो दूसरा- भारतीय नौसेना के देशज झंडे का अनावरण है। सच तो यह है कि इन दोनों को केवल मात्र परिवर्तन की संज्ञा से नहीं बांधा जा सकता। वास्तव में, यह उस सभ्यतागत-सांस्कृतिक संघर्ष का हिस्सा है, जिसमें बीते 8 वर्षों से मार्क्स-मैकॉले मानस बंधुओं, पराधीन मानसिकता के शिकार असंख्य लोगों और विभाजनकारी मानसिकता (जिहाद-इंजीलवाद सहित) के खिलाफ युद्ध लड़ा जा रहा है।

जब 8 सितंबर को सेंट्रल विस्टा परियोजना के अंतर्गत, एक हिस्से के नवीनीकरण के बाद राजपथ का नाम कर्तव्यपथ किया गया, तब समाज के एक वर्ग ने विकृत तथ्यों के आधार पर नैरेटिव (विमर्श) बनाने का प्रयास किया कि इसके माध्यम से प्रधानमंत्री मोदी, नागरिकों के प्रति सरकार को उत्तरदायित्व से मुक्त कर रहे है। क्या ऐसा है? वास्तव में, कोई भी व्यवस्था तभी सुचारू ढंग से काम कर सकती है, जब उसके सभी घटक अपने कर्तव्यों का पालन करें।

अंग्रेजों के भारत छोड़ने के बाद ही इन दूषित नैरेटिव में सुधार होना चाहिए था।

लोकतंत्र में सरकार और जनता को बांटने वाली रेखा बहुत धुंधली और अस्थिर होती है। जो आज सत्तारुढ़ है, वह कल साधारणजन बन सकते हैं। इसमें फर्श से अर्श और अर्श से फर्श की यात्रा अधिक लंबी नहीं होती। व्यवस्था को ठीक से चलाने के लिए यह आवश्यक है कि सरकार में बैठे लोग और जनता अपने-अपने कर्तव्य का निर्वहन ठीक से करें।

राजपथ के नये नामकरण के अवसर पर इंडिया गेट पर पांच दशकों से रिक्त कैनोपी (छत्र) में नेताजी की 28 फीट लंबी और 65 टन वजनी ग्रेनाइट प्रतिमा का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा उद्घाटन करना और कुछ माह पहले प्रधानमंत्री संग्रहालय का निर्माण-इस दिशा में भूल-सुधार का बड़ा प्रयास है।

अनादिकालीन भारतीय परंपरा में भी कर्तव्य अर्थात धर्म पर अधिक बल दिया गया है, क्योंकि इसके अनुसरण में ही दूसरों के अधिकार निहित हैं। उदाहरणस्वरूप, यदि शिक्षक अपना धर्म निष्ठा से निभाये, तो छात्र अधिकार सुरक्षित रहेंगे। हाल के वर्षों में मोदी सरकार ने अंतरराष्ट्रीय मानकों के साथ राजमार्गों का निर्माण किया है, तो स्वच्छता अभियान छेड़ा है।

अब यदि नागरिक सड़कों पर निर्धारित दिशा के उलट वाहन चलाए और कूड़ेदानों के बजाय कचरा बाहर फैंके (जोकि अक्सर होता भी है), तो क्या उससे अन्य लोगों के अधिकार सुरक्षित रहेंगे? संक्षेप में कहें, तो कर्तव्य और अधिकार एक सिक्के के दो पहलू हैं। संविधान में निहित एक नागरिक कर्तव्य के अनुसार, स्वतंत्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आंदोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखें और उनका पालन करें।

यह दुखद है कि वैचारिक, राजनीतिक और व्यक्तिगत कारणों से स्वाधीनता संग्राम में शामिल कई लोगों/संगठनों को इतिहास में गौण या फिर उनका दानवीकरण कर दिया गया है। नेताजी सुभाष चंद्र बोस, वीर सावरकर और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने इसका दंश सर्वाधिक झेला है। राजपथ के नये नामकरण के अवसर पर इंडिया गेट पर पांच दशकों से रिक्त कैनोपी (छत्र) में नेताजी की 28 फीट लंबी और 65 टन वजनी ग्रेनाइट प्रतिमा का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा उद्घाटन करना और कुछ माह पहले प्रधानमंत्री संग्रहालय का निर्माण-इस दिशा में भूल-सुधार का बड़ा प्रयास है।

इससे पहले कोच्चि में प्रधानमंत्री मोदी ने पहले स्वदेशी विमानवाहक पोत आइएनएस विक्रांत के साथ भारतीय नौसेना के नये प्रतीक-चिह्न का भी अनावरण किया था। जिस अष्टकोण रूपी नीले प्रतीक ने नौसेना के झंडे पर ब्रितानियों के पुराने मजहबी प्रतीक सेंट जॉर्ज क्रॉस का स्थान लिया है, उसका मुख्य स्रोत वीर शिरोमणि छत्रपति शिवाजी महाराज की नौसेना का प्रतीक-चिह्न है।

यदि वर्तमान भारत, जहां लोकतंत्र, बहुलतावाद और पंथनिरपेक्षता अब भी अक्षुण्ण है, तो वह शिवाजी के साथ असंख्य जाट-राजपूतों, साधु-संतों, सिख गुरु परंपरा और असंख्य वीर सेनानियों-मंगल पांडे, रानी लक्ष्मीबाई, तांत्या टोपे, नाना साहिब, वीर सावरकर, गांधी जी, नेताजी, भगत सिंह, डॉ केशव बलिराम हेडगेवार, सरदार पटेल, पंडत नेहरू, रासबिहारी बोस, डॉ अंबेडकर, डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी आदि के त्याग-समर्पण के कारण ही संभव हुआ है।

जिस प्रकार समाज का एक वर्ग अपने वास्तविक नायकों और अपनी सांस्कृतिक पहचान के प्रति हीन-भावना का शिकार है, वह स्वतंत्र भारत के उस वर्तमान नैरेटिव की देन है, जिसे ब्रितानियों ने अपने शासन को देश में शाश्वत बनाने हेतु जन्म दिया था। जब ब्रिटिश भारत आये, तो यहां भारतीयों का एक वर्ग इस्लामी शासन की शारीरिक गुलामी से जकड़ा हुआ था, परंतु वे मुस्लिम आक्रांताओं को मानसिक रूप से स्वयं पर हावी नहीं होने देते थे। पराधीन रहते हुए भी उन्हें अपने स्वाभिमान और मौलिक पहचान पर गर्व था।

चूंकि कुटिल आक्रमणकारी ब्रिटिश अपना साम्राज्य चिरंजीवी बनाना चाहते थे, इसलिए उन्होंने चर्च की व्हाइट मैन बर्डन मानसिकता से ग्रसित होकर शारीरिक गुलामी से जकड़े भारतीयों को बौद्धिक रूप से पंगु बनाने की योजना पर काम प्रारंभ किया। इसके लिए उन्होंने झूठे आर्य आक्रमण सिद्धांत सहित कई नैरेटिव को गढ़ा।

अंग्रेजों के भारत छोड़ने के बाद ही इन दूषित नैरेटिव में सुधार होना चाहिए था। किंतु ऐसा नहीं हुआ। वैचारिक कारणों से भारत-हिंदू विरोधी वामपंथियों ने इस चिंतन को अपने एजेंडे के अनुकूल मानते हुए तत्कालीन भारतीय नेतृत्व, जो सोवियत संघ के वाम-समाजवाद से प्रभावित था- उसके आशीर्वाद से आगे बढ़ाया। यह उसी नैरेटिव का ही चमत्कार है कि जिन इस्लामी आक्रांताओं और उसके मानस बंधुओं ने भारत की सनातन संस्कृति को मिटाने का असफल प्रयास किया, उन्हें खंडित भारत में नायक का दर्जा दे दिया गया। यह स्थिति तब है, जब भारत-हिंदू विरोधी चिंतन का मूर्त रूप पाकिस्तान भी उन लोगों को अपना प्रेरणास्रोत मानता है।

जमशेदपुर की खबरें

जुगसलाई विधानसभा क्षेत्र में ग्रामीणों की समस्याओं पर विधायक गंभीर

बैठक कर समाधान के लिए दिये आश्वासन

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। जुगसलाई विधानसभा क्षेत्र में जन समस्याओं को लेकर जुगसलाई विधायक मंगल कालिंदी काफी गंभीर है। शुक्रवार को विधायक मंगल कालिंदी ने ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र का दौरा कर स्थानीय समस्याओं से अवगत हुए। बैठक के दौरान विधायक ने ग्रामीणों की समस्याओं का निराकरण कर प्रयास शुरू करने का आश्वासन दिया। शुक्रवार को विधायक ने विधानसभा क्षेत्र के खकरीपाड़ा पहुंचे। जहां ग्राम पंचायत भवन में स्थानीय ग्रामीणों के साथ बैठक कर उनकी विभिन्न समस्याओं से अवगत हुए। कुछ महिलाओं ने वृद्धा पेंशन के लिए आवेदन नहीं दे पाने की जानकारी दी। विधायक ने खुद सामने बैठकर सभी से आवेदन लिखवा कर जमा करवाया। बैठक में ग्रामीणों ने जर्जर सड़क की परेशानी से अवगत कराया। विधायक ने संज्ञान में लेकर मौके पर ही कार्यकताओं के साथ उक्त स्थल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कसकम गोड़ा बैजनाथडीह चौक से बैजनाथडीह ग्राम, शांतिपुर, बधाई घाट होते हुए खैरबनी फाटक तक और बबनीडीह चौक से मोकरो किस्कू के घर होते हुए निवारण मुर्मू के घर तक 5 किलो मीटर पथ निर्माण के लिए सड़क का नापी करवाया। विधायक ने स्थानीय ग्रामीणों को जल्द से जल्द सड़क निर्माण का आश्वासन दिया। विधायक ने कहा बहुत जल्द ही सभी समस्याओं का समाधान किया जायेगा। उन्होंने बताया ग्रामीणों की समस्या दूर करना ही पहली प्राथमिकता है। उन्होंने कहा हेंमत सरकार की कार्यकाल में झारखंड के खास कर जुगसलाई विधानसभा क्षेत्र का विकास की गति रफ्तार में पकड लिया है। राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में हर गांव में विकास की गंगा बहाने का प्रयास किया जा रहा है। ग्रामीणों की मांग पर हेमंत सरकार के द्वारा कई महत्वपूर्ण योजना को ग्रामीणों तक लाभ पहुंचाने के लिए चलाया जा रहा है। गांव के अंतिम व्यक्ति तक सरकारी योजना पहुंचाने के लिए झामुमो संकल्पित है। आने वाले दिनों में जुगसलाई विधानसभा के रूप रेखा बदला हुआ नजर आयेगा। उन्होंने कहा पूरा जुगसलाई विधानसभा क्षेत्र की विकास करने का संकल्प लेकर आगे बढ़ रहे हैं। इसके लिए जनता का समर्थन जरूरी है। उन्होंने बताया ग्रामीण क्षेत्र के युवा आगे आये ताकि संगठन को मजबूत करते हुए विकास की गंगा बहा सके।

मौके पर ये रहे मौजूद

मौके पर खाकड़ीपाड़ा पंचायत के पूर्व मुखिया घासीराम बारदा, ग्राम प्रधान कृष्णा माझी, शंकर दास, रजनी दास, आलोक भकत, सागर महतो, असित गोप, राजा मार्डी, बुधेश्वर कर्मकार, आलोक भकत, कार्तिक हो के आलावे सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित रहे।

1932 का खतियान प्रस्ताव पारित होने पर झामुमो नेताओं ने किया लड्डू का वितरण

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। झारखंड में राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के पहल पर 1932 का खतियान लागू करने, 27% ओबीसी,एसटी को 28% एवं एससी को 12% आरक्षण देने का प्रस्ताव पारित करने के खुशी मनायी गयी। गुरुवार को गधड़ा चौक में झामुमो नेताओं के लड्डू वितरण कर खुशी का इजहार किया। मौके पर झामुमो आंदोलनकारी नेता जेना जामुदा, झारखंड मजदूर यूनियन केंद्रीय सचिव सह झामुमो नेता राजेश सामंत, ग्राम प्रधान सुकलाल हेमरोम, अमित दास, मनोज दास, छोटे सरदार, आनंद पीटर तिर्की, लिली हेमब्रम, कृष्णा दास, राजेश मुंडा, मंगल शर्मा, विजय पूर्ति, बीर सिंह पात्रों, गुरबा भूमिज, अनूप दास, बिश्वजीत दास, संजय गिरी, रघुनाथ पांडे, विश्वरूप पात्रों ने सड़क से गुजरने वाले ग्रामीणों के बीच लड्डू बांट कर खुशी मनायी। मौके पर सैकड़ों ग्रामीण शामिल रहे। सभी ने झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की सरकार को बधाई दी।

टाटानगर सत्संग विहार के प्रभारी रहे स्वर्गीय मोहनलाल अग्रवाल की आत्मा की शांति के लिए गुरुभाइयों ने दी श्रद्धांजलि

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। टाटानगर सत्संग विहार के बीते 20 वर्ष से प्रभारी रहे मोहनलाल अग्रवाल का बीते दिनों साकची स्थित आवास में स्वर्गवास हो गया। शुक्रवार को मंदिर प्रांगण में सभी गुरुभाइयों ने उनकी आत्मा की शांति के लिए शोक सभा का आयोजन किया। शोक सभा में मंदिर के प्रभारी स्व० मोहनलाल अग्रवाल के दिवंगत आत्मा की शांति के लिए 2 मिनट का मौन रखा गया। मौके पर अनेकों श्रीश्री ठाकुर अनुकूल चन्द्र जी के भक्तजनों उपस्थित होकर उनके चित्र के समक्ष श्रद्धा सुमन अर्पित की। मौके पर रित्तिक राजू शरण ने बताया मिली जानकारी के अनुसार स्व. मोहनलाल अग्रवाल 1974 साल में परम प्रेममय श्रीश्री ठाकुर अनुकूल चंद्र जी के दीक्षा देवघर मंदिर में जाकर ग्रहण किए थे। शुरू से ही वे सत्संग के सक्रिय सदस्य रहे हैं। विगत बीस वर्षो से भी अधिक वे टाटानगर सत्संग विहार के प्रभारी रहे। उन्होने विगत 8 सितंबर को लगभग 88 वर्ष की उम्र में शरीर को त्याग परलोक सिधार गये। वे एक अति मधुर भाषी एवं आकर्षक व्यक्तित्व के धनी थे। ऐसे अनेकों व्यक्ति सत्संग में है जिन्होंने अपना जीवन का मार्ग से भटक गए थे, उनके संपर्क में आकर ठाकुर जी की दीक्षा ग्रहण कर आज शांतिमय, सुखमय एवं उन्नति शील जीवन व्यतीत कर रहे हैं। उन्होंने कहा अचानक उनका देहांत हो जाने से सभी गुरु भाई काफी आहत है। लेकिन संसार का नियम के अनुसार आना जाना लगा रहता है। इस कठिन घड़ी में परमपिता उनकी शोकाकुल परिवार को आत्मीय शक्ति प्रदान करें। ताकि वे इस कठिन घड़ी को सहन कर सके। उन्होंने बताया शुक्रवार को सभी गुरु भाई एकत्रित होकर मंदिर के अभिभावक स्वरूप स्वर्गीय मोहनलाल अग्रवाल के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धा पूर्वक श्रद्धांजलि दी।

शोक सभा में ये रहे शामिल

शोक सभा में सत्संग विहार टाटानगर के एसपीआर भास्कर शरण, एसपीआर विनोद साव, एसपीआर आनंद कुमार, राधे मुनका, डीके मिश्रा, कृष्णा प्रसाद,कार्तिक चंद्र दास, राजा सिंह, दुगार्नंद झा, हरे कृष्णा महतो, जुगल किशोर साव, विशन दास, राजेंद्र मिस्त्री,सुबोध पोद्दार, अभिजीत अधरजी, विवेक सोनी, सोनू रजक के अलावे काफी संख्या में सत्संगी शामिल रहे।

सूर्यसिंह बेसरा ने स्थानीय नीति पर हेमंत सोरेन सरकार के फैसले का किया स्वागत

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। पूर्व विधायक सूर्य सिंह बेसरा ने 1932 के आधारित स्थानीय नीति और ओबीसी को दिए गए 27 प्रतिशत आरक्षण के कैबिनेट के फैसला का स्वागत किया। शुक्रवार को पूर्व विधायक सुरेश सिंह बेसरा ने झारखंड में हेमंत सरकार को बधाई दी। उन्होंने बताया पूर्व में 1932 का खतियान और 27% आरक्षण नीति लागू करने की मांग की गई थी। लेकिन पूरे झारखंड में 1932 का खतियान लागू होना मुश्किल है। उन्होंने सभी जिले के अंतिम सर्वे के आधार पर ही स्थानीय नीति लागू करने का सुझाव दी। उन्होंने कहा कोल्हान में 1964 में अंतिम सर्वे हुआ था। जिसके आधार पर स्थानीय नीति में बदलाव होने चाहिए। उन्होंने बताया आंध्र प्रदेश के अनुसार विशेष प्रबंध अनुच्छेद 371 के अनुसार स्थानीय नीति बननी चाहिए। जिस पर राष्ट्रपति का मुहर लगने के बाद ही संभव हो पाएगी। उन्होंने कहा इसके लिए बहुत सारी कानूनी प्रक्रिया में गुजारना पड़ेगा। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर 50% आरक्षण मिल सकती है। उन्होंने बताया एसटी एससी ओबीसी को 77% आरक्षण के लिए सरकार को सिड्यूल 9 लोकसभा और राज्यसभा से पास कराना होगा। लेकिन केंद्र में भाजपा की सरकार है। इसके लिए एक वैकल्पिक तैयार किया गया है। जिसे राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को 2 दिनों के अंदर सौंपा जाएगा। उन्होंने हेमंत सोरेन की सरकार के फैसले को बधाई देते हुए झारखंड की जनता के लिए फैसले का स्वागत किया।

राहत : गढ़वा की चिरप्रतीक्षित मांग हुई पूरी, ट्रैफिक से मिलेगी मुक्ति

191 करोड़ की लागत से होगा तीन सड़कों का निर्माण

गढ़वा-चिनिया, रंका-रमकंडा व रमना- विशुनपुरा-मंझियांव पथ के लिए झारखंड सरकार के कैबिनेट से मिली स्वीकृति

आजाद सिपाही संवाददाता

जीर्ण शीर्ण व संकीर्ण गढ़वा-चिनिया रोड

गढ़वा। गढ़वा की चिर प्रतिक्षित मांग पूरी हो गई है। 191 करोड़ की लागत से जिले की तीन सड़कों का चौड़ीकरण व मजबूती करण कार्य किया जाएगा। झारखंड सरकार ने कैबिनेट में इसकी स्वीकृति प्रदान कर दी है। इन सड़कों में गढ़वा-चिनिया, रंका-रमकंडा व रमना-विशुनपुरा-मंझियांव पथ शामिल है। करीब 75 किलोमीटर लंबी इन सड़कों का निर्माण पथ निर्माण विभाग झारखंड करायेगा। अब ये सड़केंं डबल लेन अर्थात सात मीटर चौड़ी बनेंगी। फिलहाल इनकी चौड़ाई 3.75 मीटर है।

जानकारी देते हुए गढ़वा विधायक झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर ने बताया कि उक्त सड़कों की चौड़ाई काफी कम होने के कारण हमेशा ट्रैफिक जाम की स्थिति बनी रहती है। साथ ही अक्सर दुर्घटना भी होती रहती है। इन क्षेत्रों के ग्रामीणों की लंबे समय से इन सड़कों के चौड़ीकरण की मांग की जा रही थी। उन्होंने दृढ़ता से इस मांग को मुख्यमंत्री के समक्ष रखा। मुख्यमंत्री ने इसे कैबिनेट से स्वीकृति प्रदान कर दी। मंत्री ने बताया कि गढ़वा-चिनिया पथ 26.3 किमी 70 करोड़, 24 लाख, एक हजार 300 रुपये, रंका-रमकंडा पथ 20.95 किमी 65 करोड़, 77 लाख, 86 हजार, 500 रुपये तथा रमना- विशुनपुरा-मांझियाव पथ 29.3 किमी का 55 करोड़, 26 लाख, 90 हजार, 500 रुपये से चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण किया जाएगा। अब जल्द ही निविदा की प्रक्रिया पूर्ण कर कार्य आरंभ किया जायेगा।

मंत्री ने कहा कि इन तीनों पथों पर ट्रैफिक का भार काफी बढ़ने सहित पथ की स्थिति भी काफी जीर्ण-शीर्ण हो गई थी। आज उन क्षेत्र के लोगों की पूरी करते हुए काफी सुकून की अनुभूति हो रही है। उन्होंने कहा कि इन पथों के निर्माण के उपरांत गढ़वा से चिनिया और रंका से रमकंडा पहुंचने में 20 मिनट से अधिक का समय नहीं लगेगा तथा इन पथों के दोनों ओर बसे गांवों की आर्थिकी भी बदलेगी। गढ़वा-चिनिया पथ एनएच 75 गढ़वा से शुरू होकर मुख्य रूप से कल्याणपुर, चामा, पेसका, गेरुआसोती, कोलदह, तसरार, कपराठ, सोती व चिनिया प्रखंड मुख्यालय से साढ़े पांच मीटर चौड़ी पीडब्ल्यूडी सड़क को जोड़ते हुए रंका अनुमंडल के विभिन्न सुदूरवर्ती आदिवासी व नक्सल प्रभावित गांव से होते हुए रंका अनुमंडल मुख्यालय में एनएच 343 को जोड़ेगा। जबकि रंका-रमकंडा पथ रंका अनुमंडल मुख्यालय के एनएच 343 से शुरू होकर मुख्य रूप से रंका, लिदीकंडा, मानपुर, मतौली, पूरेगाड़ा, चटकमान, केरवा, रमकंडा सहित अन्य आदिवासी व नक्सल प्रभावित गांव से होते हुए हुए पलामू जिला के चैनपुर प्रखंड को जोड़ेगा। इन सड़कों को छत्तीसगढ़ व उत्तर प्रदेश की सीमा से जुड़ने के कारण गढ़वा जिला मुख्यालय से छत्तीसगढ़ व उत्तर प्रदेश की दूरी भी काफी कम हो जाएगी।

मंत्री श्री ठाकुर ने कहा कि रमना, बिशुनपूरा व मंझियाव भी तीव्र गति से सड़कों से आच्छादित होंगे। गढ़वा ज़िले में जिस गति से सड़कों का निर्माण हो रहा है, अब वह दिन दूर नहीं कि हर प्रखंड, पंचायत और गांव अच्छी सड़कों से जुड़ जायेंगे। प्रत्येक गांव की सड़क पीडबल्यूडी सड़क से जुड़ जाए ऐसा हमारा ऐक्शन प्लान है। इन सड़कों की कैबिनेट से मंजूरी प्रदान करने के लिए मंत्री श्री ठाकुर ने गढ़वा की जनता की ओर से मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उन्हें धन्यवाद दिया है।

गढ़वा के आठ प्रखंडों में बनेगा पदाधिकारियों व कर्मियों का आवास

पदाधिकारियों, कर्मियों को प्रखंड मुख्यालय में रहना होगा अनिवार्य, जनहित के लिए प्रतिबद्ध है झारखंड सरकार : मिथिलेश ठाकुर

गढ़वा (आजाद सिपाही)। गढ़वा जिला के आठ प्रखंडों सहित राज्य के कुल 86 प्रखंडों में पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए आवास का निर्माण किया जाएगा। करीब साढ़े पांच करोड़ रुपए प्रति प्रखंड की लागत से बनने वाले इन भवनों के निर्माण के लिए झारखंड कैबिनेट ने 468 करोड़ रुपए की स्वीकृति प्रदान कर दी है। जानकारी देते हुए गढ़वा विधायक झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर ने बताया कि गढ़वा ज़िले में गढ़वा सदर, मेराल, मंझियाव, बड़गड़ डंडई, श्री बंशीधर नगर, भवनाथपुर एवं रमना प्रखंड मुख्यालय में इन आवासीय भवनों का निर्माण होगा। मंत्री ने कहा कि भवन निर्माण के के बाद पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रखंड परिसर में ही रहना अनिवार्य होगा। झारखंड सरकार जनहित के कार्यों के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन आम जनता को अधिक से अधिक सुविधा पहुंचाने के लिए काफी गंभीर हैं। इसका उदाहरण नित प्रतिदिन नए नए लोक कल्याणकारी निर्णयों के रूप में देखा जा सकता है। मंत्री श्री ठाकुर ने कहा कि अब आम जनों को पदाधिकारियों को खोजने के लिए कहीं भटकना नहीं पड़ेगा। सभी पदाधिकारी व कर्मी प्रखंड मुख्यालय में ही निवास करेंगे। जिससे जनहित के कार्यों को निपटाने में काफी सहूलियत होगी।

कैबिनेट के निर्णय पर झामुमो ने मनाया जश्न

नेताओं ने कहा झारखंड की जनभावनाओं के अनुरूप कार्य कर रही हेमंत सरकार

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। झारखंड मुक्ति मोर्चा गढ़वा इकाई के कार्यकर्ता एवं पदाधिकारियों ने गढ़वा गोविंद उच्च विद्यालय के मैदान से चिनिया मोड़, रंका मोड़, मेन रोड होते हुए मझिआंव मोड़ तक गाजे बाजे के साथ जुलूस निकालकर जश्न मनाया।

झामुमो नेताओं ने कहा कि झारखंड की हेमंत सरकार जनभावनाओं के अनुरूप काम कर रही है। कैबिनेट में 1932 की खतियान और 27% ओबीसी आरक्षण पारित होने की खुशी में झामुमो नेताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर और अबीर गुलाल लगाकर जश्न मनाया। इस जश्न यात्रा में करीब 1000 नेता कार्यकर्ता शामिल हुए।

जिला अध्यक्ष तनवीर आलम, सचिव मनोज ठाकुर, जिला परिषद उपाध्यक्ष सत्य नारायण यादव, बीस सूत्री उपाध्यक्ष नितेश सिंह, महिला मोर्चा अध्यक्ष अंजली गुप्ता, सचिव चंदा देवी, प्रवक्ता रजनीगंधा देवी, केंद्रीय समिति सदस्य अनीता दत्त, सभी प्रखंड के प्रखंड अध्यक्ष-सचिव, सभी प्रखंड के बीस सूत्री अध्यक्ष-उपाध्यक्ष, सभी विभाग के विधायक प्रतिनिधिगण, महिला मोर्चा, युवा मोर्चा, अल्पसंख्यक मोर्चा, एवं सभी प्रखंड के कार्यकर्ता मौजूद थे।

केतार में महागठबंधन के नेताओं एवं समर्थकों ने निकाला विजय जुलूस

केतार (आजाद सिपाही)। झारखंड में 1932 का खतियान लागू करने एवं पिछड़ों को 27% आरक्षण पर मुहर लगने से केतार बाजार स्थित अंबेडकर चौक से लेकर कर्पूरी गेट तक महागठबंधन के नेताओं एवं समर्थकों ने विजय जुलूस निकाला। इस अवसर पर एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर जमकर पटाखे फोड़े एवं मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को बधाइयां दी। समाजसेवी सह जेएमएम नेता अजय वर्मा ने कहा कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन का सपना 1932 का खतियान लागू करने एवं पिछड़ों को 27% आरक्षण देने का पूरा हुआ। आज झारखंड के लिए काफी खुशी का दिन है। प्रदेश वासियों के लिए आज का दिन स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाएगा। झामुमो नेता कामेश्वर सिंह, अजय वर्मा, सुरेश कुमार, श्रीराम सिंह, 20 सूत्री सदस्य छोटन कुमार सिंह, पंचायत अध्यक्ष मनोरंजन प्रसाद गुप्ता, रामविचार साह, शिव कुमार सिंह, प्रमुख पति सुरेंद्र प्रसाद, उदय प्रसाद, पांचाडूमर मुखिया श्यामसुंदर बैठा सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

सेवा कार्यक्रम के तहत 17 सितंबर को होगा महारक्तदान शिविर का आयोजन : रितेश चौबे

गढ़वा (आजाद सिपाही)। भाजयुमो जिला कार्यालय गढ़वा में मीडिया को संबोधित करते हुए भाजयुमो जिलाध्यक्ष रितेश चौबे ने कहा कि सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम 17 सितम्बर से शुरू होगा। 17 सितम्बर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर महारक्तदान शिविर का आयोजन ब्लड बैंक सदर अस्पताल गढ़वा में किया गया है। उक्त कार्यक्रम में जिले भर से भाजपा कार्यकर्ता समाजिक संगठनों के कार्यकर्ता शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम 17 सितम्बर से शुरू एवं 2 अक्टूबर को समापन होगा। इस दौरान पौधरोपण, स्वास्थ्य शिविर, रक्तदान, पुस्तक विमोचन, महापुरुषों की प्रतिमा पर स्वच्छता अभियान जैसे अनेकों कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। महारक्तदान कार्यक्रम के दौरान ब्लड डायरेक्ट्री भी बनायी जाएगी। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा पूरे जिले भर से दो हजार कार्यकर्ताओं का ब्लड ग्रुप के साथ डायरेक्ट्री बनायी जाएगी। उन्होंने कहा कि भाजयुमो कार्यकर्ताओं द्वारा मंडल से लेकर बूथ स्तर तक पौधरोपण कार्यक्रम किया जाएगा। मौके पर मुख्य रूप से भाजयुमो जिला महामंत्री विकास तिवारी जिला मीडिया प्रभारी लक्ष्मीकांत पाण्डेय, नवीन जायसवाल, ओमप्रकाश पासवान सहित अन्य कई लोग मौजूद थे।

मॉर्निंग वॉक पर निकले अधेड़ की बाइक सवार तीन अपराधियों ने गला रेत कर की हत्या

बंशीधर नगर (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र के जंगीपुर में एक दिल दहला देने वाली घटना हुई है। बाइक सवार तीन अज्ञात अपराधियों ने सुबह टहलने के लिए निकले जंगीपुर निवासी लभग 72 वर्षीय दसु मेहता की गला काटकर हत्या कर दी। घटना जंगीपुर स्टेशन रोड में अहले सुबह साढ़े 4 बजे की बतायी जा रही है। समाचार के अनुसार दसू मेहता चाय पीकर टहलने स्टेशन की ओर जा रहे थे। तभी अचानक एक बाइक पर तीन लोग सवार होकर आये और चाकू से उनका गला काट दिया। साथ ही शरीर के कई जगहों पर चाकू से प्रहार किया। इधर घटना के बाद मृतक के शव के साथ स्थानीय लोगों ने हत्यारों को गिरफ्तार करने की मांग करते हुए एनएच 75 को जाम कर दिया। लभाग आधे घंटे बाद एसडीपीओ प्रमोद कुमार केसरी के आश्वासन के बाद स्थानीय लोगों ने सड़क से जाम हटाया। बाद में पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए गढ़वा भेज दिया है। एसडीपीओ ने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है। अपराधी अतिशीघ्र पकड़े जाएंगे।

भूमंडलीकरण के दौर में अंग्रेजी व हिंदी के बीच प्रतिस्पर्द्धा है : केएन पांडेय

सृजन साहित्यिक मंच ने हिंदी की दशा व दिशा पर परिचर्चा सह संगोष्ठी का किया आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। सृजन साहित्यिक मंच द्वारा हिंदी दिवस के अवसर पर बुधवार की शाम स्थानीय मेलोडी मंडप में हिंदी की दशा व दिशा पर परिचर्चा सह संगोष्ठी का आयोजन किया गया। देर रात तक चले इस साहित्यिक संगोष्ठी में उपस्थित साहित्यकारों एवं बुद्धिजीवियों ने हिंदी की स्थिति पर अपने उदगार व्यक्त किये। कई रचनाकारों ने काव्य पाठ कर अपनी भावनाओं की प्रस्तुति की। कार्यक्रम का उदघाटन मुख्य अतिथि स्थायी लोक अदालत के अध्यक्ष केएन पांडेय, वरिष्ठ साहित्यकार सुरेंद्र कुमार मिश्र, पातंजलि योग समिति के राज्य सह प्रभारी रासबिहारी तिवारी, कवियित्री पूनमश्री आदि ने संयुक्त रूप से दीप जलाकर एवं मां सरस्वती के चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया। कार्यक्रम की शुरुआत पूनमश्री ने हिंद देश के वासी हैं हम, हिंदी अपनी भाषा है... शीर्षक पंक्ति की प्रस्तुति कर वातावरण बनाने का काम किया। इसको आगे बढ़ाया सेवानिवृत अधिकारी अजय शुक्ला ने 'हिंदी है मेरे देश की विंदिया भारत की पहचान, हिंदी को अपनाकर ही भारत बने महान...' प्रस्तुत कर हिंदी के महत्व को रेखांकित किया। युवा रचनाकार प्रमोद कुमार ने 'है जन्मभूमि भारत मेरी, यह सोच के मैं इतराता हूं...' की सस्वर प्रस्तुति कर श्रोताओं की खूब तालियां बटोरीं। मुख्य अतिथि केएन पांडेय ने वर्ष 1949 इस्वी से लेकर आजतक की हिंदी की स्थिति पर विस्तार से चर्चा करते हुये कहा कि भूमंडलीकरण के इस दौर में अंग्रेजी से हिंदी की प्रतिस्पर्द्धा है। इसलिये हिंदी और अंग्रेजी का समन्वय जरूरी है। इस दौरान उन्होंने प्राचीन काल से आधुनिक काल तक के कवियों की पंक्तियों को उद्धृत करते हुये कई प्रसंगों का उल्लेख किया। साहित्यकार सुरेंद्र कुमार मिश्र ने कहा कि यह दुर्भाग्य है कि हिंदी वर्ष 1949 से लेकर आजतक गली-गली अपनी स्थिति पर आंसू बहाते आ रही है। इसके बावजूद हिंदी एक समावेशी साहित्य है। हिंदी भाषियों की संख्या भले ही कम हो, पर गुणवत्ता ज्यादा है. रासबिहारी तिवारी ने हिंदी हूं, माथे की विंदी हूं...प्रस्तुत किया। मंच के सचिव सतीश कुमार मिश्र ने सृजन साहित्यिक मंच की गतिविधि पर प्रकाश डालते हुये कहा कि अपने स्थापना काल से ही उनका मंच हिंदी दिवस पर लगातार कार्यक्रम करते आ रहा है। आगे भी निरंतर कार्यक्रम की रूपरेखा बनायी गयी है। कार्यक्रम में टेंडर हर्ट के निदेशक एसएन पाठक, पातंजलि योग समिति के जिला प्रभारी नागेंद्र तिवारी, अधिवक्ता राकेश शुक्ला, समाजसेवी रामाशंकर चौबे, मॉडल इफैंट के प्राचार्य शशिशेखर गुप्ता, संस्कार भारती के प्रदेश मंत्री नीरज श्रीधर, पूर्व मुखिया सुनील सिंह आदि ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम की अध्यक्षता व संचालन अध्यक्ष विनोद पाठक ने तथा धन्यवाद ज्ञापन मीडिया प्रभारी दयाशंकर गुप्ता ने किया।

इस मौके पर संस्कार भारती के जिलाध्यक्ष शंभू तिवारी, जायन्ट्स सहेली की किरण गुप्ता, अनिता गुप्ता सहित कई लोग उपस्थित थे।

नाबालिग लड़की को भगाकर लाने का आरोपी गिरफ्तार

रंका (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र के बाहाहारा पंचायत के निवासी देवलाल भुईयां को नाबालिग लड़की भगाकर लाने के आरोप में रंका थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर गढ़वा जेल भेज दिया है। देवलाल भुईयां जमशेदपुर में ड्राईवरी का काम करता था। उसी दौरान वहां से लड़की को बहला फुसलाकर कर अपने घर ले आया था। जिसके खिलाफ लड़की के घर वालों ने लड़की को बहला फुसलाकर भगाने का केस किया था।

उपायुक्त का कार्यालय, कोडरमा।
(कल्याण शाखा)

सूचना
वित्तीय वर्ष 2021–22 में पोस्ट–मेट्रिक छात्रवृत्ति भुगतान से संबधित आवश्यक सूचना

पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति हेतु वित्तीय वर्ष 2021–22 के लिए अनुसूचित जनजाति अनसूचित जाति, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग, झारखण्ड सरकार के Ekalyan(ekalyan.cgg.gov.in) पोर्टल पर कोडरमा जिला अन्तर्गत जिन छात्र–छात्राओं का ऑनलाईन आवेदन का Status" Approved by DA Officer" है वे आवेदन में दिये गये आधार संख्या को अपने बैंक खाता के साथ दिनांक 24.09.2022 तक निश्चित रूप से लिंक करा लें। कुछ आवेदन से संबधित आधार Inactive होने के कारण भी भुगतान नहीं हो पा रहा है। ऐसे आवेदक अपना आधार को दिनांक 24.09.2022 तक Active करा लें। **ज्ञात हो कि पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति का भुगतान PFMS के माध्यम से Aadhar Enabled DBT द्वारा ही करने का विभागीय निदेश प्राप्त है।**

उक्त तिथि के प्रश्चात Mapping करने वाले छात्रों को वर्ष 2021–22 के छात्रवृत्ति राशि का भुगतान करना सम्भव नहीं होगा, जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेवारी आवेदक की होगी। आधार लिंक एवं NPCI में Mapping की जानकारी आधार की वेबसाईट uidai.gov.in

जिला कल्याण पदाधिकारी,
कोडरमा

PR 277880 (Welfare) 22-23 (D)

झारखण्ड सरकार
उपायुक्त का कार्यालय, कोडरमा।
(कल्याण शाखा)

अल्पसंख्यक छात्रवृत्ति वर्ष 2022–23 हेतु आवश्यक सूचना
(प्री–मैट्रिक पोस्ट मैट्रिक एवं मेरिट–कम–मिन्स)

अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के पत्रांक-SS-15/4/2021-Scholarship MOMA दिनांक–20.07.2022 के आलोक में राज्य के सभी विद्यालय/महाविद्यालय/आई०टी०आई०/विश्वविद्यालय /अन्य शिक्षण संस्थान (जहाँ अल्पसंख्यक गरीब छात्र/छात्राएं अध्ययनरत् है) के प्रधानाध्यापक/प्राचार्य/अल्पसंख्यक छात्रवृति हेतु प्राधिकृत नोडल पदाधिकारी को सूचित किया जाता है कि अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा संचालित अल्पसंख्यक छात्रवृत्ति यथा–प्री–मैट्रिक, पोस्ट मैट्रिक तथा मेरिट–कम–मेन्स छात्रवृत्ति 2022–23 हेतु राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल (NSP) वेबसाईट–www.scholarships.gov.in (इस साईट का लिंक www.minorityaffairs.gov.in पर भी उपलब्ध है) या मोबईल ऐप–National Scholarship (NSP) पर छात्रवृत्ति योजनाओं में से किसी एक के लिए ऑनलाईन आवेदन कर सकते है। अल्पसंख्यक छात्रवृत्ति हेतु निम्नांकित तिथि तक ऑनलाईन आवेदन आवेदित किया जा सकता है।

समय सीमा :–

OPENING OF PORTAL	20 JULY 2022	
छात्रों द्वारा नई छात्रवृत्ति (पहली बार आवेदक) तथा नवीकरण छात्रवृत्ति (वह आवेदक जिसने 2021 – 22 के दौरान छात्रवृत्ति प्राप्त की) हेतु ऑनलाईन आवेदन प्रस्तुत करने का अंतिम तारीख	प्री–मैट्रिक छात्रवृत्ति	30 सितम्बर 2022
	बेगम हजरत महल छात्रवृत्ति	30 सितम्बर 2022
	पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति	31 अक्टूबर 2022
	मैरिट–कम–मेन्स छात्रवृत्ति	31 अक्टूबर 2022

पात्रता:–
- आवेदक छः अधिसूचित अल्पसंख्यक समुदायों (जैन, बौद्ध, सिक्ख, पारसी, मुस्लिम, ईसाई) का विद्यार्थी हो।
- वह भारत में सरकारी या निजी विश्वविद्यालयों/संस्थानों/महाविद्यालयों/विद्यालयों में अध्ययन कर रहा हो।
- अध्ययन किया जा रहा पाठ्यक्रम न्यूनतम एक वर्ष की अवधि का हो।
- आवेदक ने पिछले वार्षिक कोई/कक्षा की परीक्षा में 50% अंक प्राप्त किए हो।

निर्देश :–
- ऑनलाईन आवेदन भरने के लिए विस्तृत "निर्देश" और बार–बार पूछे जाने वाले प्रश्न (एफएक्यू) राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल के होम पेज पर उपलब्ध है।
- आवेदक को परामर्श दिया जाता है कि केवल वहीं बैंक खाता विवरण दें जो सक्रिय मोड में है या बैंक के निर्देशों के अनुसार हो ताकि छात्रवृत्ति का भुगतान विफल न हो।

विश्वविद्यालयों/संस्थानों/महाविद्यालयों/विद्यालयों के लिए :–
- सभी विश्वविद्यालयों/संस्थानों/महाविद्यालयों/विद्यालयों, जहाँ कोई अल्पसंख्यक छात्र/छात्रा पढ़ रहे हैं, वे राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल पर स्वयं को पंजीकृत कर अपने इंस्टिट्यूट नोडल ऑफिसर का केवाईसी (KYC) एवं आधार डेमो–ऑथेंटिकेशन कराना सुनिश्चित करें।
- अल्पसंख्यक छात्रवृत्ति हेतु केवल ऑनलाईन आवेदन ही स्वीकार्य है।

नोट :– विस्तृत जानकारी के लिए अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय की वेबसाईट www.minorityaffairs.gov.in पर जाए।

PR 277876 Welfare(22-23)D

जिला कल्याण पदाधिकारी, कोडरमा।

गुटबाजी : गिरिनाथ सिंह के 16 सितंबर के धरना को अवैध बता रहे जिलाध्यक्ष, सत्येंद्र तिवारी ने कसा तंज

राजा की मानसिकता से बाहर नहीं निकले हैं गिरिनाथ

जिलाध्यक्ष और प्रदेश संगठन की सहमति से आयोजित कर रहा हूं धरना : गिरिनाथ

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। जिले में भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य गिरिनाथ सिंह के द्वारा प्रदेश अध्यक्ष, संगठन प्रभारी, प्रदेश प्रभारी एवं जिला प्रभारी की उपस्थिति में जिले में लगातार घटित हो रही घटना पर पुलिस प्रशासन द्वारा दोषियों पर कार्रवाई नहीं किये जाने के विरोध में 16 सितंबर को समाहरणालय के सामने एक दिवसीय रोषपूर्ण धरना प्रदर्शन आहूत किया गया है। इस धरना कार्यक्रम के विरोध में इधर प्रेस वार्ता कर भाजपा जिला अध्यक्ष ओमप्रकाश केसरी ने उसे भाजपा का नहीं बल्कि गिरिनाथ सिंह का व्यक्तिगत धरना-प्रदर्शन बताया। इस बाबत ओमप्रकाश केसरी ने कहा कि कोई भी कार्यक्रम पार्टी का आयोजित होता है, तो उसका निर्देश प्रदेश नेतृत्व से आता है। इस कार्यक्रम के बारे में किसी को जानकारी नहीं है। जहां तक धरना के बैनर में मेरी तस्वीर लगाये जाने की बात है, इसकी कोई जानकारी मुझे नहीं है। जिलाध्यक्ष ने कहा कि वे राष्ट्रीय कार्यक्रम सेवा पखवाड़ा संपन्न कराने के लिए सभी जुड़े हुए हैं। नेतृत्व का भी यह निर्देश है कि इस कार्यक्रम के अलावा पार्टी द्वारा कोई भी कार्यक्रम आयोजित नहीं किया जाएगा। ऐसे में इस धरना प्रदर्शन का आयोजन करना बिल्कुल गलत है। यदि यह आयोजन करते हैं तो प्रदेश संगठन को इसकी जानकारी दी जाएगी।

वहीं भाजपा के पूर्व विधायक सत्येंद्र नाथ तिवारी ने कहा कि अब प्रजातांत्रिक व्यवस्था है। लेकिन गिरिनाथ सिंह राजा के मानसिकता से बाहर नहीं निकल पाये हैं। उनके द्वारा राष्ट्रीय कार्यक्रम को दरकिनार करते हुए धरना का आयोजन किया जा रहा है। यदि उनके द्वारा यह कार्यक्रम आयोजन किया जाता है तो इसकी जानकारी प्रदेश संगठन को दी जाएगी। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय कार्यक्रम को धत्ता बताते हुए प्रदेश कार्यसमिति सदस्य द्वारा धरना प्रदर्शन का आयोजन किया जा रहा है।

इधर इस संबंध में पूछे जाने पर भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य गिरिनाथ सिंह ने कहा कि यह जो बात जिला अध्यक्ष व पूर्व विधायक के द्वारा कही जा रही है बिल्कुल हास्यास्पद है। क्योंकि यह धरना कार्यक्रम सभी की सहमति से किया जा रहा है। जिला अध्यक्ष के साथ-साथ प्रदेश अध्यक्ष एवं संगठन प्रभारी सहित सभी को जानकारी देते हुए धरना का आयोजन किया जा रहा है।

मालगाड़ी की चपेट में आने से युवक की मौत

बरवाडीह। बरकाकाना-बरवाडीह रेलखंड के कुमंडीह पोल संख्या 229 के रेलवे ट्रैक के पास मालगाड़ी की चपेट में आने से सिग्नल मैन की मौत घटनास्थल पर ही हो गयी। घटना की सूचना मिलते ही शव को देखने के लिए सदर अस्पताल लातेहार में भीड़ उमड़ गयी। मृतक की पहचान विशुनपुर गांव निवासी स्व. लव कुमार पांडेय के पुत्र राकेश कुमार पांडेय उम्र 35 वर्ष के रूप में की गयी है। बताया जा रहा है की बुधवार की रात 12 बजे सिग्नल मैन राकेश कुमार पांडेय कुमंडीह पोल संख्या 229 के रेलवे ट्रैक के पास सिग्नल फेल रहने पर ट्रैक पर काम कर रहा था। अचानक इस लाइन से मालगाड़ी गुजरने के दौरान इसकी चपेट में आने से युवक की मौत हो गई।स्थानीय ग्रामीणों के द्वारा गुरुवार की सुबह रेलवे ट्रैक पर शव होने की सूचना आरपीएफ पुलिस को दी गयी। आरपीएफ की टीम ने घटना स्थल पर पहुंचकर रेलवे ट्रैक से शव को हटाया। जिसके बाद रेल परिचालन सामान्य हो पाया। इधर लातेहार पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी अमित कुमार गुप्ता को इसकी सूचना मिलते ही पुलिस पदाधिकारी को घटनास्थल पर भेजकर शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल लातेहार भेज दिया।

झामुमो जिला समिति ने सरकार के फैसले पर मनायी खुशियां, बांटी मिठाई

बिरसा मुंडा के सपनों का झारखंड बनाना है हेमंत सोरेन का संकल्प : मोजम्मिल

जिला अध्यक्ष ने कहा : भाजपा के बाबूलाल, अर्जुन मुंडा, रघुवर दास जो न कर सके वो हेमंत सोरेन ने कर दिखाया

आजाद सिपाही संवाददाता

लोहरदगा। राज्य के युवा एवं संघर्षशील मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने चुनाव के दौरान किए अपने सभी वादे पर शत-प्रतिशत खरा उतरकर झारखंड वासियों को खुशियों का सौगात देने का सराहनीय कार्य कर दिखाया है। उक्त बातें झारखंड मुक्ति मोर्चा के लोहरदगा जिलाध्यक्ष मोजम्मिल अहमद ने जिला कार्यालय में आयोजित बधाई कार्यक्रम में कही। उन्होंने राज्य सरकार के फैसले को झारखंड की जनता के हित में बताते हुए कहा कि हेमंत सरकार राज्य में विकास की गंगा बहाने का काम कर दिखाया है जिसका सीधा लाभ राज्य वासियों को मिल रही है। झामुमो जिलाध्यक्ष ने कहा कि हेमंत सरकार के कार्य से राज्य के सवा तीन करोड़ जनता काफी हर्षित दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि एक के बाद एक राज्यवासियों के हित में हेमंत सरकार का फैसला काफी सराहनीय एवं बेहतर नेतृत्व छमता को दशार्ता है। झामुमो जिलाध्यक्ष मोजम्मिल अहमद ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन व पूरे टीम को बधाई देते हुए लोगों को मिठाईयां खिलाकर खुशी का इजहार किया। उन्होंने कहा कि हेमंत सरकार राज्य की जनता के हित में हर वादे पर खरा उतरकर विपक्षियों के ओछी राजनीति पर विराम लगा दिया है। मोजम्मिल अहमद ने कहा कि राज्य का विकास युवा और संघर्षशील और झारखंडियों से ही संभव है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राज्य की जनता के हित में 1932 का खतियान लागू कर और अल्पसंख्यक वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण देने सहित शिक्षा, स्वास्थ्य, आपूर्ति जैसे अहम फैसले लागू कर नया कीर्तिमान स्थापित कर दिखाया है। सिर्फ इतना ही नहीं बल्कि राज्य के सभी क्षेत्रों में तैनात पुलिसकर्मी, कर्मचारियों, सेविका, सहायिका, सहायक पुलिस और सबसे अहम नेतरहाट फाइरिंग रेज जैसे फैसले लेकर राज्यवासियों के दिलों में राज कर दिखाया है। इस कार्यक्रम में सामिल जिला सचिव अनिल उरांव कैरो प्रखंड जिला परिषद सदस्य सुखदेव उरांव केंद्रीय सदस्य सरिता भगत केंद्रीय सदस्य बिनोद यादव समीद अंसारी जिला उपाध्यक्ष तिवारी उरांव जिला उपाध्यक्ष मुकेश साहू। जिला कोषाध्यक्ष नवल सिंह कुडू परखंड अध्यक्ष संकर उराव बालमुकुंद लोहरा सेन्हा बिस्सुत्री अध्यच अफरोज आलम भंडारा प्रखंड अध्यक्ष परवेज आलम तय्यब अंसारी कैरो आजाद अंसारी पूर्व युवा सचिव अख्तर अंसारी देवकी उरांव अफरोज आलम सबरीन परवीन चांद मनी उरांव संतोष यादव मनी कुमार विश्वास कुमार आदि उपस्थित थे।

कांग्रेसी ने हेमंत सोरेन के फैसले का स्वागत किया

लोहरदगा। स्थानीय नीति लागू होने समेत अन्य प्रस्ताव की स्वीकृति पर कांग्रेस कार्यालय राजेंद्र भवन के समक्ष जिला कांग्रेस के वरिष्ठ कांग्रेसी नेसार अहमद के नेतृत्व में कांग्रेसियों द्वारा मिठाइयां बांटकर एवं पटाखे फोड़ कर खुशी मनाया गया और झारखंड सरकार के प्रति आभार प्रकट किया गया। इस मौके पर नेसार अहमद ने कहा कि राज्य की महागठबंधन सरकार द्वारा दिनांक 14 सितंबर 2022 को कैबिनेट में 1932 के खतियान के आधार पर स्थानीय नीति एवं ओबीसी को 27% आरक्षण देने का ऐतिहासिक फैसला लेकर कांग्रेस के घोषणा पत्र का राज्य में जनता से किए अपने वायदों को पूर्ण किया है। इसके लिए कांग्रेसियों ने झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के साथ-साथ झारखंड कांग्रेस के प्रभारी अविनाश पांडे, झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजेश ठाकुर एवं विधायक दल के नेता आलमगीर आलम का आभार प्रकट किए। मौके पर जिला कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ नेता जगदीप भगत, संदीप कुमार, फहद खान, परवेज सिद्दीकी, नंद किशोर शुक्ला, कुडू प्रखंड अध्यक्ष सदरुल अंसारी, सेन्हा प्रखंड अध्यक्ष जमील अंसारी, पेशरार प्रखंड अध्यक्ष रविंदर सिंह, दीपक महतो, अंसार अहमद, यूनुस अंसारी, संतोष महतो, राजेश लाल, तारीक अनवर समेत काफी संख्या में कांग्रेसी उपस्थित थे।

मनिका डिग्री कॉलेज में 50 प्रतिशत सीट बढ़ाने को लेकर बैठक

मनीका (लातेहार)। मनिका प्रखंड मुख्यालय के डिग्री कॉलेज में प्राचार्य डॉ विमल कुमार सिंह की महाविद्यालय की नामांकन समिति की बैठक गुरुवार को संपन्न हुई छात्रों के आवेदन को देखते हुए 50% सीट बढ़ाने का निर्णय लिया गया। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया स्नातक प्रथम वर्ष सत्र 2022-25 में नामांकन हेतु प्राप्त आवेदनों की बड़ी संख्या को देखते हुए विभिनन विषयों में निर्धारित की क्षमता को 50% बढ़ाने के लिए विश्वविद्यालय से निवेदन किया जायेगा मौके पर प्राचार्य ने कहा जिन विषयों में नामांकन के लिए सीट उपलब्ध है उन विषयों में चांसलर पोर्टल होलकर पुनः आवेदन करने का मौका देने हेतु विश्वविद्यालय से आग्रह किया जाएगा उन्होंने कहा कि जिन छात्र-छात्राओं का नाम अभी सिलेक्शन सूची में शामिल नहीं हुआ है वे अर्थशास्त्र मनोविज्ञान समाजशास्त्र और अंग्रेजी आदि विषयों में आवेदन कर सकते हैं मौके पर प्रधानाध्यापक उमेश रविदास पृथ्वीराज, बसंत प्रसाद, पंकज तिवारी समेत अनेक लोग उपस्थित थे।

हिंडालको कोल ब्लॉक कंपनी दलालों के माध्यम से कार्य कर रही है

चंदवा। चंदवा प्रखंड चकला पंचायत के हरैया पंडुआ के सैकड़ों ग्रामीणों ने ग्राम प्रधान की अध्यक्षता में ग्राम सभा का आयोजन किया। जिसका संचालन अनिल लोहरा ने किया। बैठक का मुख्य रूप से कोल ब्लॉक हिडाल्को लिमिटेड के द्वारा चकला गांव क्षेत्र के अंदर मनमानी तथा दलालों के माध्यम से जमीन खरीद करना तथा पुनर्वास की जानकारी आम ग्रामीणों को नहीं देना था। ग्राम सभा को हरी कुमार भगत, सुरेंद्र उरांव, उदय भगत, अनिल भगत, अरुण भगत, निरंजन भगत, अरुण रशीद विकास कुमार भजन आदि लोगों ने ग्राम सभा को संबोधित किया। ग्राम सभा में उपस्थित लोगों ने हिंडालको कॉल ब्लॉक कंपनी के नीति से नाराज चकला क्षेत्र के ग्रामीणों ने ग्राम सभा में एक आवाज में कंपनी को जमीन नहीं बात कही। मौके पर ग्राम प्रधान फुलदेव मुंडा, चंद्रदेव मुंडा, बुधु भगत, चुमनु भगत समेत सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

जय श्रीराम समिति का प्रखंड से पंचायत स्तर तक होगा विस्तार

लोहरदगा। जय श्रीराम समिति की बैठक देवी मंडप प्रांगण दुर्गा बाड़ी में श्री राम समिति के प्रखंड अध्यक्ष विनोद रविदास की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में मुख्य रूप से समिति का विस्तार प्रखंड स्तर से पंचायत स्तर तक करने हेतु चर्चा किया गया। बैठक में जय श्रीराम समिति लोहरदगा के संरक्षक अजय सोनी, कार्यकारी अध्यक्ष ओम महतो, उपाध्यक्ष अनिल उरांव, सह- कोषाध्यक्ष विनोद प्रसाद मुख्य रूप से उपस्थित हुए। वही संबोधन में कहा गया कि पंचायत स्तर पर समिति का गठन जल्द से जल्द करते हुए विस्तार करें। उक्त बैठक में जिला समिति के पदाधिकारियों के साथ मुख्य संरक्षक मुरारी सोनी, बजरंग उरांव, विवेक प्रजापति, सुजित प्रसाद, संजय कुमार साहू, कोषाध्यक्ष बाबुलाल उरांव, मीडिया प्रभारी अंकित कुमार, रंजन कुमार उपाध्यक्ष रंजीत कुमार ,सुखदेव महतो, मनोज साहू, विष्णु कुमार, ब्रजेश कुमार, पंकज साहू, अनमोल कुमार रंजीत महली, गोविंद मुखर्जी, भोला साहू, प्रकाश साहू जयराम उरांव, पहान महादेव उरांव, गौतम कुमार, अनिल कुमार, सीताराम उरांव, आनंद प्रसाद, मोहर साहू, सुलेन्द्र उरांव, मुनु उरांव, राधेश्याम साहू, बबलू राम, अमन पांडेय, अमरेश राम, विकाश राम, बालक बैठा कृष्णा साहू दिलीया भगत इत्यादि सामिल थे।

स्थानीय नीति में 1932 का खतियान लागू

कैरो। झारखंड की प्रगतिशील संवेदनशील गठबंधन की सरकार द्वारा कल कैबिनेट में स्थानीय नीति 1932 का खतियान लागू करने और 27 फीसदी ओबीसी आरक्षण लागू करने के प्रस्ताव को मंजूरी देने से राज्य में आदिवासी मूलवासी अल्पसंख्यकों के बीच खुशी की लहर है। गठबंधन की सरकार और कांग्रेस के घोषणा पत्र पर राज्य की जनता से किये गये एक-एक वायदे को पूरा किया जा रहा है। राज्य की आदिवासी और मूल वासियों का जो हक और अधिकार था। उसे गठबंधन की सरकार ने पूरा किया। चाहे वह 1932 का खतियान हो, 27 फीसदी ओबीसी आरक्षणहो, आंगनबाड़ी सेविका व सहायिका के मानदेय में वृद्धि हो, किसानों की ऋण माफी हो या पारा शिक्षकों का मानदेय वृद्धि करना हो। राज्य के मुखिया हेमंत के नेतृत्व में गठबंधन की सरकार ने इन सारी समस्याओं को दूर कर राज्य के आदिवासी मूलवासी दलित पिछड़ी जाति के लोगों के चेहरे पर मुस्कान भरने का काम किया है। राज्य की जनता हेमंत के नेतृत्व और कांग्रेस गठबंधन की सरकार को तहे दिल से बधाई एवं शुभकामनाएं देती है।

कैरो में वाहन चेकिंग अभियान चला

कैरो/लोहरदगा। कैरो थाना क्षेत्र के नागजुआ में गुरुवार को कैरो थाना एसआई हरिऔध करमाली के अगुवाई में एंटी क्राइम चेकिंग अभियान चलाया गया। चेकिंग के दौरान दो पहिया, चार पहिया वाहनों की गहन जांच की गयी। वाहन से संबंधित कागजात, हेलमेट और डिक्की आदि की भी जांच की गयी। इस दौरान हेलमेट नही पहनने व वाहन से संबंधित कागजात लेकर नही चलने वाले लोगों को सख्त हिदायत दी गयी। क्षेत्र से वाहन चोरी होने की घटनाएं होने के बाद लोग खुद भी नहीं सुधर रहे है। बिना हैन्डल लॉक किये ही वाहन सड़क व बाजार हाट में खड़े कर रहे है। सड़क पर खड़े वाहनों को चेक कराना शुरू किया तो कई वाहन बिना लॉक के मिली। सभी वाहनों के मालिक को उठक-बैठक करवाकर चेतावनी देकर छोड़ा। जबकी प्रशासन द्वारा लगातार वाहन जांच के दौरान लोगों को हेलमेट को लेकर जागरूक करने का काम किया जाता है। साथ ही वाहन चलाते समय मोबाइल फोन पर बात करने के लिए सख्त मना किया जाता है। इस दौरान थाना के दलबल मौजूद थे दलबल मौजूद थे।

मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सहायता योजना की बैठक

लोहरदगा। डीसी की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सहायता योजना की बैठक समाहरणालय सभाकक्ष में हुई। बैठक में कुल 43 मामलों की समीक्षा की गयी। इसमें 17 एसटी, 02 एससी और 24 पिछड़ा वर्ग के मामले थे। सभी मामलों की समीक्षा की गयी और लाभुकों की बीमारी अनुसार विभागीय संकल्प में निर्धारित मापदंडों के अनुसार सहायता राशि सर्वसम्मति से स्वीकृति प्रदान की गयी। बैठक में आइटीडीए निदेशक अरविंद कुमार लाल, जिला कल्याण पदाधिकारी नारायण राम, सिविल सर्जन डॉ संजय कुमार सुबोध, विधायक प्रतिनिधि निशिथ जायसवाल, जिला परिषद सदस्य सुखदेव उरांव उपस्थित थे।

एससीए के तहत ली गयी योजनाओं की समीक्षा कर उपायुक्त ने दिये कई आवश्यक दिशा निर्देश

लातेहार। उपायुक्त की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में विशेष केन्द्रीय सहायता(एससीए) योजना के तहत ली गयी योजनाओं की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में योजनाओं की समीक्षा वित्तीय वर्षवार एवं योजनाओं के पूर्ण/अपूर्ण होने के आधार पर किया गया। बैठक में उपायुक्त ने एससीए के तहत किये जा रहे कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने कहा कि एजेंसियां आपस में समन्वय स्थापित करते हुए शेष बचे कार्यों का जल्द से जल्द पूरा करना सुनिश्चित करें, ताकि योजनाओं से जल्द लोगों को लाभ मिल सके। पीसीसी सड़क, पुलिया निर्माण, विद्यालय समेत अन्य संचालित योजनाओं को जल्द से जल्द पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। इसके आलावा उपायुक्त ने प्राथमिकता के आधार पर एससीए अंतर्गत सभी संचालित योजनाओं को तय समयवधि के अंदर पूर्ण करने का निर्देश दिया। साथ ही वैसी योजनाएं जो पूर्ण कर ली गयी है, उन्हें जांचोपरांत भुगतान करने का निर्देश दिया गया। बैठक में अब तक हुए कार्य प्रगति की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने विभिन्न विभागों के संबंधित अधिकारियों को कई आवश्यक व उचित दिशा निर्देश दिये। बैठक में अपर समाहर्ता आलोक शिकारी कच्छप, संबंधित विभाग के कार्यपालक अभियंता, अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

मनिका में महागठबंधन के कार्यकर्ताओं ने मनाया जश्न, मिठाई खिलाकर एक-दूसरे को दी बधाई

मनिका(लातेहार)। मनिका प्रखंड में झारखंड के महागठबंधन सरकार हेमंत सोरेन के द्वारा कैबिनेट में 1932 खतियान का प्रस्ताव पारित करने पर कांग्रेस राजद जेएमएम समेत इत्यादि पार्टियों के कार्यकर्ताओं ने प्रखंड क्षेत्र में जुलूस निकालकर जश्न मनाया। कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दिया। जुलूस का कार्यक्रम मनिका बाजारटांड़ से क्षेत्र भ्रमण कर पचफेड़ी चौक पहुंचकर वापसी की गयी। जुलूस में कार्यकर्ता। महागठबंधन जिंदाबाद, झारखंड सरकार जिंदाबाद, हेमंत सोरेन जिंदाबाद, झारखंड वासियों की पहचान 1932 का खतियान, इत्यादि नारे लगा रहे थे। मौके पर मनिका पश्चिमी क्षेत्र के जिला परिषद सदस्य बलवंत सिंह, कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष सुरेंद्र पासवान, बीस सूत्री प्रखंड अध्यक्ष विश्वनाथ पासवान, विधायक प्रतिनिधि दरोगी प्रसाद यादव, राजद प्रखंड अध्यक्ष जितेंद्र प्रसाद यादव, राजद नेता गिरजानंदन सिंह चेरो, समाजसेवी बली यादव, राजू रंजन कुमार साहू, प्रखंड बीस सूत्री उपाध्यक्ष नंदकिशोर यादव, कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष राज किशोर सिंह, युवा कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष ओम प्रकाश कुमार यादव,युवा कांग्रेस मनिका विधानसभा अध्यक्ष मिथिलेश पासवान, जेएमएम प्रखंड अध्यक्ष सिखेश्वर राम, संदीप उरांव, रामेश्वर भुइंया, चलितर उरांव, सागर कुमार यादव, अरुण सिंह, जगजीवन राम, तस्लीम अंसारी, अकबर अंसारी, कमलेश पासवान, समेत सैकड़ों कार्यकर्ता जुलूस में शामिल थे।

1932 का खतियान लागू होने व ओबीसी का आरक्षण बढ़ने पर झामुमो ने निकाला जुलूस

लातेहार। झारखड की हेमंत सोरेन की सरकार द्वारा कैबिनेट में स्थानीयता के लिए 1932 का खतियान लागू करने व राज्य में ओबीसी वर्ग का आरक्षण 14 से बढ़ा कर 27 प्रतिशत करने के निर्णय का झामुमो ने स्वागत किया है। जिला अध्यक्ष लाल मोती नाथ शाहदेव के नेतृत्व इसे ले कर शहर में एक विजय जुलूस निकाली गयी। जुलूस में मांदर की थाप पर झामुमो कार्यकर्ताओं ने अबीर-गुलाल लगा कर एक दूसरे को बधाई दी है। जिला अध्यक्ष श्री शाहदेव ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने झारखंडियों को उनका हक दिया है। झारखंड निर्माण के बाद से ही राज्य में 1932 खतियान लागू करने की मांग की जा रही थी। उन्होने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में यह सरकार जन कल्याणकारी फैसले ले रही है। जुलूस को जिला बीस सूत्री उपाध्यक्ष अरूण कुमार दुबे, प्रखंड बीस सूत्री अध्यक्ष अशोक पांडेय व उपाध्यक्ष आलोक कुमार मंटू समेत कई लोगों ने संबोधित किया।

सुपोषण सह अन्नप्राशन दिवस मना

लातेहार। तेजस्विनी परियोजना, लातेहार की दुर्गाबाड़ी क्लब के द्वारा शहर के बहेराटांड़ स्थित आंगनबाड़ी केंद्र में सुपोषण सह अन्नप्राशन दिवस का आयोजन किया गया। इसकी अध्यक्षता युवा संयोजिका सुकन्या देवी ने किया। मौके पर संबोधित करते हुए सुकन्या देवी ने पोषण एवं पोषाहार की जानकारी उपस्थित लोगों को दी। उन्होने कहा कि सही पोषण से ही शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। उन्होने कहा कि गर्भवती महिला, शिशु व किशोरियों को सही तरीके से पोषण युक्त आहार लेना चाहिए। उन्होने कहा कि किशारियों में शारीरिक बदलाव होते हैं इस कारण पोषण पर उन्हें अधिक ध्यान देना चाहिए।

कांग्रेसियों ने 1932 के खतियान को स्थानीयता मानने पर जश्न मनाया

लातेहार। झारखंड सरकार के द्वारा 1932 के खतियान को स्थानीयता की परिभाषा में लाने एवं ओबीसी आरक्षण का आरक्षण 14 से 27 प्रतिशत किये जाने पर कांग्रेसियों ने यहां जश्न मनाया। जिला मुख्यालय के समाहरणालय गेट के समीप कांग्रेसियों ने आतिशबाजी की और एक दूसरे को मिठाई खिला कर खुशियां मनायी। मौके पर जिला अध्यक्ष मुनेश्वर उरांव ने कहा कि यह झारखंड सरकार का ऐतिहासिक फैसला है। इसे ले कर कांग्रेस बराबर सरकार पर दवाब बना रही थी। इससे यहां के मूलवासियों को लाभ होगा। जिला मिडिया प्रभारी पंकज तिवारी व झारखंड प्रदेश युवा कांग्रेस के सोशल मीडिया को-ऑर्डिनेटर विजय बहादुर सिंह ने कहा कि यह झारखंडियों की जीत है। सरकार के इस फैसले से उन्हें उनका हक व अधिकार मिला है।

किस्को सीओ बुड़ायं सारू ने किया प्रज्ञा केंद्रों का निरीक्षण, दिया निर्देश

किस्को/लोहरदगा। जिले के किस्को प्रखंड मुख्यालय के समीप संचालित प्रज्ञा केंद्रों का अंचलाधिकारी बुड़ायं सारू के द्वारा निरीक्षण कर केंद्र संचालकों को समय पर जाति आय आवासीय सहित अन्य सभी प्रकार के प्रमाण पत्रों को निष्पादन करने का सख्त निर्देश दिया। मौके पर सीओ बुड़ायं सारू ने प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत सभी पंचायतों में संचालित प्रज्ञा केंद्र के संचालक को निर्देश देते हुए कहा कि विद्यार्थियों की सहूलियत को देखते हुए सभी प्रज्ञा केंद्र संचालक गति लाते हुए प्रमाण पत्रों के निपटारे में गति लाएं ताकि विद्यार्थियों को पठन पाठन कार्य में बाधा न बने। सीओ ने कहा कि जो प्रज्ञा केंद्र संचालक अपनी जिम्मेवारी पर गंभीरता नहीं दिखाते हैं वैसे केंद्र संचालक के विरूद्ध नियम संगत कार्रवाई किया जाएगा। मौके पर किस्को प्रखंड बीस सूत्री अध्यक्ष सामुल अंसारी मौजूद थे।

चैंबर ऑफ कॉमर्स की आमसभा और व्यापारी मिलन समारोह 18 को

लोहरदगा। लोहरदगा चैबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष रितेश कुमार ने बतलाया विगत आठ वर्षों के लम्बी अंतराल व प्रतीक्षा के बाद गठित नयी कार्यकरिणी के प्रथम बैठक में लिये निर्णयानुसार दिनांक 18 सितंबर दिन रविवार को सुबह 11.30 बजे स्थानीय राणा चौक अवस्थित अग्रसेन भवन के लोहरदगा चैबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज का आम सभा सह व्यापारी मिलन समारोह होना सुनिश्चित हुआ है। एवं जिला के सभी व्यापारियों से अपील किया जाता है कि जो अभी तक चैबर ऑफ कॉमर्स का सदस्य नहीं बने है वह 18 सितंबर तक ₹600/- की सदस्यता शुल्क भुकतान कर सदस्यता ग्रहण कर लें तथा वैसे सदस्य जो अभी तक अपना नवीनीकरण शुल्क जमा नहीं किये है वह भी ₹300/- देकर अपना सदस्यता नवीनीकरण करवा लें। इस संदर्भ में ऊपर बाजार में चैबर कोषाध्यक्ष दीपक पोद्दार, निचे बाजार में चैबर अध्यक्ष रितेश कुमार तथा पावरगंज क्षेत्र में सचिव राकेश कुमार सिन्हा 'गुड्डन' से सम्पर्क किया जा सकता है। लोहरदगा जिला के सभी व्यापारियों से विनम्र अपील है कि चैबर द्वारा बुलाये गये आमसभा सह व्यापारी मिलन समारोह में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर चैबर को प्रगतिपथ में अग्रसर होने हेतु प्रेरित करें एवं व्यापारी एकता का परिचय दें।

ओबीसी को आरक्षण नहीं मिलने पर आंदोलन : शत्रुघ्न प्रसाद

लातेहार। लातेहार जिले में ओबीसी को आरक्षण नहीं मिलने पर आंदोलन किया जायेगा। राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चा के जिला अध्यक्ष शत्रुघ्न प्रसाद ने मोर्चा के कार्यालय में आयोजित एक प्रेस वार्ता में उक्त बातें कही। उन्होने आगे कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की सरकार ने पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) का आरक्षण 14 से बढ़ा कर 27 प्रतिशत करने का निर्णय लिया है। यह एक ऐतिहासिक निर्णय है। लेकिन लातेहार जिले में ओबीसी का आरक्षण शून्य है। यह लातेहार जिले के ओबीसी समुदाय के युवकों के साथ अन्याय है। उन्होंने कहा कि हर चुनाव में यह मुद्दा जोर-शोर से उठाया जाता है और दलों के द्वारा लातेहार जिले में ओबीसी को आरक्षण दिलाने का वायदा किया जाता है. लेकिन चुनाव बीतने के बाद सत्ता पक्ष हो या विपक्ष दोनों ही इस मामले में चुप्पी साध लेते हैं. मौके पर गोविंद प्रसाद, राजू रंजन प्रसाद, पंकज तिवारी, नंदलाल प्रसाद, उमाशंकर गुप्ता, वीरेंद्र कुमार यादव, संजीत कुमार व राजू प्रसाद आदि उपस्थित थे।

मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम, 2023 को लेकर उपायुक्त ने बैठक की

योग्य मतदाताओं को मतदाता सूची से जुड़ने के लिए प्रेरित करें : उपायुक्त

आजाद सिपाही संवाददाता

लोहरदगा। जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त की अध्यक्षता में मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम, 2023 एवं मतदाता पहचान पत्र को आधार नंबर से लिंक करने संबंधी बैठक लोहरदगा जिला के मान्यता प्राप्त राजनैतिक दल के अध्यक्ष/सचिव के साथ हुई। बैठक में जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त द्वारा सभी राजनैतिक दलों से अपील की गई कि योग्य मतदाताओं को मतदाता सूची से जोड़ने के लिए प्रेरित करें। उन्हें सभी तरह की जानकारी दी जाय ताकि जिला में जनसंख्या में अनुपात में मतदाताओं की संख्या बढ़े। निर्वाचन आयोग द्वारा कई बदलाव किये गये हैं उनकी भी जानकारी दी जाय। साथ ही, जिनके पास अभी मतदाता पहचान पत्र हैं उन्हें आधार नंबर से जोड़े जाने हेतु प्रेरित किया जाय। बैठक में अनुमण्डल पदाधिकारी द्वारा चुनाव अधिनियम संशोधन विधेयक-2021 की जानकारी दी गयी। संशोधन के मुख्य बिंदुओं में बताया गया कि आरपी एक्ट 1950 के सेक्शन 23 के सब-सेक्शन 4 के अंतर्गत अब वोटर कार्ड को आधार कार्ड से जोड़ने का प्रावधान किया गया है।सभी पुराने पंजीकृत मतदाताओं को आधार नंबर से जोड़ा जाना है। आधार कार्ड नहीं रहने के बावजूद मतदाता का अधिकार बना रहेगा। जिला में मतदाता पहचान पत्र को अब मतदाता के आधार नंबर से जोड़े जाने का कार्य चल रहा है। 72-लोहरदगा विधानसभा क्षेत्र में अब तक 65 प्रतिशत मतदाताओं का एपिक नंबर उनके आधार नंबर से लिंक किया जा चुका है। कई बूथों में 98 प्रतिशत मतदाताओं का एपिक नंबर उनके आधार नंबर से लिंक किया जा चुका है। कई ऐसे भी बूथ हैं जहां की उपलब्धि कम है।

कुल मतदाताओं की संख्या

अनुमंडल पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि 72-लोहरदगा विधानसभा क्षेत्र में कुल 324 मतदान केंद्र हैं जहां कुल मतदाता 2,65,109 हैं। 69-बिशुनपुर विधानसभा क्षेत्र में 104 मतदान केंद्र हैं जहां कुल मतदाता 78,889 मतदाता हैं। इस प्रकार लोहरदगा जिला में कुल 3,43,998 मतदाता हैं। 72-लोहरदगा में कुल जनसंख्या में मतदाताओं का प्रतिशत 58.34 है। लिंगानुपात 992 है। 69-बिशुनपुर में कुल जनसंख्या में मतदाताओं का प्रतिशत 57.69 है। लिंगानुपात 987 है।

कार्यक्रम : उपायुक्त ने किया शहरी व आसपास क्षेत्रों में चल रही योजनाओं का निरीक्षण

संबंधित एजेंसियों व संवेदकों के छूट रहे हैं पसीने

निरीक्षण के क्रम में सभी कार्यो को त्वरित गति से पूर्ण कराने का दिया निर्देश

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। गुरुवार का पूरा दिन उपायुक्त सुशांत गौरव ने शहर और आसपास के क्षेत्रों में चल रही और चलने वाली भावी योजनाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने चंडाली में बनने वाले खेल मैदान, नये बस स्टैंड, बाजार टांड़, तर्री बाईपास, कृष्णा छात्रावास और केंद्रीय लाइब्रेरी का निरीक्षण किया।

चंडाली पुलिस लाइन के समीप खेल मैदान तथा निमार्णाधीन छात्रवास का निरीक्षण : चंडाली पुलिस लाइन के समीप खेल मैदान तथा हॉस्टल का निर्माण किया जाना है। जिस संदर्भ में उपायुक्त ने स्थल का निरीक्षण करते हुए बाउंड्री लाइन की मापी करायी। उन्होंने सोमवार तक एरिया की मापी कराते हुए डिटेल एस्टीमेट देने का निर्देश विशेष प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता को दिया। उपायुक्त ने खेल मैदान का प्रक्षेपण योजना तैयार करने का निर्देश दिया। मैदान को समतल करने, रोड की मापी आदि का भी निर्देश दिया।

हटाये जाएंगे बाजार टांड़ के आसपास में अवैध रूप से लगे ठेले एवं दुकान : बाजार टांड़ के निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने बाउंड्री की मापी करवाते हुए चहारदीवारी निर्माण कार्य को जल्द से जल्द प्रारंभ करने का निर्देश दिया। उन्होंने रास्ता चौड़ीकरण करवाने की बात कही। साथ ही अवैध रूप से लगे ठेले एवं दुकानों के कारण सड़कों में आवागमन के रास्ते में कठिनाई को देखते हुए अवैध दुकानों को हटाने का निर्देश दिया गया। बाजार टांड़ के समीप लगे खाद बीज के दुकानों की जांच करने एवं खाद की भी जांच करने का निर्देश सदर अनुमंडल पदाधिकारी को दिया गया।

तर्री बाईपास चहारदीवारी निर्माण के लिए किया गया स्थल निरीक्षण : तर्री बाईपास चहारदीवारी निर्माण के लिए स्थान का निरीक्षण किया। उपायुक्त ने त्वरित रूप से बाउंड्री लाइन निर्माण कार्य को प्रारंभ करने का निर्देश दिया। इसके अलावा सरकारी भूमि में रखे अवैध ईंटों के उठाव कराने का भी निर्देश दिया गया।

कृष्णा छात्रावास में निर्माण कार्य का किया निरीक्षण : कृष्णा छात्रावास के निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने छात्रावास में कार्यपालक अभियंता विशेष प्रमंडल के द्वारा करवाये जा रहे कार्यों का निरीक्षण किया। चहारदीवारी निर्माण कार्यों की भी पुष्टि की। इसके साथ ही पुराने लाइब्रेरी को तोड़कर गर्ल्स लाइब्रेरी बनाने हेतु एस्टीमेट/डीपीआर तैयार करने का निर्देश सहायक अभियंता जिला परिषद को दिया गया। खेल पदाधिकारी को छात्रावास के कैंपस में खेल मैदान निर्माण करने की बात कही। निरीक्षण के दौरान जिला खेल पदाधिकारी हेमलता बुन, कार्यपालक अभियंता विशेष प्रमंडल के अलावा अन्य पदाधिकारी कर्मी उपस्थित थे।

घटिया निर्माण कार्य को लेकर नये बस स्टैंड दुंदुरिया में 50 प्रतिशत ही भुगतान का निर्देश

नये बस स्टैंड दुंदुरिया के निर्माण कार्य के निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने चहारदीवारी निर्माण कार्य का निरीक्षण किया, चहारदीवारी की खराब गुणवत्ता को देखते हुए उपायुक्त ने नाराजगी व्यक्त की एवं दीवार निर्माण में हुए खर्च की राशि का 50 प्रतिशत भुगतान करने का निर्देश दिया। इसके साथ ही बस स्टैंड के समीप रखी पुरानी गाड़ियों के डिस्पोजल के लिए नये स्थान का चयन करने की बात कही। बस स्टैंड के सामने जालीदार बाउंड्री बनाने एवं सुरक्षा के दृष्टिकोण से अन्य आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था करने का निर्देश दिया। कार्यों को त्वरित गति से पूर्ण करने का निर्देश दिया गया।

महत्वपूर्ण न्यूज

प्रेमसागर फांउडेशन के कार्यों में व्यवधान उत्पन्न करनेवालों पर कार्रवाई को लेकर की गयी बैठक

भरनो (आजाद सिपाही)। अमलिया पंचायत के ग्रामीण क्षेत्र में स्थित आदरणीय प्रेमरावत जी की प्रेरणा से प्रेमसागर फांउडेशन बनटोली निर्धन बच्चों, दिव्यांग व वृद्धों के बीच निःशुल्क शुद्ध भोजन, ग्रामीण बच्चों-महिलाओं के लिए कंम्प्यूटर शिक्षा, सिलाई, स्वास्थ्य जागरूकता, चिकित्सा शिविर जैसे जनसेवा कार्य कर क्षेत्र में एक मिसाल कायम कर रहा है। फांउडेशन से चार ग्राम पंचायत क्षेत्र के हजारों बच्चे एवं महिलाएं, युवतियां विशेष रूप से लाभान्वित होते रहे हैं। फरंतु फाउंडेशन स्थल खुला परिसर होने से कुछ मनचले युवा-युवतियों इसका दुरुपयोग कर परिसर क्षेत्र को कलंकित कर जनसेवा कार्य में व्यवधान उत्पन्न कर रहे हैं। प्रेमसागर फांउडेशन द्वारा संचालित विविध गतिविधियां पुनः नियमानुकूल शुरू हो, व्यवधान करने वालों पर न्यायोचित कार्रवाई, अन्यान्य व्यवस्था पर विचार-विमर्श हेतु मुख्य ट्रस्टी, स्थानीय जनप्रतिनिधि, व्यवस्थापकों, पुलिस प्रशासन, अभिभावकों की चिंतन बैठक की गयी। बैठक में मुख्य ट्रस्टी सुधीर भाई पटेल, कोर टीम प्रमुख देवकुमार सिंह, रामेश्वर बड़ाईक, मैनेजर एचएन गिरि, उमेश कुमार, सदस्य अरुण अग्रवाल, गोविंद तिवारी, डॉ आरएन सिंह, जनता उरांव, भरनो व भंडरा थाना प्रभारी, जिप अध्यक्ष किरणमाला बाड़ा, जिप सदस्य जेंगा उरांव, सरपंच शांति तिर्की, मुखिया पंची उरांव, जतरू उरांव, बिराज मुंडा, संजय उरांव, वार्ड सदस्य मंजु देवी, प्रधान महाबीर उरांव, ज्ञानी मुंडा, रंथु पहान, अंगनु गोप, शिवशंकर सिंह, रामकुमार सिंह, रामकिशोर सिंह, अजीत सिंह, प्रवीण कुमार सहित सैकडों प्रबुद्ध जन उपस्थित हुए।

आरसी प्राथमिक विद्यालय में शिक्षक बहाली में अनियमितता को लेकर ग्रामीणों ने जताया विरोध

कामडारा (आजाद सिपाही)। प्रखंड क्षेत्र के आरसी प्राथमिक विद्यालय सुरहु में शिक्षक बहाली में बरती गयी अनियमितता को लेकर ग्रामीणों ने बैठक कर विरोध जताया है। यह बैठक जमीनदाता एतवा पहान के नेतृत्व पर की गई थी। जिसमें प्रखंड प्रमुख सुनील सुरीन, मुखिया सुरेंद्र तिर्की और पंचायत समिति सदस्य व वार्ड सदस्यों को भी आमंत्रित किया गया था। बैठक में ग्रामीणों ने बताया कि शिक्षक बहाली में प्राथमिकता के आधार पर स्थानीय लोगों को अथवा पोषक क्षेत्र के अभ्यर्थियों का चयन किया जाना था। लेकिन इसके विपरीत बाहर के अभ्यर्थियों को सेटिंग-गेटिंग के तहत बहाली किये जाने का प्रयास किया जा रहा है। इस संबंध में विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष लाघुलाल केरकेट्टा से पूछताछ की तो उन्होंने स्पष्ट कहा कि मैं इस बहाली के बारे में कुछ नहीं जानता हूं। इधर स्थानीय ग्रामीणों का कहना कि स्थानीय अभ्यर्थियों की विद्यालय में बहाली नहीं की गयी तो निरंतर आंदोलन किया जायेगा। बैठक में सुकरा केरकेट्टा, जोसफीन सुरीन, मरियम केरकेट्टा, सिसिलिया केरकेट्टा, विजय केरकेट्टा सहित सैकड़ों ग्रामीण महिला-पुरुष मौजूद थे।

राज्यपाल के बाद उपायुक्त ने भी शिफा नाज को किया सम्मानित

भरनो (आजाद सिपाही)। दिव्यांग सीडब्ल्यूएसएन छात्रा शिफा नाज को राज्यपाल रमेश वैस से सम्मानित होने के बाद उपायुक्त गुमला सुशांत गौरव द्वारा सम्मानित किया गया। भरनो की सीडब्ल्यूएसएन छात्रा सिफा नाज को बेहतरीन चित्रकारी के लिए सम्मानित किया गया। गत 14 सितंबर को राजभवन में आयोजित राज्यस्तरीय पेंटिंग प्रतियोगिता में सिफा नाज ने पूरे राज्य में द्वितीय स्थान प्राप्त कर जिले का नाम रौशन किया। इस उपलब्धि पर महामहिम राज्यपाल रमेश वैस द्वारा शिफा नाज को सम्मानित करते हुए प्रमाण पत्र दिया गया। राज्यपाल से सम्मानित होने के बाद गुरुवार को उपायुक्त गुमला ने बुलाकर उन्हें सम्मानित किया। समारोह में जिला के सभी शिक्षा पदाधिकारी शामिल हुए। सभी ने कहा कि शिफा नाज एक रोल मॉडल के रूप उभर रही है। हम सभी इनकी उज्जवल भविष्य की कामना करते हैं। मौके पर प्रखंड के प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी, सभी शिक्षकों, रिसोर्स शिक्षक रंजीत कुमार महतो, विरेंद्र कुमार और बीआरसी के सभी बीआरपी, सीआरपी सहित सभी कर्मियों ने बधाई और शुभकामनाएं दीं।

गुमला पॉलिटेक्निक के छात्रों ने मनाया अभियंता दिवस

मॉडल प्रदर्शनी का का अवलोकन कर उपायुक्त ने कहा- होनहार हैं गुमला पॉलिटेक्निक के छात्र

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। गुमला पॉलिटेक्निक के छात्रों द्वारा भारत रत्न मोक्षगुंडम विश्वेश्वरय्या की जयंती पर 'अभियंता दिवस' मनाया गया। इस मौके पर मॉडल प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। दो दिनों के इस विशेष कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि उपायुक्त, गुमला सुशांत गौरव ने पौधरोपण कर किया। इस कार्यक्रम में संस्थान के छात्र-छात्राओं द्वारा बनाये गए मॉडल एवं प्रोजेक्ट्स को प्रदर्शित किया गया। गुमला पॉलिटेक्निक के छात्र-छात्राओं ने अपने अद्भुत प्रयास से अनेक मॉडल प्रदर्शित कर ना सिर्फ अपने ज्ञान-विज्ञान का अपितु पूरे क्षेत्र एवं प्रदेश के बच्चों को एक नयी सोच एवं दिशा प्रदान किया है। इस कार्यक्रम में विशिष्ठ अतिथि के रूप में वन प्रमंडल पदाधिकारी श्रीकांत वर्मा, एसडीओ रवि आनंद, एनडीसी सिद्धार्थ शंकर चौधरी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर भारत रत्न मोक्षगुंडम विश्वेश्वरय्या को पुष्पांजलि अर्पित की।

सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए संस्थान के निदेशक अभिजित कुमार एवं शासी निकाय की सदस्य श्रीमती रेणुका यशस्वी ने सभी छात्र-छात्राओं को धन्यवाद् तथा सफल एवं समुचित मार्ग दर्शन हेतु सभी शिक्षकों को भारत रत्न मोक्षगुंडम विश्वेश्वरय्या के मार्ग पर अग्रसर रहने की जरूरत बतायी। कार्यक्रम के अतिथियों द्वारा मॉडल का अवलोकन कर विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। जिसमें ऑटोमोबाइल के क्षेत्र में प्रथम पुरस्कार छात्र समरदीप कुमार सिंह, सौरब सिंह, दिनेश कुमार महतो, साहिल अली, मो. सादिक हुसैन, मुर्शिद अंसारी को दिया गया। द्वितीय पुरस्कार इलेक्ट्रिकल के क्षेत्र में छात्र मनीष उरांव, अभिषेक तिर्की को प्रदान किया गया। सिविल के क्षेत्र में प्रथमा सुदर्शन, रोहित ओहदार, मो. अरबाज आलम, समीर पटवा, मैकेनिकल के क्षेत्र में बिपुल कुमार सिंह, इलेक्ट्रिकल के क्षेत्र में काजल कुमारी गुप्ता, ऋतिक कुमार, अतुल टोप्पो, दीवाकर कपरदार, मनीष टोप्पो व प्रिंस कुमार को पुरस्कर दिया गया। तृतीय स्थान में पुरस्कृत छात्रों में मैकेनिकल के लिए अच्युत कुमार मिश्रा, सक्षम सिन्हा, संजय यादव, प्रणव कुमार, कार्तिक कुमार दास, आदित्य कुमार सिंह, महेश्वर रोवानी के नाम शामिल हैं।

उपायुक्त के द्वारा प्रथम पुरस्कार राशि 7 हजार 500 रुपये, द्वितीय पांच हजार रुपये एवं तृतीय पुरस्कार राशि चार हजार रुपये देकर छात्रों को पुरस्कृत किया गया।

संस्थान के सभी व्याख्याताओं ने छात्रों को मॉडल बनाने में हर तकनिकी मदद की तथा उन्हें सफल अभियंता बनने के गुण सिखाये। संस्थान के प्राचार्य डॉ शिवा नारायण साहू ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

घाघरा प्रखंड कांग्रेस ने कैबिनेट के निर्णय पर मिठाई बांटी एवं पटाखे फोड़कर मनाया जश्न

घाघरा (आजाद सिपाही)। प्रखंड कांग्रेस कमेटी द्वारा चांदनी चौक में झारखंड कैबिनेट 1932 की खतियान लागू होने पर मिठाईयां बांटी गयीं और पटाखे फोड़े गये। घाघरा चांदनी चौक में झारखंड केबिनेट में 1932 के खतियान लागू होने पर प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष अरुण पांडे के नेतृत्व में गुरुवार की शाम मिठाईयां बांटी और पटाखे फोड़ा गया। इस क्रम में कांग्रेसियों ने एक-दूसरे को मिठाइयां खिलायी और पटाखे फोड़ पर जश्न मनाया। मौके पर कांग्रेस के प्रदेश महिला नेत्री बॉबी भगत ने कहा कि 1932 खतियान झारखंड में गठबंधन की सरकार द्वारा लागू कराना ऐतिहासिक है। 20 वर्षों से झारखंड की मांग थी। 1932 का खतियान लागू हो जिसे हेमंत सोरेन की कांग्रेस गठबंधन सरकार ने पूरा किया। वहीं प्रखंड अध्यक्ष अरुण कुमार पांडे ने कहा कि झारखंड के युवाओं को आगे बढ़ाने का संकल्प के साथ गठबंधन की सरकार हेमंत सोरेन के नेतृत्व में 1932 का खतियान लागू कराना काबिले तारीफ है। लोगों द्वारा कई वर्षों से 1932 खतियान लागू करने के लिए आंदोलन हो रहा था, जिसे पूरा किया गया। इस मौके पर बॉबी भगत, सरोजिनी किरण भगत, अरुण पांडे, शहजाद खान, दिलबहार अंसारी, आदित्य भगत, श्याम साहू, रमेश जायसवाल, सावना भगत, बलदेव उरांव, धनंजय पांडे सहित कई लोग उपस्थित थे।

कुगांव में भाजपा नेता ने किया ट्रांसफॉर्मर का उद्घाटन

सांसद सुदर्शन भगत का सराहनीय योगदान रहा : भिखारी भगत

आजाद सिपाही संवाददाता

घाघरा। प्रखंड के कुगांव गांव में गुरुवार को भाजपा के वरिष्ठ नेता भिखारी भगत ने 63 केबी ट्रांसफॉर्मर का उद्घाटन किया। इस दौरान गांव के पहान पुजार के द्वारा विधिवत पूजा-अर्चना की गई जिसके बाद भिखारी भगत ने गांव के पहन पुजार व अतिथियों के साथ संयुक्त रूप से फीता काटकर ट्रांसफार्मर का उद्घाटन किया। इस दौरान भिखारी भगत ने कहा चार माह से गांव में ट्रांसफॉर्मर खराब था पूरे गांव के लोग अंधेरे में रहने को विवश थे, इसकी जानकारी हमें मिली तो अधिकारियों से बात कर ट्रांसफॉर्मर की व्यवस्था करायी गयी। इस कार्य मे हमारे सांसद सुदर्शन भगत का भी सराहनीय योगदान रहा। साथ ही भिखारी भगत ने कहा कि क्षेत्र की जनता कभी भी हमें किसी भी कार्य के लिए याद कर सकती है। मौके पर ज्ञान सिंह, अनिल प्रसाद, पप्पू गुप्ता, भीखा उरांव, भुनन्दन बड़ाईक, लक्ष्मी बड़ाईक, दरवन पहान, सुंदरा पहान, आरती देवी, मनबोध बड़ाईक, हरिहर सिंह, अजय सिंह, बजरंग बड़ाईक, शंकर सिंह, रबिन्द्र बड़ाईक सहित कई लोग मौजूद थे।

पालकोट में सिमडेगा के युवक का शव बरामद

पालकोट (आजाद सिपाही)। पालकोट पुलिस ने गुरुवार की सुबह पालकोट बिलिंगबिरा रोड में प्रखंड मुख्यालय से 18 किमी दूर ढोटी घाट पूतना गाढ़ा के समीप से लगभग बीस-बाइस वर्ष उम्र के एक युवक का शव बरामद किया। जिसकी पहचान सिमडेगा थाना के क्षेत्र के खैरन टोली निवासी शाकिब हुसैन, पिता मो. मनिरूदीन के रूप में की गयी। शाकिब कल से ही लापता था। परिजनों ने बुधवार को ही सिमडेगा थाना में अपहरण का मामला दर्ज कराया था।

घाघरा निवासी मजदूर की चेन्नई में मौत, शव मंगाने के लिए परिजनों ने लगायी सीओ से गुहार

घाघरा (आजाद सिपाही)। प्रखंड के अरंगी जामटोली निवासी मजदूर कार्तिक उरांव की मौत चेन्नई में हो गई। शव मंगाने को लेकर गुरुवार को मृतक के परिजन पूर्वी क्षेत्र के जिला परिषद सदस्य मानती उरांव के साथ अंचल कार्यालय पहुंचे और अंचलाधिकारी प्रणव ऋतुराज से गुहार लगाई। इस संबंध में मृतक की पत्नी मनियो उरांव ने बताया कि वे लोग अत्यंत गरीब परिवार से हैं। मजदूरी के लिए उनके पति कार्तिक उरांव 17 जुलाई 2022 को चेन्नई घाघरा के अन्य साथियों के साथ गये थे। वहीं मृतक के दामाद सुनील कुमार ने बताया कि उसके ससुर कार्तिक उरांव से 13 सितंबर मंगलवार को 10:30 बजे दिन में दूरभाष पर बात हुई थी और उनके द्वारा कहा गया था कि वह अपने घाघरा के अन्य साथियों के साथ मंगलवार की रात ट्रेन पकड़ कर घर लौटेंगे। जिसके बाद उनका मोबाइल कुछ देर के बाद स्विच ऑफ हो गया। रात में काफी फोन किये जाने के बाद भी उनका कोई पता नहीं चल सका। वहीं बुधवार को 10:00 बजे एक अन्य मजदूर दीपक उरांव जो घाघरा में रहते हैं, उनसे सूचना मिली कि कार्तिक उरांव की तालाब में डूबने से मौत हो गई है और वहां तिरुबलू हॉस्पिटल में उनका शव रखा गया है। कार्तिक चेन्नई के जीरोमती में राजमिस्त्री का काम कर रहे थे। साथ ही मोबाइल पर उनका मृत शरीर का फोटो भी भेजा गया। इस बाबत अंचलाधिकारी प्रणव ऋतुराज से पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि सेफ एंड रिस्पांसिबल माइग्रेट सेंटर के माध्यम से शव मंगाने की पहल की जा रही है। जल्द ही उनके शव को मंगा लिया जाएगा।

कार्यक्रम : सरस्वती शिशु मंदिर डुमरी में अंतर संकुल स्तरीय प्रश्न मंच प्रतियोगिता का आयोजन

प्रश्न मंच प्रतियोगिता में नवडीहा स्कूल रहा अव्वल

शिक्षक ही विद्यार्थियों का भविष्य गढ़ते हैं : बीडीओ एकता वर्मा

आजाद सिपाही संवाददाता

डुमरी। प्रखंड अंतर्गत सरस्वती शिशु मंदिर डुमरी में अंतर संकुलीय प्रश्न मंच प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि प्रखंड विकास पदाधिकारी एकता वर्मा के द्वारा दीप प्रज्वलित कर व मां सरस्वती की प्रतिमा में पुष्पार्चन कर किया गया। प्रश्न मंच प्रतियोगिता में शिशु मंदिर संकुल स्तर के सरस्वती शिशु मंदिर लरंगो, पावरगंज, महुआडांड, सलगी, गारू, शिवनगर, नवडीहा, टोटो, चैनपुर व डुमरी के तीन-तीन प्रतिभागियों ने भाग लिया। सर्वप्रथम विद्यालय परिवार के द्वारा मुख्य अतिथि बीडीओ एकता वर्मा का तिलक लगाकर व पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया। साथ ही विद्यालय के बच्चों के द्वारा स्वागत गान गाकर सभी आगंतुकों का अभिनंदन किया गया। मंच को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि ने कहा कि इस तरह के प्रश्न मंच प्रतियोगिता का आयोजन अत्यंत ही सराहनीय है। इससे बच्चों के अंदर छिपी हुई प्रतिभा को निखारा जा सकता है। शिक्षक ही विद्यार्थियों का भविष्य गढ़ने का कार्य करते हैं इसीलिए वे सदा पूजनीय होते हैं। वहीं कहा कि आज मैं जिस पद पर कार्यरत हूं वह भी शिक्षकों के उचित मार्गदर्शन की ही देन है। उन्होंने आचार्यों, विद्यार्थियों एवं अभिभावकों से अपेक्षा की है कि इस तरह के आयोजन को बढ़ावा दिया जाये ताकि बच्चों का सर्वांगीण विकास हो सके और बच्चे संस्कार व संस्कृति को अपने जीवन में धारित कर पठन पाठन के कार्य में बेहतर प्रदर्शन कर सकें। वहीं जिला निरीक्षक जगमोहन महतो ने कार्यक्रम के उद्देश्य और संस्था की विचारधारा पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला।

वहीं विभिन्न विद्यालयों से आये भईया बहनों ने प्रश्न मंच प्रतियोगिता में भाग लेते हुए तरह-तरह के सामान्य ज्ञान सहित पुस्तकों से संबंधित प्रश्नों का उत्तर दिया। वहीं 12 राउंड में सभी प्रतिभागियों से प्रश्न पूछे गए जिसमें सरस्वती शिशु मंदिर नवडीहा 12 में से 10 सही उत्तर देते हुए प्रथम, सलगी द्वितीय, गारू तृतीय एवं चैनपुर चतुर्थ स्थान प्राप्त किये। वहीं सभी उत्तीर्ण प्रतिभागियों के बीच मेजबान सरस्वती शिशु मंदिर परिवार डुमरी की ओर से पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। वहीं धन्यवाद ज्ञापन अध्यक्ष राजेश केशरी ने किया।

मौके पर विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष राजेश केशरी, सचिव उदय साहु, उपाध्यक्ष उमेश ताम्रकार, कोषाध्यक्ष संजय जायसवाल, उपसचिव संदीप गुप्ता, संरक्षक जगरनाथ प्रसाद, सुरेश शर्मा, सब्जीलाल साहु, अभिभावक प्रतिनिधि सुभाष ठाकुर, जिला निरीक्षक दीनबंधु सिंह, प्रधानाचार्य दुलार इंदवार सहित भारी संख्या में छात्र छात्राएं व अभिभावक शामिल थे।

दो वर्षों से स्वास्थ्यकर्मियों के इंतजार में धूल फांक रहा है नवनिर्मित हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर

स्वास्थ्य उपकेन्द्र पोकला के जर्जर भवन में जान जोखिम में डालकर मरीज कराते हैं इलाज

आजाद सिपाही संवाददाता

कामडारा। स्वास्थ्य उपकेन्द्र पोकला के जर्जर भवन में हो रहा है मरीजों का इलाज और पोकला में बना नवनिर्मित हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर पिछले दो वर्षों से स्वास्थकर्मियों के आने के इंतजार में धूल फांक रहा है। जानकारी के मुताबिक कामडारा प्रखंड क्षेत्र के अंतर्गत पोकला बरदाटोली के पास दो वर्ष पूर्व स्वास्थ्य व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाने के लिये संबंधित विभाग की ओर से लगभग 39 लाख रुपये की लागत से हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर पोकला के लिये दो मंजिला भवन का निर्माण कराया गया है।

इसके बावजूद उक्त नवनिर्मित भवन पर आज तक स्वास्थ्य उपकेंद्र पोकला को शिफ्ट नहीं किया है। जिसके कारण मरीज जान जोखिम में डालकर पोकलागेट स्थित जर्जर भवन पर अपना इलाज कराने जाते हैं। उक्त जर्जर भवन की हालत काफी बदतर है। छत के नीचले भाग पर से जगह-जगह प्लास्टर उखड़ रही है। जो कभी भी लोगों के सिर पर टूटकर गिर सकती है। वहीं भवन के अंदर जगह-जगह दरारें भी आ चुकी हैं। जबकि दूसरी ओर स्वास्थकर्मियों के आने की राह देख रहा हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर पोकला धूल फांक रहा है। कोई देखरेख नहीं होने के कारण उक्त लाखों रुपये से बना नवनिर्मित भवन अब बेकार साबित हो रहा है। अब तो उसके इर्दगिर्द घास-फूस व झाड़ियां भी निकलना शुरू हो गई हैं।

आदेश जारी कर दिया गया है, स्वास्थ्य उपकेंद्र को नये भवन में जल्द शिफ्ट कर दिया जायेगा : डॉ तारिक

इधर इस संदर्भ में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कामडारा के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डा. तारिक अनवर से बातचीत की गई तो उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य उपकेन्द्र पोकला को नवनिर्मित हेल्थ एंड वेलनेंस सेंटर पोकला भवन में शिफ्ट करने के लिये निवर्तमान पदस्थापित एएनएम को पत्र निर्गत कर आदेश जारी कर दिया गया है। इसके बावजूद वह अब तक शिफ्ट नहीं किया गया है। दो-चार दिनों के अंदर शिफ्ट कर दिया जायेगा।

सेवा पखवाड़ा को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं की हुई बैठक

हुसैनाबाद (आजाद सिपाही)। शहर के खादी भंडार के समीप उदय नाथ विश्वकर्मा के काम्प्लेक्स परिसर में भाजपा का हुसैनाबाद विधानसभा स्तरीय प्रभारियों की बैठक सेवा पखवाड़ा को लेकर हुई।अध्यक्षता नगर मंडल अध्यक्ष अजय गुप्ता ने की जबकि संचालन सांसद प्रतिनिधि श्रवण अग्रवाल ने किया।कार्यक्रम की शुरुआत पार्टी के जिला अध्यक्ष विजयानंद पाठक ,प्रदेश कार्यसमिति सदस्य बिनोद कुमार सिंह,रविंद्र कुमार सिंह,कर्नल संजय सिंह, रामप्रवेश सिंह,कामेश्वर कुशवाहा,प्रफुल्ल कुमार सिंह,लालबहादुर सिंह,जिलामहा मंत्री संतोष सिंह आदि ने संयुक्त रूप से श्यामा प्रसाद मुखर्जी व पंडित दीनदयाल उपाध्याय की तसवीर के समक्ष दीप जलाकर की।कार्यक्रम में हुसैनाबाद–हरिहरगंज विधानसभा के सभी स्तर के संगठन प्रभारियों को जिला अध्यक्ष विजयानंद पाठक ने सेवा पखवाड़ा के तहत आयोजित कार्यक्रमो पर विस्तृत प्रकाश डाला।उन्होंने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक सेवा पखवाड़ा का आयोजन है।जिसमें पुस्तक का विमोचन, स्वास्थ्य शिविर का आयोजन,दिव्यांगों के बीच कृतिम अंग का वितरण,मरीजो को मदद करना ,टीकाकरण अभियान, बूथ स्तर पर बृक्षा रोपण,जल संचय पर कार्यशाला,पंडित दीनदयाल की जयंती और प्रधानमंत्री जी की मन की बात सुनना ,महिला मोर्चा द्वारा क्षेत्रीय व्यंजन बनाना,स्थानीय वस्तुओं का प्रचार प्रसार,स्थानीय स्तर पर बुद्धिजीवी सम्मेलन आयोजित है।उन्होंने कहा कि सभी आयोजित कार्यक्रम में प्रभारी व कार्यकर्ता मिलकर सभी रचनात्मक कार्यक्रम को सफल बनाने की जरुरत है।रामेश्वर राम,अखलेश मेहता,उदय विश्वकर्मा,ग्रामीण मंडल अध्यक्ष प्रशांत सिंह,रामराज मेहता,उमेश चंद्र शिव,नीरज सिंह,नरेंद्र सिंह,सीबी रमन सिंह,रंजीत पासवान, जेके पासवान,अरुण विश्वकर्मा, सुबोध कश्यप, रंजीव सिंह उर्फ छोटू सिंह समेत काफी संख्या में लोग मौजूद थे।

1932 का खतियान लागू करना हेमंत सरकार का ऐतिहासिक फैसला: छेदी खान

हुसैनाबाद (आजाद सिपाही)। राज्य कैबिनेट की बैठक में स्थानीयता की पहचान एवं नियोजन नीति निर्धारण के लिए 1932 के खतियान को आधार बनाने के फैसले एवं पिछड़ा वर्गों का आरक्षण 14 प्रतिशत से बढ़ाकर 27 प्रतिशत करने के फैसले के साथ हेमंत सोरेन की सरकार ने चुनाव पूर्व जनता से किए वादों को निभाने का काम किया है। उक्त बातें हुसैनाबाद जेएमएम के वरिष्ठ नेता एजाज हुसैन उर्फ छेदी खान ने अपनी प्रतिक्रिया के दौरान कहीं। प्रेस वक्तव्य जारी कर उन्होंने कहा कि इस ऐतिहासिक एवं बहुप्रतीक्षित निर्णय के लिए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन बधाई के पात्र हैं। उन्होंने कहा की आज तक स्थानीयता के नाम पर सिर्फ राजनीति होती रही है, लेकिन पहली बार राज्य की हेमंत सरकार ने इसे नीतिगत रूप से कैबिनेट में स्वीकृति प्रदान की है ' उन्होंने कहा कि ओबीसी आरक्षण के प्रतिशत में वृद्धि के लिए जेएमएम ने सड़क से लेकर सदन तक आंदोलन भी किया था, अब स्थानीयता की पहचान निर्धारण का मार्ग प्रशस्त होने से स्थानीय युवाओं को रोजगार के लिए पलायन नहीं करना पड़ेगा।उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन के शासन काल मे हर वर्ग के लोगों के चेहरे पर मुस्कान है।सरकार लगातार कई जन कल्याणकारी फैसले ले रही है जो बधाई के पात्र है।

शिक्षक पुत्र को नम आंखों से दी अंतिम विदाई

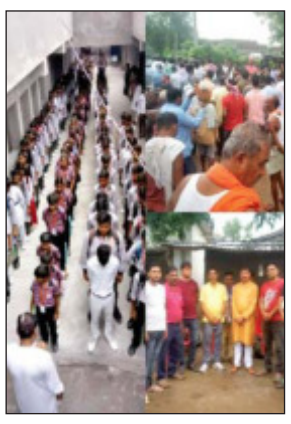

उधर सरस्वती शिशु विधा मंदिर हरिहरगंज के पुरातन छात्र विकास राज की असामयिक मृत्यु पर विद्यालय के आचार्य व छात्र व छात्राओं ने शोक सभा में दिवंगत आत्मा की शांति के लिए 2 मिनट का मौन रखा और ईश्वर से आत्मा की शांति की कामना की। जिसमें विद्यालय के प्रधानाचार्य विजेंद्र प्रसाद, आचार्य संजय कुमार सिंह, मोहन ठाकुर, हंसराज गुप्ता, नवीन कुमार सिंह, नीलिमा मेहता, सुनीता कुमारी, स्नेहा कुमारी, प्रियांजली कुमारी, खुशबू कुमारी, प्रिया कुमारी, मुसर्रत परवीन एवं सभी शिक्षक व छात्र शामिल थे।

हरिहरगंज/पलामू (आजाद सिपाही)। प्रखण्ड क्षेत्र के सरसोत पंचायत अंतर्गत शिक्षक कृष्णा प्रसाद गुप्ता के 17 वर्षीय पुत्र विकाश राज का निधन एक गंभीर बीमारी के कारण दिल्ली के एम्स में बुधवार को हो गया।विकाश राज के निधन पर गुरुवार को विभिन्न राजनीतिक दलों व प्रखण्ड के सैकड़ो शिक्षकों ने अंतिम दाह संस्कार में भाग लेकर गहरा शोक व्यक्त किया है। बता दें कि विकाश राज दिल्ली के एम्स में करीब एक वर्ष से इलाजरत था और उसका निधन बुधवार को हो गया।उसका शव पैतृक गांव पहुंचते ही परिजनों सहित गांव वालों भी रो-रो कर बेहाल हैं, साथ ही पहुंचे जन प्रतिनिधियों और ग्रामीणों के आँखे भी नम हो गई। इस दौरान भाजपा नेता विनोद कुमार सिंह,जीप प्रतिनिधि राजेश राम,सरसोत मुखिया विनय कुमार सिंह,खड़गपुर मुखिया सत्येंद्र मेहता,सरसोत के पूर्व मुखिया शारो देवी,डॉ प्रमोद कुमार वर्मा, रौशन कुमार सिंह, जितेंद्र कुमार सिंह, बसपा नेता राजकुमार गौतम, रा.उ.म.वि.सरसोत प्रधानाध्यापक अर्जुन राम, ढकचा प्रधानाध्यापक आनंदमोहन सिंह, शिक्षक अजय सिंह, अजय मेहता, रामजी यादव, सोमर राम, राजेश्वर राम, भोला सिंह, नवल सिंह, उदय साव, विजय गुप्ता, मुकेश सिंह, विकास पांडे, उपेंद्र यादव, प्रमोद पासवान, प्रवेश राम,विजयमल प्रजापति, प्रभु शर्मा, गोपाल यादव, अशोक कुमार यादव,अशोक कुमार, समाजसेवी कमलेश यादव, शशि पासवान, सुरेश चौधरी, छोटू यादव सहित सैकड़ों लोगों ने अंतिम संस्कार में भाग लेकर शोक व्यक्त किया।

जमीन विवाद में बेटे ने पिता को मारी गोली

मेदिनीनगर (आजाद सिपाही)। चैनपुर थाना क्षेत्र के मझिगांवा में बेटे ने पिता की गोली मारकर हत्या कर दी है। बताया जा रहा है कि बेटे ने जमीन विवाद में इस घटना को अंजाम दिया है। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गई है। पुलिस ने बताया कि रामसागर महतो के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इसके साथ ही घटना को अंजाम देने के बाद बेटा सूर्यदेव महतो फरार है, जिसकी गिरफ्तारी को लेकर छापेमारी की जा रही है। पलामू में पति की हत्या कर कातिल पहुंचा वृद्धा के पास, बोला-तेरे पति को मार डाला। मिली जानकारी के अनुसार पिता रामसागर महतो और बेटे सूर्यदेव महतो के बीच जमीन विवाद था। इस मामले में गुरुवार को पलामू कोर्ट में सुवनाई होनी थी।लेकिन सुनवाई से पहले बेटे ने पिता के सीने में गोली मार दी। इससे रामसागर की घटनास्थल पर ही मौत हो गई है।स्थानीय लोगों ने बताया कि सूर्यदेव महतो पिछले 40 सालों से अलग रह रहा था। सूर्यदेव महतो और उसके भाई चैनपुर के कोसियारा में रह रहे थे। रामसागर महतो ने करीब चार साल पहले अपने एक रिश्तेदार के बच्चे को गोद ले लिया था। एक नतनी को अपने पास रखते थे। कुछ दिनों पहले रामसागर महतो ने करीब 72 डिसमिल जमीन अपने नतनी के नाम कर दिया था और कुछ जमीन गोद लिए हुए बच्चे के नाम कर दिया था। इस मामले को लेकर सूर्यदेव महतो अपने पिता रामसागर महतो के खिलाफ पलामू कोर्ट में मुकदमा दायर किया था।पिछले कुछ महीने पहले इसी जमीन विवाद की कोर्ट में सुनवाई हो रही थी। गुरुवार को कोर्ट में सुनवाई थी। रामसागर महतो गोद लिए हुए बच्चे के साथ सोया हुआ था। इसी दौरान सूर्यदेव महतो ने उसे गोली मारी। ग्रामीणों ने बताया कि रामसागर के तीन बेटे हैं। इसमें सबसे बड़ा बेटा सूर्यदेव महतो है। सूर्यदेव महतो अपने दो भाइयों के साथ ननिहाल में रहता था। जिस कारण रामसागर महतो ने बच्चे को गोद ले लिया था। सूर्यदेव महतो बच्चे का विरोध कर रहा था। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस पहुंची। एसडीपीओ सुरजीत कुमार ने बताया कि जमीन विवाद में घटना को अंजाम दिया गया है।

वोटर कार्ड को आधार कार्ड से जोड़ने के लिए जागरूकता रथ रवाना

मेदिनीनगर (आजाद सिपाही)। मतदाता पहचान पत्र को आधार कार्ड से जोड़ने को लेकर गुरुवार को समाहरणालय परिसर से जागरूकता रथ को जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त आंजनेयुलू दोड्डे ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।उपायुक्त ने बताया कि यह जागरूकता कार्यक्रम निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार शुरू किया गया है।साथ ही यह जागरूकता रथ जिले के सभी 21 प्रखंडों सहित सभी पंचायतों में जाकर आमलोगों को उनके वोटर कार्ड को आधार से जोड़ने हेतु जागरूक करेगा।निर्वाचन आयोग ने अग्रिम तौर पर योग्य आवेदक पंजीकरण के लिए अर्हता तिथियों एक अप्रैल,एक जुलाई एवं एक अक्टूबर के अनुसार अपना आवेदन अग्रिम तौर पर फार्म-छह (वोट लिस्ट में नया नाम जोड़ने हेतु) समर्पित कर सकते हैं।वार्षिक संक्षिप्त पुनरीक्षण के दौरान मतदाता सूची में प्रारूप प्रकाशन की तिथि एक जनवरी के संदर्भ में होगी साथ ही बताया कि मतदाता पुनरीक्षण के दौरान अग्रिम दावा समर्पित करने की सुविधा युवा नागरिकों के लिए एक अतिरिक्त सुविधा है। इस अवसर पर उपनिर्वाचन पदाधिकारी शैलेश कुमार सिंह,सभी निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी,सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी समेत अन्य उपस्थित थे।

मतदाता घर बैठे ही जोड़ सकेंगे दोनों कार्ड

इस अवसर पर उप निर्वाचन पदाधिकारी शैलेश कुमार सिंह ने बताया कि कोई भी मतदाता घर बैठे अपने दोनों कार्ड को लिंक करा सकते हैं इसके लिये उन्हें अपने इलाके के बीएलओ को आधार और वोटर आइडी नंबर देना होगा।बीएलओ दस्तावेज को वेरिफाई करके वोटर आइडी को आधार से लिंक कर देंगे।

डॉ. मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया के जन्मदिवस पर मनाया गया अभियंता डे

हरिहरगंज/पलामू (आजाद सिपाही)। हरिहरगंज नगर क्षेत्र के अंतर्गत भगत तेंदुआ चित्रांश आइटीआइ कॉलेज में गुरुवार को डॉ. मोक्षगुंडम विश्वे श्वरैया के जन्म दिवस पर अभियन्ता डे मनाया गया।एसआरएम चित्रांश आइटीआइ कॉलेज के प्राचार्य चंदन प्रजापति ने बताया कि भारत में प्रति वर्ष 15 सितंबर को अभियंता दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसी दिन भारत के महान अभियंता व भारत रत्न डॉ. मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया का जन्म दिवस मनाया जाता है। डॉ. मोक्षगुंडम भारत के महान अभियंताओं में एक थे। इन्होंने ही आधुनिक भारत की रचना की और भारत को नया रूप दिया। साथ ही छात्र व छात्राओं को कहा कि आज के टेक्निकल युग में सभी विद्यार्थियों को टेक्नीकल की शिक्षा लेना चाहिए। मौके पर प्राचार्य चंदन प्रजापति, शिक्षक विनीत कुशवाहा, विद्दू वैध व सोनू कुमार, विक्की कुमार ने विधार्थियों को डॉ. मोक्षगुंडम के जीवनी व इंजीनियर डे के बारे में विस्तार से बताया। बाद में 40 पास आउट विद्यार्थियों को मार्क सीट व फाईनल सर्टिफिकेट वितरण किया गया। इस मौके पर मुरारी विश्वकर्मा, रामाधार पासवान के अलावे विद्यार्थी सुजीत कुमार, विजेंद्र रजक, राज कुमार, मनीष कुमार,अजित कुमार, रोहित पासवान, सुमंत कुमार, पप्पू कुमार, सहेंद्र कुमार, चंदन कुमार सहित कई लोग मौजूद थे।

1932 का खतियान लागू होने पर पलामू झामुमो ने बांटी मिठाई

मेदिनीनगर (आजाद सिपाही)। झारखंड सरकार के 1932 आधारित खतियान लागू करने की खुशी में झारखंड मुक्ति मोर्चा पलामू के सभी नेताओं ने गुरुवार को डाल्टनगंज में जुलूस निकाल कर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का धन्यवाद किया और लोगों को मिठाई खिला कर खुशीयों को बांटा। सबों ने जम कर एक दूसरे को अबीर गुलाल लगाया और पूरे शहर में आतिशबाजी की। इस जुलूस का नेतृत्व जिलाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद सिन्हा एवं जिला सचिव सन्नू सिद्धिकी ने किया। जिलाध्यक्ष राजेंद्र सिन्हा ने कहा कि हेमंत सोरेन जी का बहुत बहुत धन्यवाद आपने जो कहा,वो किया। झारखंड की जनता के लिए सबसे महत्वपूर्ण 1932 का खतियान लागू कराने का कदम राज्य के विकास में और यहां के मूलवासियों को आगे बढ़ाने में बहुत मददगार साबित होगा। सचिव सन्नू सिद्धिकी ने कि कहा झारखंड के लोगों की मांग जिस तरह से पूरी की जा रही है।आज लोगों का भरोसा हेमंत सोरेन में और बढ़ा है।ओबीसी आरक्षण और 1932 आधारित खतियान लाने से आम जन मानस में खुशी की लहर फैल गई है। सरकार द्वारा सभी महत्वपूर्ण मुद्दों पर काम किया जा रहा है। विपक्षी अब समझ चुके हैं की झारखंड में उनके दिन समाप्त हो चुके हैं। सरकार को गिराने की साजिशें करने वाले अब हेमंत सोरेन के सामने दुबके नजर आ रहे हैं। युवा नेता सन्नी शुक्ला ने कहा 1932 लागू होने स्थानीय युवाओं में अब अलग जोश है। हेमंत सोरेन की सरकार कल्याणकारी फैसले लेने वाली सरकार है। विपक्षियों के सभी सारे राजनैतिक समीकरण ध्वस्त हो चुके हैं। इस निर्णय का प्रभाव झारखंड की राजनीति पर एक लंबे समय तक दिखाई देगा और लोगों को असंख्य लाभ मिलेगा। केंद्रीय कार्य समिति सदस्य संजीव तिवारी ने कहा आज हमारी वर्षों पुरानी मांग पूरी हुई है। इसका श्रेय हेमन्त सोरेन सरकार को जाता है। लोगों की आवाज सुनने के लिए मुख्यमंत्री जी को धन्यवाद। झारखंडी लोगों के लिए फैसला लेने का जज्बा सिर्फ हेमन्त सोरेन में है। इस जुलूस में केंद्रीय कार्यसमिति सदस्य सुनील तिवारी, संजीव तिवारी, कोषाध्यक्ष रमेश सिंह, युवा नेता सन्नी शुक्ला, नीतीश तिवारी, अविनाश देव, जिला उपाध्यक्ष अफसर रब्बानी, बीस सूत्री सदस्य राकेश सिन्हा, अल्पसंख्यक अध्यक्ष शाहबाज आलम, परवेज अख्तर, देवानंद भरद्वाज, सद्दाम बादशाह, संजय चंद्रवंशी सुनील उरांव, कलाम नेता, कौशल आरा, सुशीला मिश्र के नेतृत्व में सैकड़ों महिलाएं तथा कई झामुमो के कार्यकर्ता मौजूद थे।

बीडीओ ने करायी पुष्पांजजि सहायता समूह पर प्राथमिकी दर्ज

हुसैनाबाद (आजाद सिपाही)। हुसैनाबाद बीडीओ सह प्रभारी एमओ रतन कुमार सिंह ने पुष्पांजली सहायता समूह के खिलाफ हुसैनाबाद थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है।दर्ज प्राथमिकी में कहा गया है कि दंगवार पंचायत के कार्डधारियों ने पंचायत के मुखिया व पंचायत सचिव से लिखित शिकायत की थी की पुष्पांजली स्वयं सहायता समूह द्वारा माह जुलाई 2022 का प्रधानमंत्री गरीब योजना के तहत मिलने वाला आनाज अब तक नहीं दिया गया,इस शिकायत के आधार पर पुष्पांजली स्वयं सहायता समूह के दुकान की जांच की गई। जांच के क्रम में समूह के द्वारा कोई पंजी, भंडाराण पंजी,वितरण पंजी उपलब्ध नहीं कराया गया और कहा की कार्यालय में आकर दिखा देंगे,पर समूह द्वारा कोई भी पंजी उपलब्ध नहीं कराया गया। पुष्पांजली समूह द्वारा हुसैनाबाद एफसीआई गोदाम से जुलाई माह का करीब 55 क्विंटल अनाज का उठाव कर उक्त समूह द्वारा गबन कर दिया गया है।

फोटो वर्कशॉप में फोटोग्राफरों को नयी तकनीक की दी गयी जानकारी

मेदिनीनगर (आजाद सिपाही)। पलामू फोटो एसोसिएशन के द्वारा गुरुवार को साहित्य समाज मोड़ स्थित सेलिब्रेशन हॉल में फोटोग्राफरों के लिए फोटो-वीडियो के वर्कशाप का आयोजन किया गया। वर्कशॉप में करीब 50 फोटोग्राफरों को नई तकनीक का प्रशिक्षण और नए प्रोडक्ट की जानकारी दी गई। कैनन की तरफ से एसएसओ राज कुमार दास ने वर्कशॉप कंडक्ट कराया। कैनन के बीडीएम दीपांकर चक्रवर्ती, शेखर उपाध्याय भी उपस्थित थे। पलामू फोटो एसोसिएशन के द्वारा दूसरा वर्कशॉप का आयोजन किया गया है। एसोसिएशन के अध्यक्ष विनय सिन्हा ने कहा कि शॉप आयोजित करने का मकसद स्थानीय फोटोग्राफरों को फोटोग्राफी क्षेत्र के नई तकनीकों से परिचित कराना है। आज के दौर में नए तरीके के टेक्नालॉजी से लेश कैमरे आ गए है उसकी की बेहतर जानकारी देना है। एसोसिएशन के संरक्षक विजय कश्यप ने धन्यवाद ज्ञापन किया। उन्होंने रांची से आई टीम को धन्यवाद करते हुए कहा कि उन्होंने बहुमूल्य समय निकालकर पलामू के फोटोग्राफरों को अपना वक्त दिया। उन्होंने वक्त वक्त पर वर्कशॉप आयोजन करने की बात कही ताकि फोटोग्राफरों को काफी मदद मिल सके। पलामू से विजय कश्यप, अनुज कुमार, प्रेम गुप्ता, मृत्युंजय कुमार, प्रेम प्रकाश साहू, उमेश कुमार, राजा कुमार गुप्ता, मनोज विश्वकर्मा, संजय सोनी,अखिलेश कुमार,अमन कुमार,बिंदा कुमार, प्रमोद कुमार गुप्ता, आदित्य कुमार, जितेंद्र कुमार सिंह, अखिलेश कुमार, रवि, मनोज आदि शामिल हुए।

प्रधानमंत्री के जन्मदिन को सेवा पखवाड़ा सप्ताह के रूप में मनाया जायेगा : डॉ एसबीपी मेहता

पलामू (आजाद सिपाही)। गुरुवार को नीलाम्बर पितांम्बरपुर स्थित मौर्या फार्म हाउस में भाजपा का सेवा सप्ताह पखवाड़ा कार्यक्रम को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक किया गया। बैठक की अध्यक्षता नीलाम्बर पितांम्बरपुर के मंडल अध्यक्ष जितेन्द्र तिवारी ने किया। इस दौरान पांकी विधायक डां शशिभूषण मेहता ने कहा की जिला स्तर से लेकर बूथ स्तर तक मोदी पुस्तक का विमोचन, रक्तदान शिविर, स्वास्थ्य शिविर, कृत्रिम अंग एवं उपकरण वितरण, टीबी मुक्त राष्ट्र, कोविड टीकाकरण, वृक्षारोपण, स्वच्छता,जल ही जीवन अभियान, मन की बात, पं. दीनदयाल उपाध्याय जयंती, वोकल फॉर लोकल, प्रबुद्धजन एवं बुद्धिजीवी सम्मेलन, एक भारत श्रेष्ठ भारत, वृद्धजनों एवं जरूरतमंदों की सहायता व सेवा के अलावा जनसेवा के अन्य कई कार्यक्रम किया जाएगा। बैठक में भाजपा जिला महामंत्री सुरेन्द्र विश्वकर्मा, महिला मोर्चा की प्रदेश प्रवक्ता लवली गुप्ता, प्रो. बचन ठाकुर, सांसद प्रतिनिधि ललित मेहता, नीलांबर-पीतांबरपुर के सांसद प्रतिनिधि अरुण सिंह, रंजय ठाकुर, लोहारसी मंडल उपाध्यक्ष संजय चंद्रवंशी, ओबीसी मोर्चा जिला अध्यक्ष शंकर गुप्ता, अमित तिवारी, उपाध्यक्ष मनीष भिवानीया,पांकी सांसद प्रतिनिधि सत्यप्रकाश पांडेय उर्फ चुनमुन पांडेय, विधायक प्रतिनिधि प्रकाश मेहता, पांकी विधायक प्रतिनिधि सुनील प्रसाद गुप्ता,मनोज सिन्हा सहित सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर सेवा पखवाड़ा मनाने को लेकर भाजपा की हुई बैठक

मेदिनीनगर (आजाद सिपाही)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्म दिवस के मौके पर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के निर्देश पर मनाए जा रहे सेवा पखवाड़ा के तहत गुरुवार को भाजपा डालटनगंज विस के सभी मंडल अध्यक्ष, मंडल प्रभारियों एवं आगामी कार्यक्रमों के प्रभारी की बैठक जिला कार्यालय पलामू में आयोजित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला महामंत्री श्याम बाबू ने किया एवं कार्यक्रम का संचालन नगर अध्यक्ष मेदिनीनगर अविनाश सिन्हा छोटू ने किया। मुख्य अतिथि के रूप में डालटेनगंज भंडारिया विधानसभा क्षेत्र के विधायक आलोक चौरसिया मौजूद रहे। सेवा पखवाड़ा 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक मनाया जाएगा। इस दौरान ब्लड डोनेशन कैंप, हेल्थ चेकअप कैंप, नरेन्द्र मोदी के सफल राजधर्म के 20 साल पर चित्र प्रदर्शनी, वृक्षारोपण समेत अन्य कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपमहापौर मेदिनीनगर मंगल सिंह, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अविनाश वर्मा, जिला मंत्री धीरेंद्र दुबे, जिला सोशल मीडिया प्रभारी सोमेश सिंह, ग्रामीण मंडल अध्यक्ष सुनील पांडे, चैनपुर मंडल अध्यक्ष शशि भूषण पांडे,पथरा मंडल अध्यक्ष सिकंदर चौधरी, दीपक सिंह, किशन मखड़िया, संयुक्ता कुमारी, ज्योति कुमारी, रेखा देवी, दीपक सिन्हा, विक्रांत सिंघानिया, विकास सिंह, अनिमेष सिंह, राहुल अग्रवाल, रंजीत चंद्रवंशी, शुभक तिवारी, छोटू सिंह, आशीष सिंह, अमर मिश्रा, रंजन पाठक, सुमन सिंह, मुकेश प्रजापति, राजेश सिंह, विनोद बैठा, दीनानाथ मांझी, बैजनाथ शर्मा, विजय बैठा, मनोज मेहता, रामलाल प्रसाद, मनीष पांडे, श्रवण चंद्रवंशी, धीरज गुप्ता,सुदेश्वर चौधरी,विनोद रवि एवं काफी संख्या में भाजपा के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

Govt. of Jharkhand
Energy Department
Jharkhand Renewable Energy Development Agency (JREDA)
3rd Floor, S.L.D.C. Building, Kusai Colony, Doranda, Ranchi-834002.
Ph.: 0651-2491161, Fax: 0651-2491165,
E-mail: info@jreda.com; Website: www.jreda.com

e-Procurement Notice
Tender reference no.: 18/JREDA/SHMLS/22-23 Dated: 13.09.2022

1	Name of the work	Supply, Installation, Testing & Commissioning including 5 years Comprehensive Maintenance Contract (CMC) of LED based Solar High Mast Lighting Systems (SHLMSs) with Lithium Ferro Phosphate Battery on Turnkey basis across the state of Jharkhand.
2	Total quantity (Nos.)	445 Nos.
3	Estimated cost (Rs.)	10,00,00,000/-
4	Period of Completion	04 (Four) Months
5	Contract Period	05 (Five) Years
6	Date of publication of NIT on website: http://jharkhandtenders.gov.in	**19.09.2022 (Monday)**
7	Date & time of Pre-bid meeting	**28.09.2022 (Wednesday)** at 2.00 P.M.
8	Last date & time for receipt of online bids	**10.10.2022 (Monday)** upto 05:00 PM
9	Submission of original copies of Bid fee & EMD (Offline)	**10.10.2022 and 11.10.2022** up to 5.00 P.M.
10	Technical Bid Opening Date	**12.10.2022 (Wednesday)** at 3.00 P.M.
11	Name & address of office inviting tender	Director, Jharkhand Renewable Energy Development Agency(JREDA) 3rd Floor, SLDC Building, Kusai, Doranda, Ranchi- 834002 (Jharkhand)
12	Contact no. of procurement officer	0651-2491163/67/61/7903935514
13	Helpline no. of e-procurement	0651-2491163/67/61

Any corrigendum/addendum can be seen on website: http://jharkhandtenders.gov.in & www.jreda.com. Further details can be seen on website: http://jharkhandtenders.gov.in **&** www.jreda.com
Sd/-
Director
JREDA, Ranchi
PR 277840 Energy (22-23)_D

स्पोर्ट्स

23 अक्टूबर को होने वाले भारत-पाकिस्तान के मैच के सभी टिकट बिक गए है

एथलेटिक्स में भाग लेनेवाली 12 सदस्यीय झारखंड टीम घोषित

रांची (आजाद सिपाही)। गुजरात में 29 सितंबर से 12 अक्टूबर तक होनेवाली 36वीं राष्ट्रीय खेल के लिए एथलेटिक्स स्पर्धा के लिए झारखंड की टीम फाइनल हो गयी है। टीम का चयन विभिन्न राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में बेहतर परिणाम के आधार पर एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा किया गया है। इसके तहत झारखंड के नौ एथलीटों को इंट्री दी गयी है।

16 से 25 सितंबर तक प्रशिक्षण शिविर

झारखंड ओलंपिक संघ के महासचिव सीडी सिंह के मुताबिक जिन खिलाड़ियों को जगह मिली है। उनमें अंतरराष्ट्रीय एथलीट सपना कुमारी (रामगढ़), फ्लोरेंस बारला, आशा किरण बारला (भाटिया अकादमी, बोकारो), सुप्रीति कच्छप (गुमला) और प्रियंका केरकेट्टा (रांची) भी शामिल हैं। साथ ही इसमें राष्ट्रीय पदक विजेता अनुरूपा कुमारी (गुमला), सदानंद कुमार (हजारीबाग), विजय लकड़ा (सिमडेगा), आशू कुमार सिंह (साई, रांची) भी रखे गये हैं. टीम के प्रशिक्षक के तौर पर आशू भाटिया (वर्ल्ड एथलेटिक लेवल 2 कोच, भाटिया अकादमी, बोकारो), योगेश प्रसाद यादव (वर्ल्ड एथलेटिक लेवल 2 कोच, आवासीय बालक एथलेटिक्स प्रशिक्षण केंद्र, साहेबगंज) को जोड़ा गया है. इसके अलावा टीम मैनेजर के तौर पर टीम के संग सुजापा ठाकुर (आई.एस.एम, धनबाद) को रखा गया है। महासचिव के मुताबिक टीम के सभी चयनित खिलाड़ियों को कल प्रातः टीम प्रशिक्षक को रिपोर्ट करना है। उनके लिए 16 से 25 सितंबर तक मोरहाबादी, रांची में प्रशिक्षण शिविर आयोजित होगा।

टी-20 वर्ल्ड कप में भारत का पहला मैच 23 अक्टूबर को

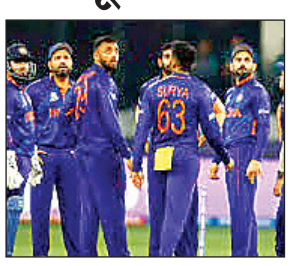

ऑस्ट्रेलिया । ऑस्ट्रेलिया में होने जा रहे आईसीस टी-20 वर्ल्ड कप 2022 के लिए क्रिकेट फैंस का उत्साह चरम पर है। खासतौर पर इंडिया और पाक के फैंस भारत-पाकिस्तान के मुकाबले का इंतजार कर रहे हैं। इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि 23 अक्टूबर को होने वाले भारत-पाकिस्तान मैच के लिए सारे टिकट कुछ मिनटों में बिक गए। यूं तो टी-20 वर्ल्ड कप 16 अक्टूबर से शुरू हो रहा है, लेकिन इस टूर्नामेंट में भारत का पहला मुकाबला 23 अक्टूबर को है। इस मैच में इंडियन क्रिकेट टीम पाकिस्तान के खिलाफ मैदान पर उतरेगी। यह रोमांचक मैच मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर खेला जाएगा। आईसीसी ने टूर्नामेंट में होने वाले सभी मैचों के टिकट की बिक्री वेबसाइट पर शुरू कर दी है। क्रिकेट फैंस की उत्सुकता का आलम ये है कि बिक्री शुरू होने के चंद मिनटों में ही 23 अक्टूबर को होने वाले भारत-पाकिस्तान के मैच के सभी टिकट बिक गए। इतना ही नहीं एडिशनल स्टैंडिंग रूम के टिकट बिकने में भी ज्यादा समय नहीं लगा।

महत्वपूर्ण न्यूज

झारखंड के वीर शहीदों व अमर बलिदानियों का सपना हुआ साकार : उमाकांत रजक

बोकारो (आजाद सिपाही)। झारखंड के वीर शहीदों, अमर बलिदानियों और आंदोलनकारियों का सपना एक लंबे जन संघर्ष के बाद साकार हुआ है। खतियान ही झारखंडी माटी की पहचान है। खतियान ही हमारे पूर्वजों की परंपरा, पहचान और संस्कृति को अक्षुण्ण रखने की बुनियादी कड़ी है। उक्त बातें पूर्व मंत्री उमाकांत रजक ने कही। वो झारखंड सरकार द्वारा 1932 खतियान के आधार पर स्थानीयता को परिभाषित करने का प्रस्ताव कैबिनेट में पास होने के अवसर पर अपने आवासीय कार्यालय में प्रेस वार्ता को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि निश्चित रूप से हमारी पहचान 1932 का खतियान है, जो माय, माटी और रोजगार से जुड़ी हुई है। उमाकांत रजक ने कहा कि झारखंड राज्य आसानी से नहीं मिला है। हजारों लोगों ने कुर्बानियां दी है, शहीद हुए हैं। अलग झारखंड राज्य आंदोलन में खुद मैं भी नौ बार जेल गया हूं। लंबे संघर्षों और जन आंदोलनों के बाद आदिवासी-मूलवासियों को हक और अधिकार मिला है। रजक ने कहा कि झारखंड का निर्माण झारखंडियों के लिए हुआ है। भाषा, साहित्य, परंपरा, हमारी अस्मिता को अक्षुण्ण रखने के लिए ही आंदोलनकारियों द्वारा लंबी लड़ाई लड़ी गई थी। ओबीसी को 27 फीसदी आरक्षण वाजिब हक है। झारखंड सरकार के इस निर्णय का हम स्वागत करते हैं। इस मौके पर केंद्रीय सचिव बधन शर्मा, जिला प्रधान सचिव तपन सिंह चौधरी, अशोक महतो, प्रकाश शर्मा, भोलानाथ शर्मा, नरेश महतो, अक्षय शर्मा आदि उपस्थित थे।

हेमंत सरकार ने झारखंडियों को दिलाया अधिकार: मथुरा

राजगंज (आजाद सिपाही)। झारखंड में 1932 खतियान लागू होने पर झामुमो नेताओं ने विधायक मथुरा प्रसाद महतो को पुष्प गुच्छों देकर स्वागत किया। झारखंड सरकार के कैबिनेट में 1932 खतियान पास होने पर खुशी का माहौल है। टुंडी के लोगों ने विधायक मथुरा प्रसाद महतो को पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया। इस दौरान विधायक ने कहा कि बिहार से झारखंड अलग होने के बाद भी झारखंडवासियों को उनका मूल अधिकार नहीं मिला था। अब हेमंत सरकार ने झारखंडवासियों को अधिकार दिलाने का काम किया है। इस मौके पर झामुमो के जिला सचिव पवन महतो, प्रखंड प्रभारी रविंद्र महतो, युवा नेता विकाश महतो, गोविंद महतो, भैरव रजक, मो शाहजहां, दिवाकर तिवारी, शनिचर टुडू और जितेंद्र टुडू आदि थे।

हेमंत सरकार ने बचायी झारखंडियों की पहचान : काशीनाथ

जरीडीह बाजार/बेरमो। हेमंत सोरेन सरकार के मंत्रीमंडल में बुधवार को 1932 के खतियान आधारित स्थानीय नीति बनाने के फैसले का विस्थापित नेता काशीनाथ केवट ने स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को धन्यवाद दिया है। उन्होने कहा कि कैबिनेट की बैठक में मुहर लगने के बाद अब यह विधेयक विधानसभा में पेश होगा। वहां से पास होने के बाद राज्यपाल के पास जाएगा। राज्यपाल के हस्ताक्षर होते ही 1932 आधारित स्थानीयता झारखंड में प्रभावी हो जाएगा। सत्ता में काबिज होने से पहले हेमंत सोरेन ने जनता से जो वादा किया था उसे पूरा किया है। झारखंड के आदिवासियों एवं मूलवासियों की सबसे बड़ी मांग को पूरा कर हेमंत सरकार ने मुख्य विपक्षी पार्टी भाजपा का मुंह बंद कर दिया है। उन्होने कहा कि हेमंत सरकार के इस निर्णय से सर्वोच्च न्यायालय के दो जनवरी 2002 के उस फैसले का भी सम्मान हुआ है जिसमें कहा गया है कि कोई भी भारतीय नागरिक दो राज्यों का निवासी नहीं हो सकता। उन्होंने मांग किया है कि रोजगार के सवाल पर आंध्र प्रदेश की तर्ज पर झारखंड में स्थानीय लोगों को प्राथमिकता दिया जाय।

मैथन की अग्निशमन यूनिट में मॉक ड्रिल

चिरकुंडा (आजाद सिपाही)। मैथन दामोदर घाटी कारपोरेशन (डीवीसी) सीआइएसएफ अग्नि ईकाई की ओर से गुरुवार को सीएसओ के रामानुज भवन प्रांगण में मॉक ड्रिल किया। जिसमें डीवीसी के कर्मचारियों को यह बताया गया कि घर, कार्यालय या अन्य स्थानों पर आग लगने से जान माल की रक्षा के साथ ही आग पर काबू किस प्रकार पाया जा सकता है। इस दौरान प्रत्यक्ष प्रदर्शन भी दिया गया। इस मौके पर कार्यपालक निदेशक अंजनी दूबे, उपमहाप्रबंधक (प्रशासन) अभय श्रीवास्तव, उप कमांडेंट पीके विश्वकर्मा, सहायक कमांडेंट अग्नि उमेश कुमार सिन्हा, इंस्पेक्टर जॉमून जॉशेप, मनोज कुमार आदि शामिल थे।

जनसमस्याओं को लेकर सांसद-विधायक ने डीवीसी चेयरमैन के साथ की बैठक

समस्याओं को दूर करें : पीएन सिंह

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। डीवीसी पंचेत से जुड़ी जनसमस्याओं को लेकर सांसद पीएन सिंह और विधायक अपर्णा सेन गुप्ता ने गुरुवार को कोलकाता में डीवीसी के चेयरमैन रामनरेश सिंह के साथ बैठक की। जिसमें सांसद पीएन सिंह और विधायक अपर्णा ने प्रबंधन से समस्याओं का समाधान करने का आग्रह किया। इस पर चेयरमैन ने मांगों पर जल्द पहल करने का भरोसा दिलाया। मांगों में कहा गया कि पेंशनरों को आवास खाली करने का नोटिस दिया गया है। आदेश को निरस्त कर उन्हें आवास आवंटित किया जाए। डीवीसी पंचेत में आवंटित जमीन का ट्रांसफर बंद कर दिया

कोलकाता में डीसीवी के चेयरमैन के साथ बैठक करते सांसद पीएन सिंह, विधायक अपर्णा व अन्य।

गया है, इसे पुनः चालू कराया जाए। दूसरे को दिए गए दुकानों को आवंटित कर मीटर लगाया जाए। मीटर लगाए जाने के बाद भी डीवीसी बिना नोटिस दिए दुकानदारों की बिजली काटे जाने पर रोक लगाई जाए। 1998 में अतिक्रमण हटाए जाने के दौरान किए प्रबंधन द्वारा गए वादा के अनुसार दुकानदारों को दुकान पुनः आवंटित किया जाए। ट्रांसफार्मर जलने पर दुकानदारों व ग्रामीणों को दोषी ठहराया जाता है, इसलिए स्टॉफ और अफसरों की भी मीटर जांच किया जाए। पंचेत डीवीसी अकाउंट ऑफिस को मैथन ट्रांसफर न कर यही रहने दिया जाए आदि शामिल हैं। मौके पर मेंबर सेक्रेटरी जॉन मथाई, निदेशक (एचआर) राजीव रंजन, सांसद प्रतिनिधि जयराम शाह, रवींद्र शहानी, पेंशनर्स समाज अर्जुन पाठक विकल, प्रदीप सिंह, जिलाध्यक्ष भरत यादव, राहुल तिवारी, रंजन सिंह, असीम चक्रवर्ती, बादल प्रसाद, श्रवण प्रसाद, उज्ज्वल घटक, कंटैक्ट टीचर एनके चौधरी, प्रमीला देवी सहित ड्डाजपा, पेंशनर्स फोरम, पेंशनर्स समाज, कंटैक्ट टीचर के प्रतिनिधि आदि थे।

जर्जर सड़क मार्ग को लेकर रागिनी सिंह ने डीसी को लिखा पत्र

धनबाद (आजाद सिपाही)। भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रागिनी सिंह ने राष्ट्रीय उच्च पथ प्रमंडल कार्यपालक अभियंता एवं धनबाद के डीसी को पत्र लिखकर दुगार्पूजा को ध्यान में रखते हुए जर्जर सड़कों की मरम्मति करवाने की अपील की है। पत्र में बताया कि विगत चार महिनों से बैंक मोड़ से जोरापोखर थाने तक का हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है। इससे प्रतिदिन दुर्घटनाएं भी हो रही है। कुछ लोगों की मौत भी हो चुकी है। अगले कुछ दिनों में पर्व-त्योहार शुरू हो जायेंगें। इसे ध्यान में रखते हुए सड़क की मरम्मति करवाई जाए। जिससे संभावित दुर्घटनाओं को कम किया जा सके।

झारखंड की जनता का पैसा लूटने नहीं दिया जायेगा: रमेश

धनबाद (आजाद सिपाही)। एग्यारकुण्ड प्रखंड के पास ग्रामीण विकास फंड से सीओ, बीडीओ, कर्मियों के रहने के लिये निमार्णाधीन भवन का झामुमो के जिलाध्यक्ष रमेश टुडू ने गुरुवार को जायजा लिया। निर्माण में घटिया सामग्री का उपयोग का आरोप लगाते हुए काम बंद करा दिया। गहरी नाराजगी जतायी। कई पिलर में दरारें आ गयी है जिसे प्लास्टर कर छिपाया जा रहा है।टुडू ने कहा कि झारंण्ड की जनता का पैसा लूटने नहीं दिया जायेगा। वरीय पदाधिकारियों से शिकायत की जायेगी। इस दौरान निर्माण में लगे मजदूरों ने टुडू के समक्ष हंगामा किया। कहा कि बीस दिनों से मजदूरी नहीं मिली है। मांगने पर काम से हटाने व बकाया नहीं देने की बात की जाती है। बंधुआ मजदूर की तरह मनमाना मजदूरी देकर उनसे काम कराया जाता है। कहा कि बारिश होने पर मजदूरी काट ली जाती है। जब भी काम को रोका गया है उन्हें मजदूरी नहीं दी गयी है। इसपर टुडू ने ठेकेदार को जमकर फटकार लगायी और मजदूरों का बकाया जल्द भुगतान करने को कहा।

तालाब में डूबने से सीसीएल कर्मी की मौत

चंद्रपुरा (आजाद सिपाही)। थाना अंतर्गत मकोली ओपी क्षेत्र के नीचे धौड़ा स्थित तालाब में डूबने से सीसीएल कर्मी की मौत हो गई। मृतक की पहचान अस्पताली उरांव के रूप में हुई है। जानकारी के मुताबिक वह गुरुवार की सुबह टहलने के लिए तालाब की ओर गया। इसी क्रम में उसे मिर्गी आ गई। जिससे वह तालाब में गिर कर डूब गया। जब काफी देर होने पर भी वह घर वापस नहीं लौटा तो परिजनों ने खोजबीन शुरू की। इसी क्रम में देखा की तालाब के पानी के ऊपर में शव तैर रहा है। उधर, सूचना पाकर पुलिस पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

पत्नी को आत्महत्या करने के लिए प्रेरित करने वाला पति दोषी करार

तेनुघाट (आजाद सिपाही)। तेनुघाट व्यवहार न्यायालय के जिला जज द्वितीय अनिल कुमार ने पत्नी को आत्महत्या के लिए प्रेरित करने वाले पति सोहन रविदास को दोषी पाया है। इसके बाद दोषी सोहन को तेनुघाट जेल भेज दिया गया। अभियोजन पक्ष की ओर से अपर लोक अभियोजक विजय कुमार साहू ने बहस किया। बतातें चलें कि नावाडीह थाना अंतर्गत कोचवा टांड़ निवासी सूचक बिंदेश्वरी लाल दास ने चंद्रपुरा थाना प्रभारी के समक्ष बयान दर्ज कराया था कि उसकी बेटी की शादी 5 अक्टूबर 2017 को चंद्रपुरा थाना अंतर्गत पपलो निवासी सोहन रविदास के साथ हुई थी। शादी के तीन महीने के बाद से ही सूचक की पुत्री को दहेज के लिए प्रताड़ित किया जाने लगा। कई बार समझाया गया मगर प्रताड़ना बंद नहीं हुआ। इसके बाद दो जून 2018 को सूचक की बेटी को उसके पति और ससुराल वालों ने मिलकर कथित रूप से हत्या कर दी। उक्त बयान के आधार पर चंद्रपुरा थाना में मामला दर्ज किया गया। आरोप पत्र समर्पित होने के बाद मामला स्थानांतरित होकर न्यायाधीश अनिल कुमार के न्यायालय में पहुंचा। न्यायालय में उपलब्ध साक्ष्य एवं उभय पक्षों के अधिवक्ता के बहस के बाद आत्महत्या के लिए प्रेरित करने के मामले में सोहन रविदास को दोषी पाया।

भारत जोड़ो यात्रा कार्यक्रम के तहत कांग्रेस ने निकाला जुलूस, की गयी नुक्कड़ सभा

धनबाद (आजाद सिपाही)। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निदेर्शानुसार निरसा प्रखंड कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डीएन प्रसाद यादव के नेतृत्व में गुरुवार को पांड्रा मोड़ से निरसा बाजार हटिया मोड़ होते हुए प्रखंड परिसर तक महंगाई, बेरोजगारी के खिलाफ भारत जोड़ो यात्रा के तहत जुलूस निकाला गया। प्रखंड परिसर पहुंच यात्रा नुक्कड़ सभा में तब्दील हो गई। कार्यकारी जिला अध्यक्ष रवींद्र वर्मा ने कहा कि देश की जनता महंगाई-बेरोजगारी से त्राहिमाम कर रही है। ना नौकरी मिली, ना रोजगार मिला। मिला तो सिर्फ मोदी सरकार से झूठा आश्वासन का नारा दिया गया। वक्ताओं ने कहा कि साल 2024 में इस बार कांग्रेस की ही सरकार बनेगी। क्योंकि देष की जतना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के झूठ और भाजपा सरकार की जन विरोधी नीतियों से उब चुकी है। इस मौके पर धनबाद जिला कार्यकारी अध्यक्ष रविन्द्र वर्मा, प्रदेश प्रतिनिधि सुधांशु शेखर झा, पूर्व जिला परिषद सदस्य दुर्गा दास, पूर्व कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष कपिल देव प्रसाद, पंचायत समिति सदस्य अर्जुन भुईया, संतोष कुमार राय, बबलू दास, जियाउल हुसैन, सोहराब अली, सकलदेव प्रसाद, नकुल मोदी, मंतोष यादव, सागीर अंसारी, राकेश यादव, भास्कर ओझा, मुजाहिद शेख, पप्पू केवट, महिंद्र साहनी, हैदर अंसारी, मिथिलेश कुमार, नंदन भुईयां, श्यामल भंडारी, समीदुल अंसारी, अमित भुईयां, दिनेश मोदी, आशिक अंसारी, डीके पासवान, नीतू कुमारी, रामजी चौहान, नीलू बावरी, मुकेश बरनवाल, दीपक कुमार, अजय पांडे, राहुल कुमार, उत्तम बावरी, विनोद साहनी, वीरेंद्र कुमार आदि उपस्थित थे।

लोदना क्षेत्रीय कार्यालय पर निजीकरण के खिलाफ घेराव कर संयुक्त मोर्चा का प्रदर्शन

आजाद सिपाही संवाददाता

अलकडीहा। बीसीसीएल एनटीएसटी जीनागोरा की लोदना क्षेत्र के विभागीय उत्खनन परियोजना को आउटसोर्सिंग के हवाले किए जाने के खिलाफ गुरुवार को संयुक्त मोर्चा के बैनर तले लोदना क्षेत्रीय कार्यालय पर जोरदार प्रदर्शन किया गया। प्रबंधन विरोधी नारे लगाए गए और पुतला दहन किया गया। यहां बीसीकेयू, जमसं कुंती व बच्चा गुट, झाकोमयू, केआइएमपी, राकोमस, एटक, बीएमएस समर्थित बड़ी संख्या में नेता-मजदूर संयुक्त मोर्चा के बैनर तले क्षेत्र का भ्रमण करते हुए जुलूस के शक्ल में पहुंचे थे। कहा कि लोदना क्षेत्र की एकमात्र विड्ढागीय परियोजना को एक साजिश के तहत आउटसोर्सिंग को

दिया जा रहा है। जबकि इस परियोजना में करीब 2000 से अधिक मजदूर कार्यरत हैं। उत्पादन भी बेहतर होता है। प्रबंधन संसाधन दे तो लक्ष्य से अधिक उत्पादन करके मजदूर दिखाएंगे। विरोध प्रदर्शन के बाद प्रबंधन को ज्ञापन सौंपा गया।

मोर्चा के संयोजक भगवान दास पासवान की अध्यक्षता में आयोजित सभा को हराधन रजवार, युधेश्वर सिंह, मुंद्रिका पासवान, बिनोद पासवान, बिहारीलाल चौहान, सुदर्शन प्रसाद, उमाशंकर शाही, मल्लू सिंह, संजीत सिंह, अनिल सिंह, रायबाबू सिंह, दयाराम यादव, सतेन्द्र गुप्ता, योगेश निषाद, धर्मेंद्र राय, रामनाथ गोप, अजय देव, सुनील राय, शिवकुमार सिंह, सुनील पासवान, सुखलाल मरांडी, कन्हाई सिंह और हरिश्चंद्र सिंह आदि ने भी अपने-अपने विचार रखे।

Office of District Legal Services Authority, Khunti
Mobile No.: 8789697778 E-Mail: khuntidlsa@gmail.com

CORRIGENDAM

No. 01/LADCS/2022/ Date:13th September 2022
previously published by this News Paper PR . NO 276766

NOTICE INVITING APPLICATIONS FOR ENGAGEMENT AS FULL TIME LEGAL AID LAWYERS IN LEGAL AID DEFENSE COUNSEL, THE LAST DATE HAS BEEN EXTENDED TILL 19TH September. OFFICE IN KHUNTI.

The Scheme of engagement along with application form may be downloaded from the official website of DLSA (https://districts.ecourts.gov.in/khunti) and also from Notice board of DLSA Khunti. The duly filled application form along with self-attested copies of documents may be submitted to DLSA, wherein the candidate desires to apply through speed post or in an envelope personally in the office of the Secretary, DLSA on or before **19th September 2022 by 17:00 Hrs** as the previous last date i.e. 10 September 2022 has been extended till 19th September 2022. Any application received after due date shall not be considered.
Note: Applying for engagement does not create any right/ assurance whatsoever.

Secretary
DLSA, Khunti
PR 277857 (Law) 22-23 (D)

उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी का कार्यालय, लोहरदगा
(विकास-शाखा)

विज्ञापन

लोहरदगा जिला के समाहरणालय परिसर अवस्थित जिला कम्प्यूटर प्रशिक्षण केन्द्र, लोहरदगा छात्रों को कम्प्यूटर प्रशिक्षण प्रदान कराने हेतु जिला DMFT मद से निम्नांकित पद पर अनुभवी एवं योग्य कम्प्यूटर प्रशिक्षक की संविदा आधारित अस्थायी नियुक्ति की जानी है :-

क्र	पद का नाम	पदो की संख्या	न्यूनतम योग्यता	निर्धारित मानदेय (प्रतिमाह)
01	Computer Trainer	01	1st division from any recognized University or Institute in following **Degree:**-MCA/MSc(Computer Science)/ B.E. (Comp. Sc.)/ B.Tech. (Comp. Sc.)/BCA/ B.Sc. (Comp. Sc.)/ PGDCA/NEILIT O/A/B/C Qualifier.	25000/-

चयनित कम्प्यूटर प्रशिक्षक को सर्वप्रथम 01 वर्ष के लिए संविदा के आधार पर अस्थायी रूप से नियुक्त किया जायेगा तथा एक वर्ष के कार्यकलापों के मूल्यांकन के पश्चात् संतोशजनक पाए जाने पर ही अगले एक वर्ष हेतु कार्यावधि विस्तार दिया जायेगा। इच्छुक अनुभवी उम्मीदवार दिनांक 30.09.2022 करे 05.00 बजे अपरा0 तक विहित प्रपत्र में अपना वांछित सभी प्रमाण पत्र प्रभारी पदाधिकारी, DMFT, DRDA कार्यालय, जिला परिषद भवन, सदर ब्लॉक के निकट, लोहरदगा PIN 835302 में निबंधित डाक से समर्पित करेंगे।
नोटः-नियुक्ति से संबंधित योग्यता चयन प्रकिया मानेदय, भत्ता, सेवा शर्तो सहित अन्य शर्तो की विस्तृत जानकारी http://www.lohardaga.nic.in पद देखा जा सकता है।

PR277834 (Lohardaga)22-23*D
प्रभारी पदाधिकारी, DMFT, लोहरदगा
उप विकास आयुक्त, लोहरदगा
उपायुक्त, लोहरदगा

तीन किमी दूर कांटा कराने से नाराजगी, बीसीसीएल व आउटसोर्सिंग को करोड़ों का नुकसान

संयुक्त मोर्चा ने किया सिजुआ एरिया का चक्का जाम

आजाद सिपाही संवाददाता

लोयाबाद। मोदीडीह आउटसोर्सिंग कोयले का कांटा तेतुलमारी में करने के विरोध में संयुक्त मोर्चा ने गुरुवार को पूरे सिजुआ एरिया का चक्का जाम कर दिया। जिससे कनकनी का हिलटॉप और राम अवतार आउटसोर्सिंग, बासदेवपुर कोल डंप और बांसजोड़ा साइडिंग, निचितपुर सीएचपी, आउटसोर्सिंग, साइडिंग प्रभावित है। बन्दी से मुख्यालय के अधिकारी भी हरकत में आ गये हैं और जीएम मल्लिक को तत्काल लिंकेज कोल उठाव पर सात दिनों का रोक लगाना पड़ा। इस सम्बंध में उन्होंने एक पत्र भी जारी किया है। संयुक्त मोर्चा के नेताओं में कांग्रेस नेता असलम मंसूरी, राजकुमार महतो, इम्तियाज

प्रबंधन के खिलाफ प्रदर्शन करते संयुक्त मोर्चा के सदस्य

अहमद, कनकनी ग्रामीण एकता मंच के संयोजक हरेंद्र चौहान, ग्रामीण नेता सुरेश महतो, जेएमएम नेता मनोज महतो, पूर्व पार्षद जसीम अंसारी, वरिष्ठ नेता सुखदेव विद्रोही और विकास सिंह ने कहा कि मोदीडीह परियोजन के पास बांसजोड़ा कांटा है। वहां से थोड़ी दूरी पर कनकनी कांटा घर है। दोनों कांटा इस समय खाली है। फिर भी मोदीडीह के कोयले का कांटा यहां से तीन किलोमीटर दूर तेतुलमारी में कराने का आदेश जीएम मल्लिक पारित किए हैं। उनका यह निर्णय विधायक ढुल्लू महतो के दबाव में लिया है। जबकि संयुक्त मोर्चा के नेताओं ने जीएम से मिलकर मांग किया था कि बांसजोड़ा कांटा होना चाहिए। आउटसोर्सिंग, कोल सेल और कोयला उठाव में लोकल लोगों की भागीदारी सुनिश्चित कराया जाए।

आरोप गलत है, अधिक दबाव होने से किया गया स्थानानांतरण : जीएम

इस बाबत जीएम ने कहा कि किसी के इशारे पर कांटा को स्थानांतरित करने का आरोप गलत है। कनकनी कांटा पर अधिक लोड होने के कारण तेतुलमारी स्थानांतरित किया गया है। डेढ माह में मोदीडीह में भी कांटा घर बन कर तैयार हो जाएगा।

लेकिन फिर भी विधायक के इशारे पर तेतुलमारी में कांटा करने का आदेश दे दिया गया।

दूसरी ओर, आंदोलन के दौरान नेताओं ने विभिन्न कोलियरी और परियोजन उत्खनन स्थल पर संयुक्त रूप से गये और वहां प्रदर्शन और नारेबाजी की। चेतावनी दी कि अगर विधायक के इशारे पर स्थानीय लोगों की अनदेखी की गई तो उग्र आंदोलन होगा। अनिश्चितकालीन बंदी की जाएगी। हालांकि जीएम मल्लिक के कोयला उठाव पर रोक जारी करने के बाद, संयुक्त मोर्चा ने फिलहाल बंदी स्थगित कर दी है। इस कारण करीब चार घंटे तक पूरे एरिया के बंदी से बीसीसीएल व आउटसोर्सिंग कंपनियों को एक करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है।

दूसरी ओर, जीएम के आदेश के विरोध में संयुक्त मोर्चा का गठन हुआ और सभी एक मंच पर नजर आने लगे। सभी लोग विधायक ढुल्लू महतो के घोर विरोधी माने जाते है।

कार्यालय जिला परिषद, हजारीबाग।

अति अल्पकालीन ई-निविदा आमंत्रण सूचना संख्या :- 19/2022-23
दिनांक 14/09/2022

मद का नाम :- जिला खनिज फाउण्डेशन ट्रस्ट, हजारीबाग।

क्र0	प्रखण्ड	योजना का नाम	प्राक्कलित राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	अग्रधन की राशि	योजना पूर्ण करने की तिथि
1	2	3	4	5	6	7
		पुनः निविदा				
1	चौपारण	आर0ई0ओ0 रोड सेलहरा कला – सेलहराखुर्द से पी0डब्लू0डी0 रोड नावाडीह तक पथ निर्माण।	9217700.00	10000.00	185000.00	छः माह

1. वेबसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथि 19.09.2022
2. ई-निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय 19.09.22 से 26.09.2022 अपराहन् 5:00 बजे तक।
3. जिला नियंत्रण कक्ष, हजारीबाग में निविदा शुल्क, अग्रधन की राशि जमा करने की तिथि एवं समय 27.09.2022 अपराहन् 3:00 बजे तक।
4. निविदा खोलने का स्थान– जिला परिषद, हजारीबाग।
5. निविदा खोलने की तिथि एवं समय 28.09.2022 पूर्वाहन् 11:00 बजे।
6. निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता – जिला अभियंता, जिला परिषद, हजारीबाग।
7. ई-निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं0-06546 261406 ई-मेल – districtboardhazaribag@gmail.com
8. निविदा शुल्क राष्ट्रीयकृत बैंक द्वारा निर्गत ड्राफ्ट या बैंकर्स चेक जो सचिव, जिला परिषद, हजारीबाग के पदनाम से देय हो देना होगा। साथ ही निविदा प्राप्ति की तिथि को कम से कम दो माह की वैधता होना अनिवार्य है।
9. निविदा की शर्तें कार्यालय के सूचना पट्ट या www.jharkhandtenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

जिला अभियंता,
जिला परिषद, हजारीबाग।
PR 277801 District(22-23)D

वेदांता का एकल सबसे बड़ा 80 हजार करोड़ रुपये का निवेश ओड़िशा में

मेक इन ओड़िशा के प्रोत्साहन से संभव विकास के हम साक्षी हैं: अनिल अग्रवाल

आजाद सिपाही संवाददाता

मुंबई। ओड़िशा सरकार द्वारा मुंबई में आयोजित किये गये 'मेक इन ओड़िशा-2022' रोड शो के बीच वेदांता रिसोर्सेज के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने ओड़िशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक से मुलाकात की। वेदांता ने अब तक अपना सबसे बड़ा लगभग 80 हजार करोड़ रुपये का निवेश ओड़िशा में एल्यूमिनियम उत्पादन, फेरो क्रोम, खनन एवं मूल्य संवर्धन आदि क्षेत्रों में किया है। इतने बड़े पैमाने पर निवेश के साथ ओड़िशा राज्य के सकल घरेलू उत्पाद 1/4 जीडीपी 1/2 में वेदांता का योगदान प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रुपये से लगभग 4 फीसदी का है। आजीविका के लगभग 5 लाख अवसर निर्मित हुए हैं, वहीं राज्य में सैकड़ों सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों को विकसित होने में मदद मिली है। ओड़िशा राज्य के विकास में वेदांता की भागीदारी पर अनिल अग्रवाल ने कहा कि मेक इन ओड़िशा के प्रोत्साहन से होने वाले विकास एवं निर्मित होने वाली संभावनाओं के साक्षी हम 1/4 वेदांता 1/2 हैं। भारत में ओडिशा निवेश की दृष्टि से सबसे अनुकूल राज्यों में शामिल है। राज्य के मुखिया श्री पटनायक ने अपने नेतृत्व, उत्कृष्ट स्थायीत्वपूर्ण शासन प्रणाली और दूरदृष्टि से कारोबार करने की सुगमता का जो वातावरण विकसित किया उसकी झलक इज ऑफ डूइंग बिजनेस ैंकिग में दिखायी देती है। एकल खिड़की निकासी प्रणाली, 5टी फ्रेमवर्क, आधारभूत संरचना विकास परियोजनाओं पर ध्यान केंद्रित किये जाने से निवेशक समुदाय का विश्वास ओड़िशा पर बढ़ा है।

राज्य में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे

सरकार के निरंतर प्रोत्साहन का ही परिणाम है कि एल्यूमिनियम, फेरो क्रोम और खनन व्यवसाय विस्तार के क्षेत्र में हम लगभग 25000 करोड़ रुपये के नये निवेश को अमलीजामा पहनाने की प्रक्रिया में हैं, जिससे राज्य में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और शासन को मिलने वाले राजस्व में बढ़ोत्तरी होगी।

ग्रामीणों की शिकायत का रेल मंत्री ने किया तत्काल समाधान

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार को पुरी में चंदनपुर के पास बीरप्रतापपुर के बच्चों से संबंधित ग्रामीणों की शिकायत का तत्काल समाधान दिया तथा रेल अधिकारियों को ग्रामीणों के साथ-साथ बच्चों की सुविधा के लिए रैंप के साथ एक फुट ओवर ब्रिज का निर्देश दिया। दरअसर रेलवे लाइन के कारण यह गांव में दो भागों में बट गया है। इससे एक ओर से दूसरी ओर आने-जाने में लोगों के साथ-साथ बच्चों को रेलवे लाइन पार करना पड़ता था। विद्यालय जाने में उच्च प्राथमिक विद्यालय के बच्चों को बहुत कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। त्योहारों के दौरान भी लोगों को दिक्कतें होती थीं। दिन-प्रतिदिन की गतिविधियों में बाधा उत्पन्न हो रही थी। किसी भी काम के लिए उन्हें रेलवे लाइन पार करनी पड़ती थी। आज रेल मंत्री वैष्णव ने स्वयं रेल अधिकारियों के साथ गांव का दौरा कर मामले को सुलझाने के लिए ग्रामीणों से चर्चा की। वैष्णव ने अधिकारियों से मौके पर चर्चा की और उन्हें ग्रामीणों की सुविधा के लिए रैंप सुविधाओं के साथ एक फुट ओवर ब्रिज बनाने को कहा। रैंप होने से लोग साइकिलों को लेकर भी आना जाना कर सकते हैं। रेल मंत्री की तत्काल समाधान की घोषणा से ग्रामीणों खुशी की लहर दौड़ गयी है।

सीएम ने बांबे स्टॉक एक्सचेंज के उद्घाटन की घंटी बजायी

आजाद सिपाही संवाददाता

मुंबई/भुवनेश्वर। मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने आज बांबे स्टॉक एक्सचेंज के उद्घाटन की घंटी बजायी। गुरुवार को स्टॉक एक्सचेंज में ट्रेडिंग की शुरूआत नवीन के बेल बजाने से हुई। स्टॉक एक्सचेंज ट्रेडिंग आमतौर पर घंटी बजने से शुरू होती है। जो की आज नवीन ने किया। इस मौके पर बीएसइ के चेयरमैन एसएस मुंद्रा समेत कुछ वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

जेएसपी के प्रबंध निदेशक ने किया सीएसआर कार्य का दौरा

भुवनेश्वर (आजाद सिपाही)। जिंदल स्टील एंड पावर, अंगुल के प्रबंध निदेशक विमलेंद्र झा ने अंगुल में अपनी सीएसआर शाखा जेएसपी फाउंडेशन की विभिन्न सीएसआर सुविधाओं का निरीक्षण किया। श्री झा की यात्रा 'आशा द होप' से शुरू हुई, जहां उन्होंने 94 विशेष रूप से भिन्नक्षम बच्चों और माता-पिता के साथ बातचीत की। आशा द होप सेंटर विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए फिजियोथेरेपी, सेंसोरी इंट्रीग्रेसन चिकित्सा, विशेष शिक्षा और स्पीच चिकित्सा सहायता प्रदान करता है। श्री झा ने डीएवी सावित्री जिंदल स्कूल का दौरा किया और स्थानीय क्षेत्र के स्कूली छात्रों के साथ बातचीत की। श्री झा ने विद्यार्थियों में वैज्ञानिक शिक्षा के प्रति रुचि जगाने के लिए प्रयोगशाला आधारित कक्षायें स्थापित करने की सलाह दी। उन्होंने जिंदल जन जिविका सेंटर में महिलाओं द्वारा किये जा रहे विभिन्न औद्योगिक कार्यों का भी नीरीक्षण किया। उन्होंने इन स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा उत्पादित विभिन्न उत्पादों के लिए बाजार संबंधों को मजबूत करने का सुझाव दिया। श्री झा ने टीम सीएसआर को महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा निर्मित उत्पादों के लिए अधिक जीवंत बाजार लिंकेज के लिए सलाह दी। स्थानीय दृष्टि के लिए हमारे प्रधान मंत्री की 'वोकल फॉर लोकल' योजना के अनुसार महिलाओं द्वारा बनाये गये विभिन्न उत्पादों को वैश्विक बाजार में लाने की आवश्यकता है। इस उत्पाद को और अधिक बिक्री योग्य बनाने के लिए इसके प्रसंस्करण, पैकेजिंग और विपणन में और सुधार करने की आवश्यकता है, श्री झा ने कहा। हम जेएसपी के प्रबंध निदेशक श्री झा के आभारी हैं कि उन्होंने हमारे काम को देखा और इसके विपणन को और बेहतर बनाने के लिए हमारा मार्गदर्शन किया। हमें यकीन है कि उनकी सलाह से हमें अधिक कमाई करने में मदद मिलेगी, शीला बेहरा ने कहा, जो जिंदल जन जीबिका सेंटर में इको-स्पा चलाती हैं।

पूर्व मध्य रेल

ई-निविदा सूचना

ई-निविदा नोटिस सं0-54 ऑफ 2022-23/ खुला/इंजीनियरिंग, डीडीयू। मंडल रेल प्रबन्धक/ इंजीनियरिंग/डीडीयू एवं भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से अनुभवी तथा वित्तीय एवं तकनीकि दृष्टि से सम्पन्न ठेकेदारों के साथ-साथ उन ठेकेदारो से जो रेलवे, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, भारत संचार निगम लिमिटेड, मिलिटरी इंजीनियर सर्विस, लोक निर्माण विभाग तथा अन्य सार्वजनिक उपक्रमों में सूचीबद्ध है, निम्नलिखित कार्य के लिए ऑन लाईन (ई-निविदा) आमंत्रित की जाती हैं। **निविदा सं0-16-डीडीयू-वरमं0 इंजी0-111-22-23 (i) कार्य का नाम एवं लोकेशन:** डीडीयू यार्ड में ओआरएन-2 और ओआरएन-3 (ब्रिज सं0 455,456,737 और 740) का पुनर्निमार्ण/पुनर्वास। **(ii) कार्य का अनुमानित लागत:** ₹ 8826154.79 **(iii) धरोहर राशि:** ₹ 176500.00 **(iv) ई-निविदा बन्द होने की तिथि एवं समय:** 07.10.2022 को 12:00 बजे तक **(v) वेबसाईट पर ई-निविदा की विस्तृत जानकारी:** www.ireps.gov.in नोट:- विवाद की स्थिति में अंग्रेजी पाठ मान्य होगा।

मंडल रेल प्रबन्धक
पूर्व मध्य रेल, पं0 दीन दयाल उपाध्याय
पीआर/01039/डीडीयू/ईन्जी./टी/22-23/28

पूर्व मध्य रेल

धनबाद डिवीजन के अंतर्गत कतरास, बरकाकाना, पतरातू, बरवाडीह, गढ़वा रोड और चौपन स्टेशन का सफाई का अनुबंध।

ई-निविदा सूचना

GeM Bid No.GEM/2022/B/2524995 दिनांक 12/09/2022 भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य के निष्पादन के लिये तकनीकी विशेषज्ञता, वित्तीय क्षमता एवं पर्याप्त अनुभव रखनेवाले ख्यातिलब्ध प्रतिष्ठानों/एजेंसियों/संवेदकों "टू पैकेट सिस्टम" पर ई-निविदायें आमंत्रित है। **i) कार्य का नाम, स्थान तथा समापन अवधि:** धनबाद डिवीजन के अंतर्गत कतरास, बरकाकाना, पतरातू, बरवाडीह, गढ़वा रोड और चौपन स्टेशन का दो (02) वर्ष (अर्थात 730 दिन) की अवधि के लिए सफाई का काम। कार्य समापन अवधि – 02 वर्ष । **ii) कार्य की अनुमानित लागत:** रु. 3,58,24,066.73 (तीन करोड़ अट्ठावन लाख चौबीस हजार छियासठ रुपये तिहत्तर पैसे) मात्र। **iii) बयाना राशि:** रु. 3,29,581.00 (तीन लाख उनतीस हजार पाँच सौ इक्यासी रुपये) मात्र। **iv) ई-निविदा बंद होने की तारीख एवं समय :-** तारीख 03/10/2022 को 16:00 बजे **ई-निविदा खुलने की तारीख एवं समय :-** तारीख 03/10/2022 को 16:30 बजे **v) प्री-बिड मिटिंग दिनांक एवं समय 19.09.2022 – 11:00 बजे:-** प्री-बिड मिटिंग स्थान : वरीय मंडल यांत्रिक अभियंता (कोचिंग) /धनबाद मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय/पू.म.रे. /धनबाद **vi) वेबसाईट विवरण:** https://gem.gov.in ई-निविदा के तहत मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नही की जाएगी।

मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व मध्य रेल, धनबाद
पीआर/001037/डीएचएन/मेक/टी/22-23/44

पूर्व मध्य रेल

ई-निविदा सूचना

ई-निविदा सूचना सं एस.जी. 664-13-संकेत-2022 – 23, भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्न कार्य हेतु ई निविदा आमंत्रित की जाती हैं।

1. कार्य का नाम : धनबाद मंडल के डी. एफ. सी./नई दिल्ली- हावड़ा राजधानी रूट में प्रधानखंता –मानपुर : समपार फाटक (4 No.s) (LC Nos.36/C/2T at Km. 404/27-29, 37/B/T at Km. 426/3-5, 38/B/E at Km. 434/9-11 & 39/A/T at Km. 437/21-23) के बदले एल.एच.एस./सबवे से संबधित सिगनल एवं दूरसंचार कार्य हेतु। **2. कार्य का आकलित मुल्य:–** ₹ 1,31,15,887.61 (लगभग) **3. कार्य का अग्रधन राशि:–** ₹ 2,15,600.00, **4. निविदा बंद होने की तिथि एवं समय–** 03.10.2022 (12:30 बजे)। ऐसी ई निविदाओं के तहत डाक / कुरियर/ फैक्स या व्यक्तिगत रुप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को अवैध माना जायेगा तथा उसके बारे में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा। उपरोक्त ई निविदा के ई निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट: http//www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे। द्रष्टव्य:– प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन/शुधिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की अंतिम तिथि से कम से कम दस दिन पहले वेबसाइट: http//www.ireps.gov.in का अवलोकन करे।

वरीय मण्डल संकेत एवं दूर संचार अभियन्ता
पूर्व मध्य रेल, धनबाद
पीआर/01045/डीएनआर/एस&टी/टी/22-23/40

पूर्व मध्य रेल

ई-नीलामी सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेल प्रबंधक (वाणिज्यिक), पूर्व मध्य धनबाद, अनुबंध प्रदान करने के लिए वेबसाइट www.IREPS.gov.in के माध्यम से IREPS पोर्टल पर ओपन ई-नीलामी आमंत्रित करते हैं। विवरण निम्नानुसार है:–

क्र.सं. : 1, **ई-नीलामी सूची :** मिक्स्ड, **ई-नीलामी सूची सं. :** पार्क-पीयूबी-1, **ई-नीलामी प्रारंभ होने का निर्धारित दिन और समय का विवरण:–** 29.09.2022 12.00 बजे से, **कार्य का विवरण एवं स्टेशन का नाम :** कटकमसांडी स्टेशन पर 03 वर्षों के लिए, 02 व्हीलर, 03 व्हीलर एवं 04 व्हीलर का पार्किंग स्टैंड, चरही स्टेशन पर 03 वर्षो के लिए, 02 व्हीलर, 03 व्हीलर एवं 04 व्हीलर का पार्किंग स्टैंड, बोकारो थर्मल स्टेशन पर 03 वर्षो के लिए, 02 व्हीलर, 03 व्हीलर एवं 04 व्हीलर का पार्किंग स्टैंड, गोमिया स्टेशन पर 03 वर्षो के लिए, 02 व्हीलर, 03 व्हीलर एवं 04 व्हीलर का पार्किंग स्टैंड, गाड़ी संख्या 03343/44, 03371/72, 03363/64, 03327/28, 03341/42 के डिब्बों के बाहरी भाग की रैपिंग। गाड़ी संख्या 03363/64, 03311/12, 03341/42, 03361/62, 13347/48, 03371/72, 03607/08, 03343/44, 03323/24, 03327/28, 03601/02 के डिब्बों के अंदर उच्चगुणवत्ता वाले लेमिनेशन विज्ञापन बोर्डो का प्रदर्शन।

सभी संभावित बोलीदाताओं को सलाह दी जाती है कि वे पूर्ण विवरण के लिए वेबसाइट www.ireps.gov.in देखें और उपर्युक्त ई.नीलामी में कॉलम संख्या iv में दिए गए कार्यक्रम के अनुसार भाग लें। रेल प्रशासन के पास किसी/समस्त प्रपत्र को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित रहेगा।

मंडल रेल प्रबंधक (वाणिज्य), पूर्व मध्य रेल, धनबाद
पीआर/01043/डीएचएन/वा०/एन/22-23/44

आजाद सिपाही की ओर से स्वत्वाधिकारी लैंडस्केप मीडिया प्रा. लि., प्रकाशक एवं मुद्रक हरिनारायण सिंह के लिए 176 कोकर चौक, ओल्ड एचबी रोड, रांची 834001 (झारखंड) से प्रकाशित तथा डीबी प्रिंट सोल्यूशंस (ए यूनिट ऑफ डीबी कार्प लिमिटेड), प्लॉट नं. 535 एवं 1272, ललगुटवा, पुलिस स्टेशन, रातू, रांची से मुद्रित। **संपादक :** हरिनारायण सिंह, **स्थानीय संपादक* :** विनोद कुमार,***पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, **राज्य समन्वय संपादक :** अजय शर्मा। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्यवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 9264434560, **R.N.I. No.-JHAHIN/2015/65109,** Postal Registration No. RN/249/2019-21